

Daily सच के हक में...

Twinkle Khanna On Moving...

Ranchi ● Monday, 30 December 2024 ● Year: 02 ● Issue: 337 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

यह झारखंड है, जहां हर दिन पांच लोगों को उतारा जा रहा मौत के घाट

झारखंड में अपराधी बेलगाम हैं। दिन-पर-दिन इनका हौसला बढ़ रहा है। आए दिन नई-नई घटनाएं सामने आ रही हैं। आज हम बात कर रहे हैं, राज्य में होने वाली हत्या की घटनाओं की। झारखंड में हर दिन पांच लोगों को मौत के घाट उतार दिया जा रहा है। जी हां, यहां जनवरी 2024-अक्टूबर 2024 तक 1400 लोगों को मौत की नींद सुला दिया गया। ये आंकड़े स्टेट क्राइम रिकॉर्डे ब्यूरो (एससीआरबी) ने जारी किए हैं। हालांकि, ज्यादातर मामलों में पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार भी कर लेती है। बता दें कि सबसे ज्यादा हत्याएं जून 2024 में हुई। इस महीने 178 लोगों को मार डाला गया। वहीं अगस्त में पुलिस की नकेल के बाद घटनाएं कम हुई। अगस्त २०२४ में १०८ लोगों की हत्या कर दी गई। लेकिन, अगले महीने अक्टूबर में यह आंकड़ा फिर बढ़कर १४८ पर पहुंच गया। अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि अब

ये पुलिस को भी नहीं बख्श रहे। राजधानी रांची

में स्पेशल ब्रांच में तैनात सब-इंस्पेक्टर अनुपम

कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी

इस साल जनवरी से अक्टूबर तक १४०० लोगों को सुला दिया गया मौत की नींद एससीआरबी के आंकड़े जारी, पुलिस की नाक के नीचे घटनाओं को अंजाम दे रहे अपराधी

146

146

143

125

118



मार डाला गया

बढ़ता अपराध बन रहा चिंता का विषय

अब झारखंड में बढता अपराध चिंता का विषय बन गया है। पुलिस की क्राइम कंट्रोल की तमाम कोशिशों के बावजूद अपराधी लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कई बार अपराधी पुलिस की नाक के नीचे घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस दावा करती है कि अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कोई भी अपराधी बच नहीं सकता। लेकिन, दूसरी तरफ अपराधियों द्वारा किसी नई घटना को अंजाम दे दिया जाता है। हालांकि, पुलिस अपराधियों को पकड़ती जरूर है, जेल भी भेजती है, मगर वही अपराधी सलाखों के पीछे से ही अपराध का साम्राज्य खड़ा कर लेते हैं। हत्या, फिरौती, लूट, अपहरण, रंगदारी जैसी घटनाओं को अपराधी जेल से ही ऑपरेट करते हैं।

पुलिस से साठगांठ

सूत्र बताते हैं कि जेल के अंढर कारा प्रलिस की साठगांठ से ही मोबाइल पहुंचता है। यहां से मोबाइल के जरिए घटना को अंजाम दिलाया जा रहा है। आला अधिकारियों को सूचना मिलने पर जेल में छापेमारी भी होती है, मगर हाथ कुछ नहीं लगता। हाल में ही रांची में कई हत्याएं हुई, जिसकी साजिश जेल में बंद अपराधियों ने रची थी। राज्य में

इस साल की तीन प्रमुख घटनाएं

अधिवक्ता का

निर्मम मर्डर

02 अगस्त 2024 को

वेद प्रकाश सिंह की हत्या

07 जुलाई 2024 को

दौरान जान चली गई थी।

धुर्वा बस स्टैंड के निकट राजधानी के सुखदेव रिश्यत चाय की दुकान में नगर थाना क्षेत्र में रांची अपराधियों ने भाजपा सिविल कोर्ट के नेता व पूर्व पार्षद वेद अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू घोंपकर बेरहमी प्रकाश सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी से हत्या कर दी गई थी। थी। वेद प्रकाश को छाती अपराधियें ने अधिवक्ता और गर्दन में गोली लगी के पेट, हाथ और पीट थी। पहले उन्हें पारस पर चाकू से हमला कर अस्पताल ले जाया गया दिया था। डॉक्टरों ने उन्हें था, लेकिन गंभीर स्थिति मृत घोषित कर दिया था। को देखते हुए दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के

दरोगा को उतारा मौत के घाट

02 अगस्त 2024 की देर रात 2018 बैच के तेज-तर्रार सब-इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की गीली मारकर हत्या कर दी गई थी। अनुपम स्पेशल ब्रांच में तैनात थे। कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड से अनुपम का शव बरामदं किया गया था। अनुपम को दो गोली मारी गई थी। अनपम की हत्या की सूचना मिलते ही रांची पुलिस

में हडकंप मच गया था।

: 82,948.23 : 25,377.55

6,795

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल

PATNA: रविवार को बिहार का प्रसिद्ध पटना महावीर मंदिर न्याय समिति के सचिव किशोर कुणाल का निधन हो गया है। पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल आचार्य किशोर कुणाल राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य भी थें। 74 साल के किशोर कुणाल को रविवार की सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ। उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। निधन के बाद बिहार के नेताओं ने शोक जताया। सीएम नीतीश कमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से शोक जताया।

विस्तृत खबर ०५ पर।

पुजा सिंघल की सस्पेंशन वापसी के लिए बढी फाइल

RANCHI: आईएएस पूजा सिंघल का निलंबन जल्द वापस (सस्पेंशन रिवोक) लिया जाएगा। इसके लिए कार्मिक विभाग ने फाइल आगे बढा दी है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी इस पर विचार कर रही है। कमेटी की अनुशंसा के आलोक में निलंबन वापस लिया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, पूजा सिंघल का निलंबन खत्म करने के लिए कानूनी जानकारों से राय ली गई है बता दें कि मनरेगा घोटाला मामले में पुजा सिंघल को ईडी ने 11 मई को गिरफ्तार किया था।

सूरज के सबसे करीब पहुंचा नासा का स्पेसक्रॉफ्ट

NEW DELHI : अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट पार्कर सोलर प्रोब ने 24 दिसंबर की शाम को सूरज के बेहद करीब पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया है। नासा का यह यान सूरज से करीब 61 लाख किमी की दरों से गजरा। ये दनिया का पहला यान है जिसने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है। एजेंसी ने आगे कहा कि पार्कर सोलर प्रोब यान १ जनवरी को अपनी स्थिति और खोजों का विस्तृत डेटा भेजेगा।

दर्दनाक : लैंडिंग गियर में खराबी की वजह से नहीं खुले पहिए

साउथ कोरिया में प्लेन क्रेश 179 लोगों की चली गई जान

सवाल

रविवार को साउथ कोरिया में मुआन एयरपोर्ट पर जेजू एयर का विमान क्रैश हो गया। एजेंसी के अनुसार, विमान में 175 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर समेत 181 लोग थे। हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने 2 लोगों को जिंदा बचा लिया। प्लेन से सभी शव निकाले जा चुके हैं। मरने वालों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं हैं। देर रात तक 10 शवों की पहचान नहीं हो पाई। हादसा भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 5:37 बजे (लोकल टाइम सुबह 9:07 बजे) हुआ। बैंकॉक से आ रहा प्लेन एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था, लेकिन लैंडिंग गियर में खराबी की वजह से विमान के पहिए नहीं खुले। इमरजेंसी में विमान की है। इस दौरान विमान रनवे पर धमाके के साथ आग लग गई। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से प्लेन से बेली लैंडिंग कराई गई। इसमें प्लेन फिसलता हुआ एयरपोर्ट की इधर रॉयटर्स ने खबर दी है कि पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा गया

मृतकों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं शामिल, 10 डेड बॉडी की नहीं हुई पहचान



अधिकारी ने बताया कि प्लेन में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि आग को बुझाने में 43 मिनट का वक्त लगा। फिलहाल क्रैश साइट पर बचाव कार्य जारी है।

१७३ साउथ कोरियाई और 2 थाईलैंड के नागरिक थे। मीडिया रिपोटर्स के अनुसार, जिंदा बचे दोनों लोग क्रू मेंबर्स हैं।

पिछले हिस्से में थे, उन्हें

कोशिश की जा रही है।

प्लेन में सवार यात्रियों में

वहां से बाहर निकालने की

दो बार लैंडिंग की कोशिश की, दूसरी बार में हादसा

जेजू एयरलाइन का जो प्लेन क्रैश हुआ है, वह अमेरिकी कंपनी बोइंग का 737–800 प्लेन था। प्लेन ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए दो बार कोशिश की। पहली बार में लैंडिंग गियर नहीं खुलने की वजह से प्लेन लैंड नहीं हो पाया था। इसके बाद प्लेन ने एयरपोर्ट का एक चक्कर लगाया था। पायलट ने दूसरी बार प्लेन को बिना लैंडिंग गियर के ही बैली लैंडिंग (बॉडी के बल) कराने का फैसला किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक प्लेन के विंग से पक्षी के टकराने का दावा किया जा रहा है।

बाउंडीवाल से जा टकराया। उसमें हादसे के पहले मुआन एयरपोर्ट के था। प्लेन के लैंडिंग गियर में

कॉल करने वाले ने कहा- संगठन को सहयोग करें, हम आपकी मदद करेंगे

पीएलएफआई के नाम पर बीजेपी नेता से मांगी रंगदारी

CRIME REPORTER RANCHI: झारखंड में उग्रवादियों और अपराधियों

की बेखौफ गतिविधियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उग्रवादी संगठन अपना वर्चस्व कायम करने के लिए घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। रंगदारी मांगने के मामले में बिल्डरों और सड़क निर्माण कर रहीं कंपनियों को निशाना बनाया जा रहा है। इस कड़ी में इस बार राजधानी रांची के चर्चित बिल्डर व भाजपा नेता रमेश सिंह से पीएलएफआई के नाम पर रंगदारी मांगी गई है। रमेश सिंह को फोन कर रंगदारी मांगी गई है। इस संबंध में रमेश सिंह ने सुखदेव नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। कितनी रंगदारी मांगी गई है, यह स्पष्ट नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रमेश सिंह ने सुखदेव नगर थाने में दर्ज कराई एफआईआर



• रेस्क्यू टीम ने चालक दल

के दो सदस्यों को बचा लिया

बंगाल में मिला लोकेशन, जांच कर रही पुलिस एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस पूरी तरह एक्टिव हो गई है। सुखदेव नगर थानेदार मनोज कुमार ने बताया कि भाजपा नेता रमेश सिंह से पीएलएफआई के नाम से रंगदारी मांगी

दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, जिस नंबर से रमेश सिंह को कॉल कर रंगदारी मांगी गई है उसका लोकेशन बंगाल में मिला है। पुलिस इस पर कार्रवाई करने में जुट गई है।

गई है। रमेश सिंह ने प्राथमिक की भी रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की दी चेतावनी

रमेश सिंह ने अपनी एफआईआर में लिखा है कि शनिवार को उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पीएलएफआई का सदस्य बताया। उसने संगठन को मदद करने की बात कही। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि आप संगठन को मदद कीजिए। संगठन आपकी मदद करेगा। सहयोग नहीं करने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। कहा कि संगठन के कमांडर सहित अन्य सदस्यों की नजर उन पर है। बता दे कि रमेश सिंह न सिर्फ भाजपा नेता हैं इनकी गिनती रांची में जाने-माने बिल्डरों में भी होती है।

बड़े से छोटे शहरों तक में एयर क्वालिटी में आ रही गिरावट सेहत की चिंता

वायु प्रदूषण के कारण तनाव और अवसाद में हो रहा इजाफा

हवा की गुणवत्ता अगर गिरेगी, तो सांसों के साथ

सेहत को प्रभावित करने वाले प्रदूषक हमारे शरीर के भीतर जाएंगे और कई प्रकार की बीमारियां पैदा करेंगे। हाल में हुए अध्ययन में विशेषज्ञों ने बताया है कि दिन-प्रतिदिन तनाव और अवसाद में वृद्धि का एक बड़ा कारण बढ़ता वायु प्रदूषण भी है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से लोगों में अवसाद बढ़ रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक, वायु प्रदूषकों में सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ२) अवसाद के बढते जोखिम का सबसे प्रमुख कारण है। इसके साथ ही पार्टिकुलेट मैटर (पीएम2.5) और कार्बन मोनोऑक्साइंड जैसे प्रदूषण के कण भी लोगों में निराशा और तनाव भर रहे हैं। आपस में मिलकर यह प्रदूषक कहीं ज्यादा खतरनाक हो

जाते हैं। यह नया अध्ययन हार्बिन मेडिकल यूनिवर्सिटी और क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकताओं ने किया है। और जर्नल एनवायर्नमेंटल साइंस एंड इकोटेक्नोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। शोधकताओं ने चीन के 12 हजार से अधिक लोगों के आंकड़ों का अध्ययन किया।

सांसों के साथ शरीर में पहुंचकर अन्य अनेक बीमारियां भी पैदा करते हैं प्रदूषक सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड से हवा बन रही जहरीली

- हार्डिन मेडिकल और क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने की स्पेशल स्टडी
- 12000 से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन में आया डराने वाला
- भारी शारीरिक श्रम करने वाले लोगों के फेफड़ों पर पड़ता है अधिक प्रभाव
- प्रभावित लोगों को गहरी सांस लेते समय दर्द, खांसी और गले में शुरू हो जाती है जलन
- मस्तिष्क तक कम ऑक्सीजन पहुंचने के कारण आने लगता है चक्कर



<u>10 ਦੇ 19 वर्ष</u> का हर सातवां <u>बच्चा झेल रहा</u> मानसिक

ऑक्सीजन ले जाने की ब्लड की क्षमता

इसी प्रकार कार्बन मोनोऑक्साइड क्षोभमंडल में पाया जाने वाला एक प्राथमिक प्रदूषक है। यह रक्त में हीमोग्लोबिन से जुड़ जाती है जिससे रक्त की ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है। यह रक्त में हीमोग्लोबिन से क्रिया कर कार्बोक्सी हीमोग्लोबिन बनाती है, जिसकी वजह से रक्त में ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक जाती है।

एक साथ कई रोग करते हैं परेशान

अध्ययन में विशेषज्ञों ने बताया है कि सल्फर डाइऑक्साइड एक प्रमुख वायु प्रदूषक है। यह गैस त्वचा, आंखों, नाक, गलें और फेफड़ों की श्लेष्मा झिल्ली को क्षति पहुंचाती है। इसकी उच्च सांद्रता श्वसन प्रणाली में सूजन और जलन पैदा करती है, खासकर भारी शारीरिक श्रम के दौरान यह और ज्यादा हानिकारक होती है। इसके परिणामस्वरूप होने वाले लक्षणों में गहरी सांस लेते समय दर्द. खांसी, गले में जलन और सांस लेने में किउनाई शामिल हो सकती है।



खराबी की एक वजह यह भी हो

भारत को आत्मनिर्भर व विकसित बनाना हमारा लक्ष्य : राजनाथ सिंह

INDORE: रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सेना की भूमिका

बेहद अहम है।

इंदौर के महू आप केवल में आयोजित सीमाओं के रक्षक ही नहीं संस्थानों के हैं, बल्कि आप कार्यकम को इस राष्ट्र के निर्माण के अग्रदूत भी हैं। संबोधित आपके कंधों पर बडी जिम्मेदारी

डॉ.अंबेडकर की है। आपको एक जन्मस्थर्ल ਧਨਂਹੇ राजनाथ सिंह, प्रतिमा पर अर्पित

तरफ तो हमारी सीमाओं का भार संभालना है और दूसरी तरफ विकसित किए पुष्प भारत के निर्माण

की नींव भी रखनी है। हमें खुद को हमेशा अलर्ट रहने की आवश्यकता है। वह इंदौर जिले के प्रवास के दौरान महू में आर्मी संस्थानों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि महू में एक लंबे समय से आर्मी वॉर कॉलेज, इन्फेंटरी स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग भी सेवाएं दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री बोले- संविधान हमारा पथ प्रदर्शक, समय की कसौटी पर उतरा खरा

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 117वें एपिसोड



वाले महाकुंभ का किया विशेष उल्लेख

पीएम मोदी ने

प्रयागराज में होने

AGENCY NEW DELHI: रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 117वां एपिसोड प्रसारित किया गया। इसमें उन्होंने भारत के संविधान को पथ प्रदर्शक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निमार्ता द्वारा सौंपा गया संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस एपिसोड में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ का विशेष उल्लेख किया और कहा कि अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और

- कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैट बोर्ड का भी किया जा रहा प्रयोग
- अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता

इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत. हजारों परंपराएं. सैकडो संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल आधारित चैट बोर्ड का भी प्रयोग किया जा रहा है। फोन विराम के माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में काम से जुड़ी हुई हर जानकारी हासिल की जा सकेगी।

स्वतत्रता सग्राम पर आधारित एनिर्मशन

सीरीज जेबीटी-भारत हैं हम के दूसरे सीजन के आने की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों का पसंदीदा कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायकों के बारे में हमें बताता है जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। इसका दूसरा सीजन बड़े खास अंदाज में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में लॉन्च हुआ। भारतीय फिल्म जगत की महान हस्तियों का भी अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिक्र किया जिनकी इस वर्ष १००वीं जयंती है। उन्होंने राज कपूर, मोहम्मद रफी, अक्कीनेनी नागेश्वर राव गारू और तपन सिन्हा का उल्लेख किया।

देखने को नहीं मिलता। उन्होंने

कहा कि इसकी विशेषता इसकी

विशालता में ही नहीं, बल्कि

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज कपूर ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की सॉफ्ट पावर से परिचित कराया। वहीं रफी साहब ने हर तरह के भावों को अपनी आवाज देकर जीवंत किया है। थ्याले साल भारत में थारोजित होने वाले ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट सबिमट यानी वेद्स सबिमट के विषय पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें दुनियाँ भर के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग के दिग्गज और सृजनात्मक दुनिया के लोग भारत आएंगे। यह भारत के दुनिया के कंटेंट क्रिएशन का हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रांची-टाटा रोड पर कांची नदी के पास हादसा

ट्रक ने दो बाइकों को पीछे से मारी टक्कर, 3 की मौत

रविवार को तमाड़ थाना क्षेत्र में

भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें तीन युवकों की जान चली गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान 20 सालके सुमित मिश्रा, 18 साल के पुलकित सिंह और 18 साल के ही निखिल कुमार के रूप में हुई है। घायलों में शुभम कुमार और प्रिंस कुमार शामिल हैं। सभी भुइंयाडीह, जमशेदपुर के रहने वाले हैं। तमाड़ थाना प्रभारी रोशन कुमार झा ने बताया कि हादसे की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। स्थानीय



• सभी मृतक और घायल जमशेदपुर के भुइंयाडीह के रहने वाले

लोगों के अनुसार, रांची-टाटा राजमार्ग पर कांची नदी के पास एक एक ट्रक ने दो बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने बताया कि दो बाइक पर सवार होकर पांच दोस्त पिकनिक मनाने के लिए जोन्हा फॉल जा रहे थे।

डकैतों ने होमगार्ड जवानों को बंधक बना कर लूट ली 9.50 लाख रूपये की संपत्ति

जवानों से राइफल और गोली भी छीनी, लेकिन जाते समय परिसर में ही फेंक दिया

PHOTON NEWS DHANBAD: केबुल डकैतों ने शनिवार की रात निरसा थाना क्षेत्र के हरियाजाम कोलियरी की पानी निकासी के लिए कुहंका गांव में बनाए गए वीटी पंप पर धावा बोलकर कोलकर्मियों व होमगार्ड के जवानों को बंधक बनाकर लगभग साढ़े नौ लाख की संपत्ति लूट ली। डकैतों ने पंप में लगे 550 केवीए के ट्रांसफार्मर का क्वायल एवं लगभग 200 मीटर केबल लूट ले गए। इस दौरान डकैतों ने सुरक्षा में तैनात होमगार्ड के जवान तुफानी राम व सरयू यादव को भी बंधक बनाकर उनकी राइफल छीन ली। सरयू यादव की कमर में बांधकर रखी लगभग 30 गोली भी छीन लिए। इस दौरान बंधक बने कोल कर्मियों

के मोबाइल व जेब में रखा पैसा भी

AGENCY HAZARIBAG:

जब रक्षा करने वाला ही भक्षक

बन जाए तो सड़क पर उतरना ही

पड़ेगा। इस भावना के साथ रविवार

को बढवा महादेव प्रांगण से एक

ऐतिहासिक कैंडल मार्च और

मशाल जुलूस निकाला गया। शहर

के विभिन्न चौक चौराहों से गुजरते

हुए झंडा चौक पहुंचकर समाप्त

हुआ। जहां पर अनिता कुमारी की

प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर

सभी ने उन्हें नमन किया। यह

आयोजन एसडीएम अशोक कुमार

की धर्मपत्नी अनिता कुमारी को

न्याय दिलाने और दोषियों को कड़ी

से कड़ी सजा देने की मांग को

लेकर किया गया। इस घटना ने न

केवल हजारीबाग बल्कि पूरे क्षेत्र





घटनास्थल पर जुटे लोग व लूटे गए ट्रांसफार्मर का ढांचा

हजारीबाग: अनिता को न्याय दिलाने के लिए

लोगों ने निकाला कैंडल मार्च व मशाल जुलूस

कैंडल मार्च व मशाल जुलूस में शामिल लोग

मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी के

जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह,

मंडल अध्यक्ष, सैकड़ों कार्यकर्ता

और बड़ी संख्या में आम नागरिक

इस मार्च में शामिल हुए। सभी ने

एक स्वर में आरोपित की जल्द

गिरफ्तारी और उसे फांसी की सजा

की मांग की। गत 26 दिसंबर को

आपस में बांग्ला, खोरठा व होमगार्ड के राइफल एवं कोल संथाली भाषा में बातचीत कर रहे कर्मियों के मोबाइल को वीटी थे। रविवार की सुबह जब ईसीएल कैंपस में ही फेंक दिए। लगभग का गश्ती दल पहुंचा तब कर्मियों तीन घंटे तक लुटेरों ने घटना को को एवं होमगार्ड के जवानों को अंजाम दिया। डकैतों की संख्या बंधकमुक्त किया। उसके बाद अन्य 25 से 30 के बीच थी तथा सभी लोगों को घटना की जानकारी हुई। हरवे हथियार से लैस थे। उन्होंने

सीआईएसएफ के अधिकारी, ईसीएल हरियाजाम कोलियरी के प्रबंधक एवं ईसीएल सिक्योरिटी की टीम पहुंची तथा बंधक बने लोगों से मामले की जानकारी ली। पुलिस, सीआईएसफ एवं ईसीएल सिक्योरिटी की टीम आसपास के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला

नक्सली संगढन टीपीसी ने आशीर्वाद

कंपनी को दी चेतावनी

RAMGARH : रामगढ़ और हजारीबाग की सीमा पर उरीमारी क्षेत्र में नक्सली संगठन टीपीसी (तृतीय प्रस्तुति कमेटी) एक बार फिर सक्रिय हो गई है। इस कमेटी के तरफ से इस क्षेत्र में काम कर रही आशीर्वाद कंपनी को चेतावनी दी गई है। रविवार को नक्सली दिवाकर के जरिये के जारी किए गए पर्चे में कंपनी को पेड़ कटाव तत्काल बंद करने का फरमान जारी किया गया है। साथ ही यह कहा गया है कि जब तक टीपीसी संगठन के सदस्यों के साथ बातचीत नहीं हो जाती है, तब तक किसी भी तरह का काम नहीं होगा। अगर संगठन से बात किए बिना आशीर्वाद कंपनी पेड कटाव का कार्य जारी रखती है, तो नक्सली संगढन पेड़ काटने वाले को ही काट देगी। चाहे वह मजदूर हो या ठेकेदार। नक्सली संगठन के जरिये जारी किए गए इस पर्चे के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। कंपनी के पदाधिकारियों ने इस मामले की सूचना उरीमारी पुलिस को दी है। इस क्षेत्र में आशीर्वाद कंपनी कार्य कर रही है वहां पुलिस ने पहुंचकर जांच

दो युवकों की मौत, सड़क जाम GUMLA : जिले के बसिया थाना क्षेत्रांतर्गत कोनबीर नवाटोली स्थित संत पॉल

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर

बाइक सवार तीन युवकों में दो की मौके पर ही मौत होँ गई । जबकि एक मृत युवकों की पहचान कोनबीर निवासी गुलशन करकेट्टा (२७)के रूप में हुई हैं । जबकि कोनबीर नवाटोली निवासी ब्रिजिट कुल्लू (35) गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार घटना रविवार की हैं । तीनों बाइक से लोंगा की ओर जा रहे थे । इन्हें अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मारी, जिससे सभी युवक बीच सडक पर ही गिर गए । इसके बाद दोनों युवकों को अज्ञात वाहन रौंदर्ते हुआ फरार हो गया । घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे बिसया थाना प्रभारी युधिष्ठिर कुमार प्रजापित ने लोगों को समझाने का

मशीन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की हो गई मौत

प्रयास किया । लेकिन लोग हाथों हाँथ मुआवजे की मांग एवं अज्ञात वाहन चालक

का पता लगा कर चालक की गिरफ़्तारों की मांग पर अंडे रहें। समाचार लिखें

जाने तक सड़क जाम नहीं खुला था। वही घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए



अस्पताल में इलाजरत मरीज

KODERMA: जिले के तिलैया थाना अंतर्गत डोईयाडीह में रविवार की सुबह कुटी काटने वाले मशीन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को परिजन इलाज के लिए कोडरमा के सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान डोईयाडीह निवासी

अनिल साव (42) के रूप में हुई

है। जानकारी के अनुसार रविवार

हाथियों के झुंड ने बुजुर्ग महिला की

की सुबह अनिल अपने घर के समीप कुटी मशीन से पुआल की कटिंग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पैर स्लिप हो जाने पर वह मशीन की चपेट में आ गए फंसकर कट गया। इसके बाद लोगों ने आनन फानन में मशीन को बंद किया और गंभीर रूप से घायल अनिल को लेकर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे



• फोटोन न्यूज

KHUNTI: मुनि श्री सुयशसागर जी महाराज रांची से मंगल विहार होते धर्मावलंबियों ने पूरे हर्ष उल्लास के साथ गुरुवर का स्वागत किया। इसके लिए नगर में जगह-जगह गुरुवर के स्वागत के लिए तोरणद्वार बनाये गये थे। गुरुवर के भक्तों के जरिये उनके आवास और प्रतिष्ठान के पास उनका पद प्रक्षालन कर आरती उतारी गई। मुनिराज ने खुंटी नगर में पिपरा टोली, नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक, डाक बंगला रोड, भगत सिंह चौक होते हुए कर्रा रोड श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि दो वर्ष पूर्व मुनि सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में खुंटी के जैन मंदिर में भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया गया था। मुनिराज के साथ सभी भक्तों ने भक्ति भाव और गाजे बाजे के साथ जयकारा लगाते हुए नगर का भ्रमण किया। जुलूस के समापन के बाद जैन मंदिर में जिन अभिषेक एवं शांति धारा का अनुष्ठान किया गया। इसके बाद दोपहर में मंदिर में गुरुवर सुयश सागर की ओर से द्वारा प्रवचन किया गया। गुरुवर ने बताया कि किसी क्षेत्र के पुण्य के उदय से ही नगर को गुरु का सानिध्य प्राप्त होता है। संध्या में महामंत्र णमोकार चालीसा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन समाज के अध्यक्ष शिखर चंद जैन, सचिन रमेश जैन, उपाध्यक्ष श्रीपाल जैन, सह



LOHARDAGA: सेवा भारती लोहरदगा के जरिये चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण में स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का रविवार को आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ कुमुद अग्रवाल,सहसचिव संजय चौधरी,राजीव यादव ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्प चढ़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 54 लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बी पी,वजन,हार्ट बीट,ऑक्सीजन लेवल आदि

को झकझोर कर रख दिया है। सुबह करीब 7.30 से 8.00 बजे जुलुस का नेतृत्व सदर विधायक के बीच हजारीबाग एसडीएम प्रदीप प्रसाद ने किया। चतरा आवास पर अनिता कुमारी जलने ट्रक अनियंत्रित होकर पत्थर



घटनास्थल पर पलटा ट्रक

KODERMA: कोडरमा थाना के कोडरमा घाटी में रविवार की सुबह छड़ लदे एक ट्रक के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से ट्रक का चालक, उपचालक और ट्रक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार छड़ लोड ट्रक बंगाल से उत्तर प्रदेश के बलिया जा रहा था। इस दौरान ट्रक कोडरमा घाटी नौवा माइल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। • फोटोन न्यूज

दुर्घटना में बिहार के गोपालगंज निवासी चंद्र मोहन कुमार (20), सलमान खान (30) और सफी आलम (25) घायल हो गए। जिन्हें पेट्रोलिंग पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर

जंगली हाथियों ने फिर ली एक युवक की जान

उन्हें पहले शहर के निजी

गया। इलाज के दौरान 27 दिसंबर

की रात 3:30 बजे अनिता कुमारी

ने दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे

शहर में आक्रोश फैल गया।

शनिवार को रांची में पोस्टमार्टम के

बाद परिजनों ने हजारीबाग में

संबंधित थाने में आरोपित की

गिरफ्तारी की मांग की।

• फोटोन न्यूज

KHUNTI : जिले के कर्रा प्रखंड में जंगली हाथियों का खूनी खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। शयद ही कोई ऐसी रात गुजरती है, जब जंगली हाथी किसी न किसी गांव में जान-माल की क्षति न पहंचाते हों। इसी क्रम में गजराजों ने कर्रा प्रखंड की छाता पंचायत के केदली गांव में सोहराई उरांव नामक 36 वर्षीय युवक को शनिवार की देर रात सूंढ़ से उठाकर पटक दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल खुंटी ले गये, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। सोहराई उरांव के स्वजनों ने बताया कि शनिवार की रात को बुंदाबांदी हो रही थी। सोहराई खलिहान में रखे मडुआ को बचाने के लिए तिरपाल ढंकने गया था। अचानक उसका सामना एक जंगली हाथी से हो गया। हाथी ने उसे उठाकर पटक दिया, इससे वह गभीर रूप से घायल हो गया।



लिया। भंडरिया मुख्यालय में हुई घटना से पहले शनिवार की देर शाम हाथियों के झुंड का भंडरिया के जंगलों में होने की जानकारी के बाद वन विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया था। इसके अलावे सायरन बजाकर वन विभाग ने भंडरिया के लोगों को जागरूक किया, लेकिन महिला की जान चली गयी। इस तरह शनिवार की रात हुई मौत के

बाद हाथियों से मौत की संख्या आठ हो गयी। इसके पर्व हाथियों के झुंड ने इस वर्ष में सात लोगों की जान ले ली है इनमें बलिगढ के नागेश्वर सिंह, पररो के सुभाष सिंह, महरु डीलर, जोन्हीखांड़ में चुटिया के रामशकल सिंह, बैरिया की स्वाति मिंज व रमकंडा के ऊपरटोला निवासी सीताराम मोची

सिदगोड़ा में संपन्न हुआ गायत्री परिवार का नारी सशक्तीकरण एवं युवा जागरण शिविर, पूरे झारखंड से जुटे सदस्य

दुर्गा व लक्ष्मी की तरह समाज को सशक्त बनाती है नारी : शेफाली पांड्या

भगमनिया कोरइन(65) के रूप

सूचना के बाद रविवार को वन

विभाग के अधिकारियों ने

घटनास्थल पर पहुंच कर मामले

की जानकारी ली। ग्रामीण बताते हैं

कि भंडरिया बाजार से लौटने के

बाद उक्त महिला देर रात तक घर

नही पहुंची, जंगल किनारे अपने

रिश्तेदार के यहां चली गयी। इसी

बीच घर जाने के दौरान हाथियों के

झुंड ने उसे अपनी चपेट में ले

में की गयी।

PHOTON NEWS JSR: सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में प्रांतीय युवा समन्वय समिति, झारखंड व प्रज्ञा महिला मंडल टाटानागर द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में विगत तीन दिनों से चल रहे नारी सशक्तीकरण एवं युवा जागरण शिविर का समापन हो गया। इसमें स्वयं के निर्माण के संकल्प से श्रेष्ठ समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इस तीन दिवसीय शिविर में झारखंड के 24 जिलों के 1100

भाई-बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज हरिद्वार की प्रमुख शेफाली पांड्या जीजी, श्यामा राठौर, अरुंधित साहू, ओमप्रकाश राठौर आदि ने संबोधित किया। शेफाली जीजी ने नारी सशक्तीकरण एवं युवा



सिदगोड़ा में कार्यक्रम को संबोधित करतीं शेफाली पांडया

नारी विद्या व निर्माण की प्रतीक है। लक्ष्मी के रूप में दुख व अभाव से मुक्त करती है, तो वहीं दुर्गा बनकर शक्ति और साहस का संचार करती है। वर्तमान समय में नारी शक्ति फैशन परस्ती, श्रुंगारिता ,अश्लीलता के चक्रव्यूह में अपने स्वास्थ्य और चरित्र को कमजोर बना रही है। वहीं युवा वर्ग व्यसन और कामुकता के चक्रव्यूह में फंसकर अनमोल जीवन को बर्बाद

कर रहा है, इसीलिए गायत्री परिवार का आंदोलन राष्ट्रीय आधारशिला नारी सशक्तीकरण स्वास्थ्य, संवर्धन, स्वावलंबन व प्राचीन गौरव गरिमा से परिचित कराते हुए फिर से 21वीं सदी -नारी सदी के रूप में उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ाना है और युवा वर्ग को स्वस्थ शालीन सेवाभावी और स्वावलंबी बनाकर राष्ट्र को समर्थ और सशक्त बनाना

देवघर में हुआ २४ लाख गायत्री मंत्र का अनुष्टान देवघर साधना आंदोलन के अंतर्गत

24 नवंबर को 24 घंटे के अंदर 24 लाख गायत्री मंत्र के सामूहिक अनुष्ठान को पूर्ण किया। ३ सितंबर को झारखंड गायत्री परिवार के दो अनमोल रतन धनेश्वर महतो व पंचदेव प्रसाद यादव का सडक दुर्घटना में निधन के बाद आर्थिक रूप से कमजोर पंचदेव भाई के श्रद्धांजलि सभा में झारखंड बोकारो गायत्री परिवार की ओर से उनके बच्चों के उचित परवरिश के लिए 15 लाख राशि भविष्य निधि के रूप में उनकी पत्नी के बैंक के अकाउंट में डोनेट किया गया। युवा जोड़ो अभियान के अंतर्गत हजारीबाग एजुकेशन हब में प्रत्येक रविवा[°]को पटना की तरह निशूल्क मेडिटेशन एंड मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया जाता है, जिसमें अभी तक 5000 विद्यार्थी भाग

है। यह झारखंड की धरती कभी क्रांतिकारियों की भूमि थी। इसी

पूरे राज्य में होगा ५००० कंबल वितरण

पीडा निवारण के अंतर्गत समाज के गरीब लोगों को 5000 कंबल वितरण एवं प्रखंड वाइज मेडिकल कैंप लगाने का लक्ष्य रखा गया। इस कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रांतीय युवा मोटिवेटर सुरेश कुमार ने प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन भारतीय संस्कृति के प्रांतीय संयोजक ताराचंद्र अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम की सफलता पर प्रांतीय युवा संयोजक संतोष कुमार राय, साहित्य प्रांतीय युवा समन्वय समिति के सदस्यों ने शुभकामना व्यक्त की। इस अवसर पर प्रांतीय यवा समन्वय समिति द्वार स्मारिका का प्रकाशन कर वितरित किया गया। प्रज्ञा महिला मंडल की अध्यक्ष बहन जसवीर कौर एवं महिला जिला समन्वयक बहन मंजू मोदी ने पूरे आयोजन की सफलता में मनोयोग के साथ लगे कार्यकर्ता भाई–बहनों का आभार ब्यक्त किया।

पावन धरा से सिद्धू कानू ,चांद भैरव, बिरसा मुंडा भगवान बनकर

पूरे झारखंड में ५०० संगोष्टी का लक्ष्य

पूरे झारखंड से युवा जोड़ो अभियान से संबंधित 500 संगोष्टियां आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है, व्यसन मुक्ति रैली 108,, विश्व गंगा अभियान के अंतर्गत १००००० वृक्ष लगाने का संकल्प। भागीरथी जलाभिषेक अभियान से संबंधित 125 सरोवर एवं नदियों की सफाई एवं हरा भरा करने का लक्ष्य, आदर्श ग्राम तीर्थ के अंतर्गत 48 गांव को व्यसनमूक्त और स्वालंबी बनाने का संकल्प, आओ ग्रह संस्कारवान पीढ़ी एवं नारी जागरण से संबंधित नव दंपती शिविर 120, मां की संस्कारशाला १५०, साधना आंदोलन के अंतर्गत मंत्र लेखन अभियान एक लाख, चंद्रयान साधना १२०, सवा लाख का अनष्टान २५, होला पुस्तकालय ५००, स्वास्थ्य संवर्धन र्के अंतर्गत योग शिविर 250 गमले में औषधीय पौधे लगाने का संकल्प है।

आज भी प्रेरणा के स्रोत बने हुए

हैं, आज जरूरत है फिर से उनके

जवानी को सार्थक और सफल बनाने की।

आदर्शों के पथ पर चलकर अपनी

इस कार्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण रचनात्मक कार्यक्रमों की प्रस्तुति झारखंड के अलग-अलग जिलों से हुए जिसमें टाटानगर ब्लड डोनेशन कैंप के मामले में अभी तक 58 शिविर आयोजित कर चुका है, जिसमें लगभग 10000 यूनिट रक्त संग्रह करके ब्लड बैंक को दिया गया। गिरिडीह जिला के सात गांव के देवी मंडप को पशु बलि से मुक्त किया। रांची द्वारा इंटरनेशनल स्टेडियम सहित लातेहार, हजारीबाग, तेनुघाट व कोडरमा के जेल में विचार क्रांति के अंतर्गत प्रेरणाप्रद सदवाक्य के लेखन किया है। डिवाइन वर्कशॉप के अंतर्गत कोडरमा टाटानगर के लगभग 5000 विद्यार्थियों को नशा मुक्ति एवं जीवन प्रबंधन के स्वर्णिम सूत्र पर संदेश सुनाया।

चेतन साव गोलीकांड मामले में एक और शूटर हुआ गिरफ्तार

मामले की जानकारी देते सिटी एसपी अजित कुमार

DHANBAD: चेतन साव गोली गोली मारकर घायल कर दिया गय कांड मामले में धनबाद पलिस को था। इसमे अनसंधान के दौरान रविवार को एक और सफलता बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के ही हाथ लगी है। दरअसल चेतन साव कल्याणपुर से एक और शूटर को पर गोली चलाने वाला मोस्टवांटेड गिरफ्तार किया गया है। इसके प्रिंस खान का गुर्गा फजल उर्फ निशानदेही पर घटना में उपयोग फैजल खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में कारतूस और एक मोबाइल फोन प्रयुक्त पिस्टल को भी पुलिस ने भी बरामद किया गया है। उन्होंने बरामद कर लिया है। रविवार को बताया कि पूछताछ के क्रम में इस संबंध में धनबाद के बरवाअड्डा गिरफ्तार अपराधी ने घटना में थाना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली सिटी एसपी अजित कुमार ने बताया कि बीते 13 दिसंबर की फैजल खान (25) जो अलीगढ शाम बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के उत्तर प्रदेश का रहने वाला है कुमीर्डीह में अज्ञात अपराधियों उसका पुराना आपराधिक इतिहास

जैन मुनि सुयश सागर पहुंचे खूंटी, हुआ स्वागत



हुए रविवार को खुंटी नगर में मंगल प्रवेश हुआ, जहां खुंटी के जैन सचिव प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष अरविंद जैन, महिला मंडल अध्यक्ष मीना जैन, सचिन मधु जैन, कोषाध्यक्ष संगीता जैन, युवा सदस्य अमित जैन, मनोज जैन सहित अन्य ने योगदान दिया। यह जानकारी समाज के रोहित

सेवाभारती ने लगाया चिकित्सा शिविर



का निशुल्क जांच किया गया। मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

मुंडारी भाषा को संविधान की आढवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग

KHUNTI: करम अखड़ा खूंटी में रविवार को आदिवासी सरना समाज की बैठक पांडेया मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में परंपरागत आदिवासी सरना समाज को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही 2025 की जनगणना टीक से गणना हो सके, इसके लिए समाज को जागरूक करने और जनगणना कॉलम में समाज के लोग निश्चित तौर पर सरना धर्म कोड लिखें, इसके लिए समाज के लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुंडारी भाषा को संविधान की आढवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई और समाज के लोगों से अपनी मुंडारी भाषा बोलने की अपील की गई। बैठक में कुड़मी / कुरमी समुदाय के लोगों को आदिवासी में शामिल करने की मांग का विरोध किया गया । बिरसा कॉलेज खूंटी में बीएड की पढ़ाई शुरू करने की मांग की गई। बैठक में पड़हा राजा सोमा मुंडा, दुर्गावती ओड़ेया, सेलाय चंद्र मुंडा, जमुना पूर्ति, बिरसा पाहन, जाबोर मुंडा, अनुपम हरसा, हरि मुंडा, मथुरा कंडीर, दामु मुंडा, बगराय मुंडा, विरेंद्र कुमार सोय, अमृता मुंडा, मोदेस्ता तोपनो, राम मुंडा, सुरजू हस्सा, संदीप हस्सा,कोंता पहान, दुर्गा मुंडा, कुंवर नाग, विमल नाग, सुंखु सांगा सहित समाज के अन्य लोग शामिल थे।











CITY



BRIEF NEWS

चालान जमा नहीं करने वालों के वाहन होंगे सीज

RANCHI : अब रांची आटोमैटिक कैमरे की मदद से ट्रैफिक चालान काटे जा रहे हैं। नतीजा बेपरवाह और बेखबर वाहन चालकों के घरों पर धड़ाधड़ चालान पहुंच रहे हैं। हालांकि जिस तेजी से चालान काटे जा रहे हैं उस औसत में जुमार्ने की राशि जमा नहीं हो रही है। लेकिन रांची टैफिक पलिस परी कड़ाई से जुमार्ना राशि वसूल रही है। रांची ट्रैफिक पुलिस जुमार्ने की राशि जमा नहीं करने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। ऐसे चालकों के वाहन को पुलिस अब सीज करेगी। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस की ओर से तैयार शुरू कर दी गई है। टैफिक पलिस की ओर से ऐसे वाहन चालकों का डेटा तैयार किया जा रहा है। पहले चरण में वाहन चालकों को जुमार्ने की राशि जमा करने के लिए पोस्ट के माध्यम से रिमाइंडर भेजा जा रहा है। इस दौरान चालकों को जुमार्ना जमा करने के लिए एक समय दिया जा रहा।

डॉ. प्रदीप वर्मा बने भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी

RANCHI: भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के लक्ष्मण ने झारखंड के चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की घोषणा करते हुए पत्र जारी किए हैं। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा को झारखंड का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। जबकि प्रदेश मंत्री गणेश मिश्र, सुनीता सिंह एवं दुर्गा मरांडी को सह चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

इंस्पेक्टर रंजीत प्रसाद हुए निलंबन मुक्त

RANCHI: इंस्पेक्टर रंजीत प्रसाद को निलंबन मुक्त कर दिया गया। उन पर छेड़खाली मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगा था। रंजीत प्रसाद कोतवाली थाना के प्रभारी थे। इस मामले की जांच में उनके खिलाफ लगे आरोपों की पृष्टि नहीं हो पाई। जिसके बाद उन्हें निलंबन मुक्त कर दिया गया। डीआइजी अनुप बिरथरे के आदेश के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर होगी कार्रवाई

RANCHI: राजधानीवासी नए साल के जश्न में ट्रैफिक नियम तोडने की गलती न करें नहीं तो उनके लिए अच्छा होगा। क्योंकि पकड़े जाने पर वाहन चालकों की गाड़ी जब्त होने के साथ उन पर जुमार्ना भी लगेगा। रांची ट्रैफिक पुलिस द्वारा अधिक शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर लगाम कसना शुरू कर दिया गया है। इसी के तहत ट्रैफिक पुलिस की ओर से लगातार ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान चलाया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के आंकड़े के अनुसार एक से लेकर 27 दिसंबर तक चलाए गए इस अभियान के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों में से 2300 वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर के जरिए जांच की गई। इसमें 25 ऐसे वाहन चालक पकड़े गए, जो निर्धारित मापदंड से अधिक शराब पीकर गाडी चला रहे थे। इन चालकों की गाड़ी को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते और देसी पिस्टल के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में हिमांशु यादव उर्फ लालू यादव और सुशांत यादव उर्फ विक्की यादव शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से सिल्वर फाइल में लपेटा हुआ २० पुड़िया (1.90 ग्राम) बरामद किया है। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देसी पिस्टल भी बरामद हो गई। साथ ही पुलिस ने इनके मोबाइल और 1300 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। इस मामले की जानकारी रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी। इसके बाद पलिस ने दानों अपराधियों को जेल भेज दिया। एसपी ने बताया कि रांची एसएसपी को सचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के लाह

ब्राउन श्रुगर की खरीद-बिक्री करते दो अरेस्ट

सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी, दोनों अपराधियों को भेजा गया जेल



अपराधियों के बारे में मीडिया को जानकारी देते सिटी एसपी। • फोटोन न्यूज

अपराधियों ने पूछताछ में कबूल किया जुर्म

एसपी ने आगे बताया कि दोनों अपराधियों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान हिमांशु यादव के पास से प्लास्टिक के पुड़िया में सिल्वर फॉयल में लपेटा हुआ 11 पुड़ियाँ ब्राउन शुगर (1.20 ग्राम) बरामद किया गया। हिमांशु की कमर से एक र्देसी पिस्टल भी मिला। जिसके बट में दोनों तरफ गोल्डेन रंग को स्टार बना हुआ है। पकड़े गए अपराधी सुशांत यादव उर्फ विक्की यादव की तलाशी लेने पर 09 पर्डिया ब्राउन शुगर (०.७० ग्राम) बरामद किया है। पूछताछ में दोनों अपराधियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने अपराधिंा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्मस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया।

खरीद-बिक्री हो रही है। इसके बाद कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम ने अमरूद मैदान के पास घेराबंदी शुरू की। पुलिस को देखकर दोनों अपराधी भागने लगे। पुलिस ने दोनों को

पास अवैध नशीले पदार्थीं की पेसा कानुन को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

पारपरिक आदिवासी व्यवस्था में ईसाई समाज की जगह नहीं : संदीप उरांव

रविवार को सेक्टर 3- एएन टाइप

कोठी स्थित अमरूद मैदान के

धुर्वा सरहुल पूजा स्थल धुमकुड़िया भवन में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से पेसा कानून को लेकर एक प्रेस वार्ता की। इसमें नेताओं ने पिछले दिनों ईसाई बुद्धिजीवी मंच द्वारा पेसा कानून को लेकर किए गए दावों और प्रयासों की कड़ी आलोचना की। क्षेत्रीय संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच संदीप उरांव ने कहा कि ईसाई बुद्धिजीवी मंच और कुछ माननीय ईसाई विधायक/मंत्रियों ने पेसा कानून को 'पी पेसा' कानून कहकर समाज को उलझाने का प्रयास किया है। यह पूरी तरह से गलत और भ्रामक है। 'पी पेसा' का कहीं भी जिक्र नहीं है। उरांव ने आगे कहा कि धर्मांतरित ईसाई लोग पेसा कानून के दायरे से

बाहर हो चुके हैं। इस कारण वे गांव के ग्राम प्रधान भी नहीं बन सकते। ईसाई मिशनरी का उद्देश्य है कि वे पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में रूढ़ि जन्य विधि को समाप्त कर-के छठी अनुसूची क्षेत्र का प्रावधान लागू कर सकें, जिससे स्वशासी जिला परिषद और क्षेत्रीय परिषद के माध्यम से जनजातीय समुदायों के मामलों में हस्तक्षेप कर सकें। संदीप उरांव ने यह भी कहा कि आदिवासी समुदाय की पारंपरिक व्यवस्था में ईसाई

है। यहीं वजह है कि ईसाई बुद्धिजीवी मंच ने इस मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी मुकदमा दायर किया। लेकिन उन्हें हर जगह हार का सामना करना पड़ा। यह कानून झारखंड पंचायत राज अधिनियम 2001 और पेसा 1996 को संवैधानिक रूप से वैध मानता है। मौके पर सोमा उरांव, रवि प्रकाश उरांव, जगन्नाथ भगत, सनी उरांव, जय मंत्री उरांव, प्रदीप टोप्पो, मनोज भगत, लोरया उरांव और अन्य प्रमख लोग उपस्थित थे।

चौक स्थित देवी मंडप में हर साल की भांति इस साल भी नव वर्ष पर महाआरती का आयोजन किया जायेगा। एक जनवरी को शाम सात बजे से 351 सुहागिन महिलाएं प्राचीन ग्राम देवी की आरती करेंगी। इससे पहले दिन में सत्यनारायण पूजन कथा, प्रसाद वितरण और माता का भव्य श्रुंगार होगा। सभी पूजन कार्य देवी मंडप के व्यवस्थापक लाल आशुतोष नाथ शाहदेव संपन्न करेंगे। मंदिर के सदस्य और भक्त अभी से महाआरती के 12वें महोत्सव को लेकर तैयारियों में जुटे हैं। लाल आशुतोष नाथ शाहदेव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत एक दिन पहले यानी 31 दिसंबर को होगी। इस दिन शाम सात बजे से भोले की फौज टीम माता का भजन गायेगी।

सासाराम से तस्करी कर लाते थे रांची

1.90 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त, एक देसी पिस्टल, मोबाइल व रूपये बरामद

एसपी ने बताया कि अपराधियों से पूछताछ में पता चला है कि वे ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री का बिहार के सासाराम से एक महिला के पास से ब्राउन शुगर खरीदकर रांची लाते है। फिर इन्हें संबंधित ग्राहकों को बेच देते हैं। पुलिस इसमें शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एसपी ने बताया कि जल्द ही ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, रातू रोड लाह कोठी स्थित अमरूद मैदान में शाम ढलते ही नशेडियों का जमावडा लगता है। बड़ी संख्या में नशेड़ी यहां पहुंचते हैं। साथ ही नशे का कारोबार भी करते हैं। पुलिस ने जिस अपराधी लालू यादव को गिरफ्तार किया है, वह पहले भी जेल जा चका है।

अमन साहू गिरोह के मयंक ने भारतमाला प्रोजेक्ट पर गोलीबारी की ली जिम्मेदारी

RANCHI: अमन साह गिरोह के मयंक सिंह ने भारतमाला प्रोजेक्ट पर शनिवार दोपहर को हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि बर्बरीक प्रोजेक्ट में जो घटना हुई है, वह उसने कराया है। कंपनी को उसकी ये आखिरी चेतावनी है। कंपनी को क्या लगता है, उसको बिना मैनेज किए आप काम करके नहीं निकल पायेंगे। मयंक सिंह ने लिखा है कि हमको इग्नोर किये। इसलिए आज आपके कान का पर्दा खोलने के लिए दिवाली मनाये हैं। अगली बार होली खेलेंगे, वो भी खून की। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र स्थित गोला-चारु पथ के बरियात् समीप शनिवार दोपहर आपराधिक गैंग ने पांच राउंड

ऐसी जगह जमावड़ा लगाता था जहां से वह पुलिस की मुवमेंट को आसानी से ट्रैक कर सके। दूर से ही पुलिस को आते देखा वह फरार हो जाता था। लेकिन, इस बार पुलिस ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस ने सबसे पहले वैसे जगह को ब्लॉक कर दे दिया जहां से उसके भागने की संभावनाएं थी। पलिस ने बताया ने बताया कि लाल यादव एक शातिर अपराधी है। लालू यादव ब्राउन शगर और हथियार की तस्करी करता है। पिछले कुछ दिनों से पुलिस को लगातार इसकी सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी करते हुए लालू

अपराधियों के पास से बरामद सामान। उससे पछताछ की जा रही है।

गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी ली जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद हथियार किसके पास पहंचना था। बीते 10 अक्टबर 2024 को डीजीपी अनराग गप्ता ने

पुलिस के मूवमेंट को करते थे ट्रैक

लेवल मीटिंग की थी। इस दौरान उन्होंने पुलिस अफसर को सख्त चेतावनी भी दी थी। डीजीपी ने स्पष्ट कहा था की नशे के कारोबार में सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नशे के कारोबार पर लगाम लगाने

मुख्यमंत्री हेमंत के प्रयास और निर्देश से श्रमिकों की हुई घर वापसी

कैमरून में फंसे झारखंड के 47 श्रमिकों में से 11 लौटे घर, 36 की वापसी का इंतजार

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास और निर्देश के बाद कैमरून में फंसे राज्य के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 श्रमिकों की रविवार को सुरक्षित वापसी हो गई है। सभी श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया गया है। शेष 36 श्रमिकों की वापसी की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी। बता दें कि यह मामला सेंट्रल अफ्रीका के कैमरून स्थित एमएस ट्रांस रेल लाइटिंग लिमिटेड में कार्यरत झारखंड के हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह जिलों के श्रमिकों से जुड़ा था। इन श्रमिकों के वेतन भगतान में देरी और कंपनी द्वारा उनके साथ उचित व्यवहार न किए जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को



को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई के लिए राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को निर्देश दिया। इसके बाद राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने तत्काल कदम उठाते हुए श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क कर मामले का की जानकारी ली। इसके बाद श्रम सचिव मकेश कुमार और कमिश्नर संजीव कुमार बेसरा के निर्देश पर श्रम विभाग के अधिकारियों ने नियोक्ताओं और

एफआईआर दर्ज कराई। इसके साथ ही श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। श्रमिकों के बकाया 39,77,743 रुपये का भुगतान भी किया गया। 27 दिसंबर 2024 को कैमरून से 47 श्रमिकों में से 11 का पहला समृह भारत के लिए सुरक्षित लौट आया। झारखंड पहुंचने पर इन श्रमिकों का स्वागत बिरसा हवाई अड्डे पर श्रम विभाग के

जुबिली वर्ष के लिए विशेष गुरुद्वारा में हुई शोकसभा, पूर्व प्रधानमंत्री नए साल में किशोरगंज स्थित देवी मंडप में होगा कस का किया गया निर्माण महाआरती का आयोजन डाँ. मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि RANCHI: रांची के किशोरगंज

PHOTON NEWS RANCHI: रविवार को पुरुलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजाघर चर्च में 'जुबली वर्ष 2025, आशा के तीर्थयात्री' का उद्घाटन किया गया। अध्यक्षता पल्ली परोहित आनंद डविड खलखो ने किया। अगवाई आर्चीबशप विसेंट आइंद ने किया। जुबिली वर्ष के लिए विशेष क्रूस का निर्माण किया गया। जिसकी बनावट सामान्य क्रूस से भिन्न है। यह देखने में क्रूस झुका हुआ है। नीचे का हिस्सा जहाज के लंगर के समान है। जो जीवन के हलचल में एक ठहराव प्रदान करने

🗨 आयुष्मान भारत

योजना के मरीज

इलाज करने वाले

डॉक्टर या आयुष्मान

मित्र से करें संपर्क

का प्रतीक है। चार प्रकार का रंग रखा गया है। जिसमें लाल, पीला, हरा, और नीला रंग शामिल है। चार व्यक्ति एक के पीछे एक क्रूस पकड़े हुए हैं। जो संपूर्ण मानव जाति का प्रतिनिधित्व करती है। परंपरा को बनाए रखते हुए संत पिता फ्रांसिस ने वर्ष 2025 को अपने पत्र द्वारा जुबिली वर्ष घोषित किया। जिसका शीर्षक है 'आशा के तीर्थयात्री'-आशा निराश नहीं करता। संत पिता फ्रांसिस ने स्वयं वैटिकन में संत पीटर महागिरजाघर में इसका

रविवार को मेन रोड के गरु सिंह सभा गुरुद्वारा में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए झारखंड सिख फेडरेशन ने एक शोकसभा की। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे न केवल एक महान अर्थशास्त्री थे, बल्कि देश में आर्थिक सुधारों के जनक भी थे। डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सेवाओं से न केवल देश की गिरती हुई अर्थव्यवस्था को

संभाला, बल्कि कई अन्य

महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार

भी किए। उनके नेतृत्व में कई



श्रद्धांजलि समा में शामिल सिख समाज के लोग।

योजनाओं की शुरूआत हुई। जिनसे देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. मनमोहन सिंह ने देश में बढ़ते राजस्व घाटे को नियंत्रित कर उसमें सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। शोकसभा के दौरान झारखंड सिख

• फोटोन न्यूज फेडरेशन की ओर से एक विशेष दीवान का आयोजन किया गया था। ईसमें गगनदीप सेठी और परमजीत सिंह टिंकू ने भी डॉ. सिंह के योगदान पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन के दौरान अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष और फेडरेशन के महासचिव ज्योति

सिंह मथारु ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने सचना, शिक्षा, भोजन का अधिकार, मनरेगा और आधार कार्ड जैसे पांच क्रांतिकारी कार्यक्रमों की शुरूआत की, जो आज भी देश की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सभा को प्रो. हरविंदर वीर सिंह ने सफलतापूर्वक संचालित किया। इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह धूरा, गुरुद्वारा के अध्यक्ष गरमीत सिंह, मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, युवा आयोग के अध्यक्ष शमशेर आलम, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सतीश पॉल मुंजीनी, कमल ठाकुर, अरुण चावला, हरजीत सिंह स्विंकी, प्रीतपाल सिंह समेत बडी संख्या में महिलाएं और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुसीबत से मुक्ति : काउंटर से छुट्टी के बिना दूसरी जगह इलाज कराने में आती है परेशानी

आयुष्मान मरीजों को रिम्स का नहीं लगाना पड़ेगा चक्कर

PHOTON NEWS RANCHI:

राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में इलाज के लिए दूर-दराज से मरीज पहुंचते हैं। इलाज के लिए आने वाले मरीज आयुष्मान भारत के तहत भी इलाज कराते हैं। इसमें मरीजों का इलाज मुफ्त में किया जाता है। ठीक होने के बाद हॉस्पिटल से उन्हें छुट्टी भी दे दी जाती है। लेकिन, आयुष्मान काउंटर से परिजन मरीज की छुट्टी नहीं कराते। ऐसे में दूसरे हॉस्पिटलों में इलाज कराने में परेशानी आ रही है। इस चक्कर में उन्हें रिम्स की दौड़ लगानी पड़ रही है। ऐसे में रिम्स प्रबंधन ने इलाज करा रहे मरीजों के लिए नोटिस जारी किया है। इसके तहत आयुष्मान के तहत इलाज कराने वाले मरीजों को आयुष्मान काउंटर से भी छुट्टी

करानी होगी। रिम्स में जारी नोटिस के अनसार, आयष्मान भारत योजना के लाभक मरीज इलाज करने वाले डॉक्टर या आयुष्मान मित्र से संपर्क करें। इलाजरत मरीजों को मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें पूरी प्रक्रिया भी बताई जाएगी। इससे मरीजों को इलाज कराने में दिक्कत नहीं होगी। आयुष्मान भारत योजना से इलाज कराने के बाद आयुष्मान भारत रिम्स के संबंधित काउंटर से छुट्टी भी कराई जाएगी

अस्पताल प्रबंधन की ओर से इलाज करा रहे मरीजों के लिए लगाया गया नोटिस



हॉस्पिटल में इलाज कराना संभव नहीं होगा।

हॉस्पिटल में भर्ती के बाद मरीजों को आयुष्मान में एंट्री की जाती है। यहां इलाज से

करानी है। ऐसा नहीं करने पर मरीजों का रिकॉर्ड इलाजरत दिखाता है। वहीं दूसरे

लेकर दवाएं व इंप्लांट भी आयुष्मान योजना के तहत मंगाकर मरीजों का इलाज

किया जाता है। ऐसे में हॉस्पिटल से छुट्टी के बाद आयुष्मान काउंटर से भी छुट्टी

मरीजों का १५ लाख

तक मुफ्त इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत एम्पैनलंड हॉस्पिटल में 5 लाख तक का इलाज मुफ्त में किया जाना है। वहीं, झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत स्कीम के तहत 10 लाख रुपया तक का इलाज मुफ्त में करा सकते हैं। यह बीमा राशि मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत दी जाएगी। जितने भी आयुष्मान कार्ड धारक हैं, सभी इस योजना का लाभ ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन नहीं करना पड़ेगा। मरीज के हॉस्पिटल में इलाजरत होने की स्थिति में शुरूआती 5 लाख का क्लेम अगर खत्म हों जाए. तो हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा अबुआ योजना के पोर्टल में रजिस्टर कर मरीज को इस योजना से जोड़ा जाएगा।

एचईसी की अतिक्रमित जमीन पर जिला प्रशासन का चला बुलडोजर

RANCHI: रांची के बिरसा चौक से हरमू जाने वाले बायपास रोड पर रविवार को अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। रांची जिला प्रशासन और एचईसी टीए डिवीजन ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। टीम ने बायपास रोड के किनारे 15 फीट तक अतिक्रमित जमीन पर बने दुकानों, गैरेज और बाउंड्री पर बुलडोजर चलाया। बता दें कि पिछले दिनों सीएम हेमंत सोरेन ने रांची को अतिक्रमण मुक्त बनाने की बात कही थी। मौके पर अरगोड़ा सीओ सुमन सौरभ ने कहा कि आगे भी आदेश के अनुसार अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जायेगा। वहीं एचईसी टीए डिवीजन की टीम ने कहा कि ऌएउ के अतिक्रमण वाले क्षेत्र को भी मुक्त करवाया जायेगा। शुरूआत रोड के किनारे से हुई है।

मराडी का आरोप, आदिवासी-दलित छात्रों को नहीं मिल रही छात्रवृत्ति

PHOTON NEWS RANCHI रविवार को भारतीय जनता पार्टी के

प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि झारखंड में 34 लाख दलित, आदिवासी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति पिछले नौ महीनों से नहीं मिल रही है, जिससे उनकी पढ़ाई पर संकट मंडरा रहा है। मरांडी ने कहा है कि ग्रीन राशनकार्ड धारकों का अनाज सात महीने से बकाया है, जिससे गरीब परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना के भुगतान के लिए बच्चों की छात्रवृत्ति, बुजुर्गों की पेंशन और गरीबों के राशन जैसी बुनियादी स्विधाओं को छीनने पर मजबूर हो गई है। विभागों की राशि सरेंडर करा कर विकास योजनाओं को रोक दिया गया है, जिससे राज्य में



विकास की गति पूरी तरह ठहर गई है। मरांडी ने कहा कि यह मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आर्थिक कुप्रबंधन और प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है, जो झारखंड के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। समाज के एक वर्ग को संतुष्ट करने के लिए बाकी सारे वर्ग के अधिकारों की बलि चढ़ा देना कतई उचित नहीं है। मुख्यमंत्री, बच्चों की छात्रवृत्ति और गरीबों के राशन का ससमय भुगतान सुनिश्चित करें।

समाचार सार

झामुमो के 8 कार्यकर्ता पार्टी से निष्कासित

JAMSHEDPUR: झामुमो, पूर्वी सिंहभूम जिले के 8 कार्यकर्ता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित किए गए हैं। महासचिव विनोद पांडेय द्वारा जारी पत्र के अनसार, जिन सदस्यों को पार्टी से निकाला गया है, उनमें कालू गोराई, राज लकड़ा, अरविंद कुमार, सूरज गौड़, अमृत प्रसाद श्रीवास्तव, सोनू सिंह, दान्दुराम बेसरा व बैजनाथ सोरेन शामिल हैं। इन्हें पार्टी से निकालने की अनुशंसा पूर्वी सिंहभूम जिला

पटमदा में जरूरतमंदों में बांटे कंबल

JAMSHEDPUR : शिरडी साई चैरिटेबल ट्रस्ट ने रविवार को पटमदा के



जरूरतमंदों के बीच कंबल, साड़ी और राशन किट दिया। संस्था ने बच्चों को स्वेटर भी दिए। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के फाउंडर विजय मेहता, किरण

कपूर, अंबिका, पूरबी घोष, सीसीएस राव, ए. गोपालन, हीरा, विनय, योगेश प्रसाद, कौस्तव, राजेश सोनी व संतोष शर्मा भी उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

CHAIBASA: कांग्रेस भवन में रविवार को श्रद्धांजलि सभा हुई, जिसमें सिंह को श्रद्धांजलि दी गई।



इस मौके पर जिलाध्यक्ष त्रिशान राय, लक्ष्मण हांसदा, जिला महासचिव बालेमा

कुई, अशोक बारिक, कैरा बिरुवा, सचिव मोहन सिंह हेम्ब्रम. प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, जहांगीर आलम आदि मौजूद थे।

युवा उत्सव में कोल्हान को नृत्य में प्रथम स्थान

CHAIBASA: रांची में आयोजित राज्य स्तरीय यवा उत्सव में कोल्हान



सामृहिक लोक नृत्य और एकल लोक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लोक नृत्य में दिनेश सिंकू, संतोष कंकल, गोविंदा सिंकू, सिंगा बारी, अंजु तियू, पार्वती

हेस्सा, रीना भारती सावैयां, सुषमा होनहागा, निमता कुमारी देवगम व कदंबिनी कुंकल शामिल थे। एकल लोक नृत्य में मौसमी कुमारी दास ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इन प्रतिभागियों को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय युवा महोत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता का सन्नी उरांव ने किया उद्घाटन

CHAKRADHARPUR: सेताहाका टोंकाटोला की ओर से आयोजित



प्रतियोगिता का रविवार को उद्घाटन हुआ। गांव के पुजारी मंगरा कोया द्वारा मैदान में पूजा-अर्चना की।

आशीर्वाद योजना के अध्यक्ष सन्नी उरांव, विशिष्ट अतिथि उरांव सरना समिति के अध्यक्ष रंजीत र्तिर्की, कोलचकड़ा पंचायत के मुखिया अरविंद तिग्गा ने चितरंजन कुज़्र की फोटो पर माल्यार्पण कर खेल का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच में लोकल ब्वायज 3-2 से विजयी रहा।

जांयद्स ग्रुप ने सदस्यों को किया सम्मानित

CHAIBASA: जायंट्स ग्रुप ऑफ चाईबासा-सहेली का वार्षिक



अधिवेशन सह प्रेसिडेंट अवार्ड समारोह रविवार को एक होटल में हुआ। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा,

अधिकारी निमिषा बनर्जी व सुमित कुमार भी उपस्थित थे। इससे पूर्व सचिव पूनम साव ने समूह के कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। कोषाध्यक्ष रश्मि अग्रवाल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। सहेली समूह की अध्यक्ष मंजरी पसारी ने सत्र में बेहतर कार्य करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया। इस दौरान रोटरी क्लब की पर्व अध्यक्ष हीना ठक्कर. जायंट्स ग्रुप की पम्मी कुमारी, अमिताभ सरकार, टी. जानकी राव , सहेली समूह की सदस्य प्रेमलता अग्रवाल, गीता शर्मा, कुंदन पांडे, दीपा लोधा, जागृति राठौर हेमा आदि उपस्थित थीं। वहीं जायंट्स ग्रुप ऑफ चाईबासा ने रविवार को जरूरतमंदों को भोजन कराया।

नॉकआउट क्रिकेट में एनसीसी हारा



सरोज महतो की बेहतरीन गेंदबाजी (23/3) की बदौलत गोप एंड सिंह क्लब, बडाजामदा ने नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ाजामदा को 35 रनों से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान में खेले गए उद्घाटन मैच में टॉस गोप एंड सिंह क्लब के कप्तान ने जीता तथा पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जीएस क्लब की पूरी टीम 27.4 ओवर में 154 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

बुद्धिजीवी मंच का वार्षिक कैलेंडर विमोचित

JAMSHEDPUR: अखिल भारतीय बुद्धिजीवी मंच, झारखंड के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन रविवार को मानगो के डिमना रोड स्थित



राजस्थान भवन में हुआ। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद बिद्युत बरण महतो और विशिष्ट अतिथि घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य

डॉ. रवींद्र कुमार चौधरी सहित अन्य गणमान्य मंचस्थ रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के दीप प्रज्जवलन व पं. विपिन झा के स्वस्तिवाचन से हुई। मंच के अध्यक्ष जीवछ झा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संचालन धनंजय शुक्ला व धन्यवाद ज्ञापन सचिव शशिभूषण राय ने किया। कार्यक्रम में मंच ने सांसद को मांगपत्र भी सौंपा।

बदले मार्ग से चलेगी टाटा-हटिया एक्सप्रेस

JAMSHEDPUR: आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों का परिचालन आगामी सप्ताह में प्रभावित रहेगा। टाटानगर-आसनसोल मेमू 30 दिसंबर और 4 जनवरी को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। यह ट्रेन आसनसोल नहीं जाएगी। वहीं टाटा-हटिया एक्सप्रेस 30 दिसंबर और 3 जनवरी को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन सीनी-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी के बदले सीनी-गुंडाबिहार-मुरी के रास्ते चलेगी।

बाइक चोर गिरोह के सात आरोपी गिरफ्तार, १० मामलों का खुलासा

चार बाइक सहित कई वाहनों के खुले हुए पार्ट्स भी किए गए बरामद

मानगो थाना की पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। गिरोह के कल 7 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इनके पास से चोरी की चार बाइक और कई बाइक के खुले हुए पार्ट्स भी पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उसमें कपाली में रहने वाला शेख साजिम, अब्दुल कलाम मल्लिक उर्फ कलाम, मो. शहबाज, मो. आदिल, मानगो कालोनी निवासी मिन्हाजुदीन अंसारी, मो. फिरोज और मो. इमरान शामिल है।

पूरे मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मानगो जवाहर नगर रोड नंबर 15 नेचर पार्क के पास देर रात एंटी क्राइम चेकिंग हो रही थी।

पर्यावरण मित्र और

एनएसएस ने कॉलेज

परिसर में लगाए पौधे

GHATSILA: पर्यावरण मित्र

घाटशिला ने अपने रविवारीय

विशेष पौधारोपण के तहत

रविवार को डॉ. संदीप चंद्रा और

प्रो. इंदल पासवान के नेतृत्व में

घाटशिला कॉलेज परिसर में कुछ

फूल और सजावटी पौधे लगाए।

यहां पहले से लगे पौधों की साफ

सफाई व सिंचाई की गई।

पौधारोपण अभियान में डॉ. नरेश

कुमार, डॉ. निमता झा, डेजी

सेवा, मिहिर भकत, सुमन

कुमार, तारक सीट, प्रेम, गौरव



जब्त की गई चोरी की बाडक

• फोटोन न्युज

सज गया रंग-बिरंगे फर्लो का संसार

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में 29 दिसंबर से 1 जनवरी

तक ३४वां वार्षिक पुष्प प्रदर्शेनी का आयोजन हो रहा है। इसका उद्घाटन रविवार

दिवसीय प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के फूर्लों और पौधों की आकर्षक प्रजातियों

को प्रदर्शित किया जाएगा। इस मौके पर हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी जमशेदपुर की

अध्यक्ष सुमिता नुपुर, उपाध्यक्ष बरेन मैती व सचिव अनुराधा महापात्रा ने बताया

कि इस बार प्रदर्शनी में बागवानी विशेषज्ञों, फूल उत्पादकों और पर्यावरण प्रेमियों

के लिए कई खास सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सुबह 8 बजे

से रात ९ बजे तक इस प्रदर्शनी का आयोजन होगा। इस साल चारों तरफ गुल

और गुलाब है, जमशेदपुर में आई बहार है... कार्यक्रम का थीम रखा गया है।

इस प्रदर्शनी में पुणे, नागपुर, दिल्ली, राउरकेला, रांची, दुगार्पुर, कोलकाता और

सर्वश्रेष्ठ फलों, व्यवस्थाओं और पष्प कला की प्रतियोगिता भी होगी। 30 नर्सरी

और 16 ऑक्टोजन हैंगर भी बागवानी की आवश्यकता को पूरा करेंगे। वहीं 10

जमशेदपुर समेत अन्य शहरों से लोग प्रदर्शनी में शामिल हो रहे हैं। इसमें

को हुआ। इसके साँथ ही यहां रंग-बिरंगे फूलों का संसार बस गया। चार

चेकिंग के दौरान एक बाइक पर तीन युवक सवार होकर जा रहे थे। चेकिंग को देखकर तीनों भागने लगे. जिसे जवानों ने खडेड कर पकड़ लिया। तीनों ने पूछताछ में बाइक चोरी के होने की जानकारी दी। इसके बाद मुख्यालय-1 के डीएसपी भोला प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया

इमरान, अफरोज उर्फ चेपा व मिन्हाजुद्दीन उर्फ मीनू के बयान और निशानदेही पर साकची, मानगो एवं सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी एवं अन्य क्षेत्रों में बाइक चोरी कर बेचने का खुलासा हुआ और पुर्जें बरामद किए गए। सिटी एसपी ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी से कुल 10 मामलों का खुलासा हुआ है। पूछताछ में सभी

ने अन्य आरोपियों का नाम बताया, जिसे बाद में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी अब्दुल कलाम मल्लिक और मो. शहबाज चोरी की बाइक बेचते थे। अलग-अलग जगह बाइक के पार्ट्स बेचते थे। गिरफ्तार आरोपी मो. इमरान बाइक चोरी की कल 10 मामलों में पहले भी जेल जा चुका है। गिरोह में कुल 11 सदस्य हैं।

डीआरएम तरुण हुरिया ने संभाल लिया पदभार

कार चोरी का भी

सिटी एसपी ने बताया कि

गिरोह के एक सदस्य शमशेर

अहमद को आजादनगर थाना

की पुलिस ने दो दिनों पहले ही

कार चोरी के आरोप में जेल

भेजा है। तीन आरोपी अभी

फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी

के लिए छापेमारी चल रही है।

मिला सुराग

JAMSHEDPUR : तरुण हुरिया ने दक्षिण पर्व रेलवे के चक्रधरपर रेल मंडल के मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) के रूप में पदभार संभाल लिया है।

वे अरुण जे राठौड़ के स्थान पर पदस्थापित किए गए हैं। हुरिया

भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर (आईआरएसएमई) 1993 बैच के अधिकारी हैं। इन्हें भारतीय रेलवे में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। मार्च 1995 में भारतीय रेलवे में शामिल होने के बाद तरुण हुरिया ने विभिन्न रेलवे में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। चक्रधरपुर के डीआरएम के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, उन्होंने ईस्ट कोस्ट रेलवे में मुख्य कार्यशाला इंजीनियर और मख्य योजना इंजीनियर के रूप में कार्य

तेज रफ्तार ट्रक ने राहगीर को रौंदा, मौत

GOILKERA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के दलकी गांव स्थित चौक में रविवार की शाम एक तेज रफ्तार टक ने एक व्यक्ति को कुचल दिया है। इस घटना में 30 वर्षीय अनिल नायक की मौके पर ही मौत हो गई। घटन से गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक का पीछा कर उसे रोक लिया। हालांकि टक चालक गाडी खडी करने के बाद वह से फरार हो गया। घटना की सुचना मिलते ही गोइलकेरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को बरामद कर लिया। सोमवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपर भेजा जाएगा। जानकार्र के अनुसार शाम करीब 5 45 बजे गोइलकेरा–मनोहरपुर मार्ग में दलकी के पास 10 चक्का ट्रॅंक ने सड़क पर चल रहे अनिल नायक को पीछे से धक्का मारते हुए रौंद डाला। अनिल मोबाइल फोन पर बात करते हुए

सडक पर पैदल चल रहा था।

JAMSHEDPUR : कनफेडरेशन

आज जुगसलाई पहुंचेगी ढांढण वाली दादी की दिव्य ज्योत

JAMSHEDPUR : भारत भ्रमण पर निकली कल देवी श्री ढांढण वाली दादी मां (श्री टीडा गेला जुगसलाई पहुंचेगी। यह ज्योत रथयात्रा कोलकाता से जमशेदपुर आएगी। जगसलाई चौक बाजार स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में दोपहर 3 बजे दिव्य ज्योत रथयात्रा का स्वागत किया जाएगा। शाम 5 बजे से शिव मदिर में भजन संध्या का आयोजन होगा। इसका आयोजन श्री ढांढण शक्ति प्रचार मंडल टाटानगर द्वारा किया जा रहा भरतिया, माधव भरतिया, विराट भरतिया व निखिल बजाज ने बताया कि स्वागत यात्रा में छऊ नृत्य, ऊंट की सवारी, बैंड बाजा के साथ सभी भक्त दादी मां की ध्वजा लेकर साथ चलेंगे। जुगसलाई एमई स्कूल रोड स्थित श्री राजस्थान शिव मंदिर पहुंचकर स्वागत यात्रा संपन्न होगी। भजन संध्या में आमंत्रित कलाकार कोलकाता के मूलचंद बजाज, अविनाश अग्रवाल, मोनू मोर एवं कविता अग्रवाल द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

क्विक कॉमर्स कंपनियां कर रहीं नियम-कानून की अनदेखी : कैट

ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र भेजकर उनका ध्यान क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा किए जा रहे नियम- कानून के उल्लंघन की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने क्विक कॉमर्स कंपनियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ये कंपनियां छोटे खुदरा विक्रेताओं को बाजार से बाहर धकेलने का काम कर रही हैं। सीधे तौर पर ये कंपनियां न केवल एफडीआई पालिसी का उल्लंघन कर रही हैं, बल्कि कम्पलीशन एक्ट का भी मजाक उड़ा रही हैं। भारत के नियम एवं कानुनों की इन कंपनियों को कोई परवाह नहीं है। सोंथालिया ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की कुछ दिन पहले की गई टिप्पणियों का भी उल्लेख किया, जिसमें गोयल ने



सुरेश सोंथालिया

क्विक कॉमर्स पर इसी प्रकार की चिंता व्यक्त की थी। मंत्री ने क्विक कॉमर्स कंपनियों को स्थानीय किराना दुकानदारों के साथ जोड़ने का सुझाव दिया था। सोंथालिया ने कहा कि वो इस मुद्दे को लेकर शीघ्र ही व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को लेकर गोयल से मिलेंगे। दूसरी ओर इस मुद्दे सहित अन्य ज्वलंत व्यापारिक विषयों को लेकर कैट ने 6-7 जनवरी को दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी सेमिनार

शहर में 25 जनवरी को होगा भोजपुरी आइडल सीजन-2



पत्रकारों को संबोधित करते मरत सिंह

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR: भोजपुरी संस्कृति मंच, जमशेदपुर के तत्वावधान में 25 जनवरी को भोजपुरी गीत-संगीत प्रतियोगिता भोजपुरी आइडल के सीजन-2 का आयोजन होगा। इसकी जानकारी मंच के मख्य संरक्षक भरत सिंह व कार्यक्रम के संयोजक तोमर सत्येंद्र ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में दी। साकची स्थित कार्यालय में भरत सिंह ने बताया कि भोजपुरी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए इस प्रतियोगिता में स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच मिलेगा। इससे पूर्व 2007 में भोजपुरी आइडल का सीजन-1 हुआ था। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। पहला चरण ऑडिशन के रूप में 12 जनवरी, दूसरा चरण 19 जनवरी और 20 प्रतिभागियों को 25 को अंतिम रूप से चयनित कर फिनाले में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। विजेता को 5001 रुपये और उपविजेता को 3001 रुपये व फाइनल में पहुंचने वाले सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा।

लोको पायलटों को दिया गया आपदा से निपटने का प्रशिक्षण



JAMSHEDPUR : लोको पायलट टेनिंग सेंटर में रविवार को लोको पायलटों को आपदा से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया। सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष क्रमार ने रेल इंजन में आग लगने के मख्य कारण इंजन में लगे उपकरणों के रखरखाव, सुरक्षा उपकरणों की कमी जैसे कारणों की जानकारी दी। वहीं बताया कि इलेक्ट्रिकल केबुल के व्यवस्थित नहीं होने से भी शॉर्ट सर्किट होता है, जिससे आग लगती है। ऐसी स्थिति में लोको पायलट फायर संयंत्र का उपयोग कर नकसान को बचा सकते हैं। डेमोंस्ट्रेटर शंकर प्रसाद ने फायर संयंत्र डीसीपी टी और सीओट का जीवंत प्रयोग कर और सीपीओर देने की विधि सिखाई। अनिल कुमार सिंह ने एलपीजी गैस सिलेंडर लीकेज से लगी आग को बुझाने की विभिन्न विधियों

पापियों का नाश करने को भगवान धरती पर लेते हैं अवतार : आचार्य

धर्म के पालन के लिए युवा पीढ़ी को संस्कार की सीख जरूरी : कथावाचक

PHOTON NEWS JSR: गोलमुरी के टुइलाडुंगरी स्थित

गाढ़ाबासा कम्युनिटी सेंटर में चल रही भागवत कथा में चौथे दिन रविवार को व्यास पीठ से कथावाचक आचार्य आशतोष तिवारी शांडिल्य जी महराज (अयोध्या) ने भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण के जन्म का मनोरम वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। कृष्ण जन्म का प्रसंग शुरू होते ही पंडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के घर आनंद भया जय कन्हैया लाल की भजनों के साथ झुम उठे। भागवत कथा में कृष्ण जन्म की बधाई सुन श्रोता नाचने लगे और वातावरण कृष्णमय हो गया। उन्होंने धर्म और

मयार्दा के पालन के लिए आज की



कथावाचक आचार्य आशुतोष तिवारी शांडिल्य

युवा पीढ़ी को भगवान श्रीकृष्ण से संस्कार की सीख लेने की बात कही। भक्त भगवान सेवा समिति द्धारा आयोजित कथा के दौरान राम जन्म, राम चरित्र और कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए महाराज ने कहा कि जब-जब धरती पर आसूरी शक्ति हावी हुईं, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की।

मथरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। महाराज ने कृष्ण जन्म की कथा के पर्व भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन किया। उन्होंने रामकथा का संक्षिप्त वर्णन करते हए कहा कि मयार्दा परुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया। महाराज ने कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने परिसदन में की शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक, दिए दिशा-निर्देश

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में दो गार्ड व एक माली की होगी बहाली

PHOTON NEWS JSR: शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने जमशेदपुर सर्किट हाउस में रविवार को एक बैठक की, जिसमें उपायुक्त अनन्य मित्तल, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार व जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार ने हिस्सा लिया। इसमें मंत्री ने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया था। पाया कि स्कूलों में सारी व्यवस्थाएं बेहतर हैं, लेकिन स्कूल में कोई सुरक्षाकर्मी नहीं है। ना ही कोई माली है। सीनियर सेक्शन के बच्चे यहां पढ़ाई करते हैं, इसलिए उन्होंने निर्देश दिया है कि तत्काल आउटसोर्स कर सभी स्कूल में में दो-दो सिक्योरिटी गार्ड एवं एक माली की बहाली



परिसदन में शिक्षा विमाग के पदाधिकारियों को निर्देश देते रामदास सोरेन

गांव के स्कूलों में पदस्थापित शिक्षकों का टूटेगा प्रतिनियोजन, सूची बनाने का निर्देश

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि वे लगातार स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। शिक्षकों से मिल रहे हैं। इस दौरान एक बात सामान्य तौर पर दिख रही है कि गांव के स्कूलों में पदस्थापित शिक्षकों ने सेटिंग-गेटिंग के जरिए शहर के स्कुलों में अपना प्रतिनियोजन करा लिया है। इस प्रकार के शिक्षकों की एक सूची तैयार करने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा पदाधिकारी को दी गई है। खास तौंर पर हाई स्कूलों में इस प्रकार के शिक्षकों का प्रतिनियोजन टूटेगा।

जनजातीय भाषाओं के १०,००० शिक्षक होंगे बहाल

झारखंड के प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा में घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति होगी। इसके लिए विभिन्न जिलों से सर्वे कर रिपोर्ट मंगाई गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा में करीब 10 हजार शिक्षकों की नियुक्ति होगी। जानकारी के अनुसार, 9 जनजातीय व 6 क्षेत्रीय भाषा में नियुक्ति होगी। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि इसके लिए विभागीय अधिकारियों की एक टीम बनाई जा रही है, यह टीम बंगाल व अन्य राज्यों में क्षेत्रीय व जनजातीय भाषा वाले स्कूलों के मॉडल का अवलोकन करेगी। वहां किस प्रकार से क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई कराई जाती है, उसकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाई की परिकल्पना को धरातल पर उतारने में जो बेहतर मॉडल होगा, उसे लागू किया जाएगा।

मानकी-मुंडा सम्मेलन में भारतीय संविधान पर चर्चा



JAMSHEDPUR : सरजामदा स्थित लातरसाई मैदान दुमकागोड़ा में रविवार को धाड़ पीढ जमशेदपुर प्रखंड के तत्वावधान में एकदिवसीय मानकी–मुंडा सम्मेलन हुआ, जिसमें भारतीय संविधान के विभिन्न अनुच्छेद पर चर्चा की गई। समाजसेवी नरन बान्डरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन संपूर्ण संवैया व विशाल तियू ने किया। इसमें कहा गया कि यह वार्षिक सम्मेलन सम्मेलन हो समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक आध्यात्मिक व राजनीतिक संशक्तीकरण के लिए किया जाता है, जिससे समुदाय की स्थापित रुढ़ि प्रथा, संस्कृति, मानकी–मुंडा स्वशासन व्यवस्था, परंपरा, भाषा आदि के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो सके। इस दौरान विधायक (जुगसलाई) मंगल कालिंदी के अलावा स्ररेश सोय, विशव नाथ तिर्की, डाटु हेम्ब्रम, कुमार चन्द्र मार्डी, टीपरु तियू, हेमन्त बिरुवा आदि ने अपने विचार रखे। सम्मेलन में रोशन पूर्ति, रायमूल बान्डरा, सोमनाथ पाड़ेया, जयपाल सिरका, रैना पूर्ति, अशोक बिरुवा, पिन्टू चाकिया, झारखंड बोदरा, लक्ष्मी बारदा, सारिता बारदा, मार्शल देवगम, लिटा बानिसं सीएफह, सुखलाल हेम्ब्रम, गंभीर सोय, विशाल तियू, गोला राम हेम्ब्रम, शिव शंकर तियू, दलमा राजा राकेश हेम्ब्रम, निरंजन तिडू जेवियर कूजूर, शंकर गगराई, दिकू मेलगांडी आदि भी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS 80 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ARARIYA: जिले के सोनामनी गोदाम थाना पलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर 80 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस और एसएसबी की यह कार्रवाई मिली गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के दो अलग अलग स्थानों पर छापेमारी कर प्राप्त की।पहली कार्रवाई जहां सोनामनी गोदाम थाना पुलिस ने अकेले करते हुए 32.7 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद किया।वहीं दूसरी कार्रवाई एसएसबी के साथ मिलकर बीती रात मिले गुप्त सूचना पर भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के पास से संयुक्त कार्रवाई करते हुए 48 लीटर नेपाली देशी शराब और मोटरसाइकिल को जब्त किया।वहीं मोटरसाइकिल पर सवार दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया।

शराब के साथ बाइक जब्त एक महिला अरेस्ट

BETHIA: नौतन पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों में रविवार को छापेमारी कर देशी व विदेशी शराब के साथ एक बाईक को जब्त किया है। वहीं एक महिला धंधेबाज को पुलिस ने शराब बेचते गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि खाप टोला गांव में छापेमारी कर सरला देवी को दो लीटर चुलाई शराब के साथ दबोचा गया है।वहीं शिवराजपुर दियरा सरेह से एक बाइक के साथ अड़तालीस पीस रायल स्टेज करीब अट्ठारह लीटर विदेशी शराब को जब्त किया गया है ।जबकि धंधेबाज पुलिस को देख बाइक व शराब छोड़ फरार हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक के कागजातों की जांच कर पुलिस फरार धंधेबाज की पहचान में जुटी है।

आग की चपेट में आकर सात मवेशियों की मौत

BETHIA: पश्चिम चंपारण ज़िला के शिकारपुर थाना स्थित बहुआरवा कला गांव में आग से एक घर जलकर राख हो गया। घटना में सात मवेशियों की जलने से मौत हो गई। मवेशियों में दो गाय व पांच बकरी शामिल है। घर वालो ने भागकर अपनी जान बचाई। स्चना पर पहुंची अग्निशमन टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काब पाया गया। घटना का कारण बिजली शर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना में बहुआरवा कला गांव के विकास कुमार का घर जला है। घर मे रखे कपड़े,अनाज ,बर्तन समेत हजारों रुपए मल्य की संपत्ति जलकर नष्ट हुई है।मामले में पीड़ित ने शिकारपुर थाना समेत अंचल प्रशासन को

आवेदन सौंपा है। नालंदा में कोचिंग पढने गया छात्र लापता

NALANDA: नालंदा जिलान्तर्गत दीपनगर थानाक्षेत्र के साठोपूर में रविवार की सुबह कोचिंग पढने गये छात्र लापता हो गया। लापता छात्र की पहचान साठोपूर गांव निवासी शंकर प्रसाद का पुत्र सोनु के रूप में की गयी है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोनु रविवार की सुबह कोचिंग में पढने गया था लौटने के क्रम में बालक घर नहीं पहुंचा तो परिजन खोजबीन करने लगे जब कही पता नहीं चला तो दीपनगर थान पुलिस को सूचना दी गयी।

पटना महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव किशोर कुणाल का निधन

बिहार का प्रसिद्ध पटना महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव किशोर कृणाल का निधन हो गया है। पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल आचार्य किशोर कुणाल राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य भी थे। रविवार की सुबह हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया है। 74 साल के किशोर कुणाल को रविवार की सुबह कार्डियंक अरेस्ट हुआ। उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। निधन के बाद बिहार के नेताओं ने शोक जताया। सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से शोक जताया। इसके साथ ही पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद, पशुपति पारस, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, मंगल पांडे, शाहनवाज हुसैन ललन सिंह, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान आदि ने किशोर कुणाल के निधन पर शोक जताया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई नेताओं ने जताया शोक, गुजरात कैडर के थे आईपीएस अधिकारी



मुजफ्फरपुर के कोठिया

पटना यूनिवर्सिटी से इतिहास

और संस्कृत में ग्रेजुएशन किया।

आज होगा अंतिम संस्कार

मुजफ्फरपुर के रहने वाले थे कुणाल

किशोर कुणाल मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर के बरुराज के रहने वाले थे। इनका जन्म 10 अगस्त १९५० में हुआ था। स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज में हुई। इसके बाद पटना विश्वविद्यालयं में इतिहास और संस्कत का अध्ययन किया। १९७० में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में मास्टर डिग्री के लिए भी अध्ययन किया। १९७२ में किशोर कुणाल ने भारतीय पुलिस सेवा की परीक्षा पास की। 1972 में गुजरात कैडर के लिए चयन हुआ। उनकी पहली पोस्टिंग आनंद(गुजरात) में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई। 1978 तक वे अहमदाबाद के

भी जुडे थे। अयोध्या मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए निर्णय के बाद सबसे पहले डोनेशन का 10 करोड़ का चेक किशोर कुणाल ने महावीर मंदिर ट्रस्ट के तरफ से अयोध्या मंदिर ट्रस्ट को दिया था। इसके साथ भगवान राम की प्रतिमा के लिए सोने का धनुष भी दिया गया। बता दें कि पूर्व आईपीएस अधिकारी कुणाल किशोर बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के समधी हैं। किशोर कुणाल के पुत्र साइन कुणाल की पत्नी शांभवी चौधरी बिहार के समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। गुजरात कैडर के बाद किशोर कुणाल बिहार कैडर में भी अपना

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से भी जुड़े थे आचार्य

योगदान दिए। १९८३ किशोर कृणाल को पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। २००१ में वॉलंटरी रिटायरमेंट ले लिया। नौकरी से रिटायरमेंट के बाद 2000 ईस्वी में उन्हें दरभंगा स्थित कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय का कुलपति

नियुक्त किया गया था। २००४ तक पद पर बने रहे। आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने के बाद किशोर कुणाल बिहार राज्य धार्मिक न्यास ट्रस्ट से जुड़े। उन्होंने महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य 30 अक्टूबर १९८३ को शुरू करवाया

को हुआ। २ वर्षों में मंदिर का स्वरूप बदला। धीरे-धीरे बिहार ही नहीं देश में भी सबसे ज्यादा चढावा चढाने वाले मंदिरों में शामिल हो गया। उसके बाद महावीर मंदिर ने अनेक संस्थाओं के निर्माण का जिम्मा उटाया जो समाज के हित से जुड़ा हुआ था। किशोर कुणाल पटना महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव बने। महावीर मंदिर में कई बड़े संस्थानों का कार्य प्रारंभ किया। महावीर कैंसर संस्थान की स्थापना की गई। कंकरबाग में महावीर आरोग्य संस्थान अस्पताल शुरू करवाया और इसके परिसर में महावीर नेत्रालय की स्थापना की गई।

जेपी गोलंबर के पास सड़क पर लेटे अभ्यर्थी, बोले- एग्जाम कैंसिल करे सरकार

बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज वॉटर कैनन से पानी की बौछार

बिहार लोकसेवा (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को परी तरह से रद्द कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पहले पानी की बौछार किया गया। इसके बाद भी अभ्यर्थी नहीं हटे तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई छात्र घायल हुए हैं। वहीं कुछ अभ्यर्थियों को पुलिस ने डिटेन भी किया है। अभ्यर्थी पटना के गांधी मैदान में सुबह से ही जुटे थे। जिला प्रशासन से परिमशन नहीं मिलने के बाद भी बड़ी संख्या में कैंडिडेट्स गांधी जी की मूर्ति के सामने धरने पर बैठ गए। इसके बाद छात्र शाम पांच बजे सीएम आवास तक पैदल मार्च के लिए निकल गए। हालांकि, पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। प्रशांत किशोर को भी जेपी गोलंबर के पास ही रोक दिया गया। देर शाम मख्य सचिव अमत लाल मीणा ने बातचीत करने के इढरउ अभ्यर्थियों को बुलाया। प्रशांत किशोर ने बताया कि छात्रों का डेलीगेशन मुख्य सचिव से बात करेगा। अगर छात्र संतुष्ट नहीं हुए तो कल फिर आंदोलन को



<u>अभ्यर्थियों को बातचीत के लिए मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बुलाया</u>

पीटी परीक्षा को फिर से कराने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों को वार्ता करने के लिए आज देर शाम बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बुलाया है। दूसरी ओर, हजारों अभ्यर्थी जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास के लिए कुच कर चुके हैं। गांधी मैदान में अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया है। हालांकि, देखना यह है कि अभ्यर्थी मुख्य सचिव

पीके वहां से निकल गए, लेकिन अभ्यर्थी जेपी गोलंबर के पास डटे हुए थे। अभ्यर्थियों को पुलिस

छात्र-छात्राओं को पुलिस की बैरिकेडिंग रोक नहीं सकी। अभ्यर्थियों ने बैरिकेंडिंग को तोड़ दिया और आगे बढ़ गए। अभ्यर्थियों के साथ प्रशांत किशोर, पूर्व आईपीएस अधिकारी और जन सुराज के नेता आनंद मिश्रा सहित जन सुराज के दूसरे बड़े नेता मौजूद हैं। वॉर्निंग देकर कुछ छात्रों को डिटेन

भी किया गया। इसके बाद अंतिम प्रयास करते हुए पुलिस ने प्रदर्शन

लगातार सिर्फ मुख्यमंत्री से मिलने की मांग दोहराई जा

रही थी। आंदोलनरत अभ्यर्थियों को पुलिस ने बैरिकेडिंग

करके जेपी गोलंबर के पास रोकने की कोशिश की लेकिन

जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) भी अभ्यर्थियों का साथ देने पहुंचे

सरकार को झुकाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी। सीएम छात्रों से डर कर दिल्ली भाग गए हैं। इढरउ की प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर को बिहार के 912 सेंटरों पर हुई थी। पटना के बापू परीक्षा परिसर में अभ्यर्थियों ने धांधली का आरोप लगाया था। इसके बाद बापू परीक्षा सेंटर की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। आयोग ने 4 जनवरी को एक सेंटर पर फिर से एग्जाम लेने का नोटिफिकेशन निकाला। अभ्यर्थी लगातार मांग कर रहे हैं कि इढरउ प्रारंभिक परीक्षा फिर से हो। इसको लेकर अभ्यर्थी गर्दनीबाग पर धरना दे रहे हैं। पुलिस की ओर से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को जबरन हटाया जा रहा है। इस दौरान एक छात्र की तबीयत बिगड़ गई। अभ्यर्थी एक-दुसरे पर लेट गए। वहीं, पिछले एक घंटे से डीएम और एसएसपी कोतवाली थाने में मौजूद हैं। दोनों अधिकारी प्रदर्शन पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और पदाधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। बीपीएससी अभ्यर्थियों से मख्य सचिव ने वार्ता की पहल की है। प्रशांत किशोर ने बताया कि 'छात्रों का डेलीगेशन मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा से बात करेगा।

जनसंचार एवं पत्रकारिता में डीडीयू बना यूपी का शीर्ष राज्य विश्वविद्यालय देशभरें में हासिल किया ६१वां स्थान

AGENCY GORAKHPUR:

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपर विश्वविद्यालय (डीडीयू) के जनसंचार एवं पत्रकारिता को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2024 में जनसंचार और पत्रकारिता श्रेणी में उत्कृष्ट स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने यह स्थान उत्तर प्रदेश के राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में हासिल किया है। इस श्रेणी में प्रथम स्थान पाने वाला वह एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के जनसंचार और पत्रकारिता विभाग को नवीनतम रैंकिंग में देशभर में 61वां स्थान मिला है। वहीं, उत्तर क्षेत्र में इसे 23वां रैंक मिला है। उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को छठा स्थान मिला है। राज्य विश्वविद्यालयों में डीडीयू को पहला स्थान हासिल हुआ है। की विश्वविद्यालय ने इस बार 2024 के आईआईआरएफ में पांच स्थान का सुधार किया है। 2023 में देशभर में डीडीयू के जनसंचार एवं पत्रकारिता को 66वां, उत्तर क्षेत्र में 26वां और उत्तर प्रदेश में छठा स्थान हासिल हुआ था। आईआईआरएफ 2024 रैंकिंग में परे भारत के 102 उच्च शिक्षण संस्थानों को



मीडिया शिक्षा में अग्रणी बना गोरखपुर विवि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय जनसंचार और पत्रकारिता में स्नातक और स्नातकोत्तर पाढयक्रम संचालित करता है। ये पाटयक्रम छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल का समन्वय प्रदान करते हैं जिससे वे मीडिया उद्योग में सफलत के लिए तैयार होते हैं। विभाग के छात्रों ने प्रमुख समाचार पत्रों, टेलीविजन नेटवर्क और डिजिटल मीडिया संगठनों में सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त किया है।

शामिल किया गया था, जिनमें से केवल चार संस्थान उत्तर प्रदेश से थे। भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क सात व्यापक मापदंडों के मल्यांकन करता है। प्रत्येक मापदंड का मुल्यांकन 100 अंकों के आधार पर किया जाता है। इन मापदंडों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान, बुनियादी ढांचा, प्लेसमेंट और अन्य पहलुओं को

घर में घुसकर लड़की से दुष्कर्म की कोशिश मुजप्फरपुर में 16 साल विरोध करने पर पिता को लाटी से पीटा, मौत

AGENCY NAWADA:

बिहार के नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र में एक गंभीर घटना घटी, जहां चार पडोसी युवकों ने एक लड़की को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो उसके पिता तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे आरोपियों से बचाने का प्रयास किया। इसके बाद गुस्साए युवकों ने लड़की के पिता को लाठी-डंडे से बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब आरोपियों ने घर में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश शुरू की, तो लड़की के माता-पिता ने इसका विरोध किया। इस पर



आरोपियों ने लड़की की मां को भी ब्री तरह पीटा। जब लड़की ने अपनी जान की सुरक्षा के लिए विरोध किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने जब लड़की को अपनी हवस का शिकार नहीं बना सके, तो उसे

बेरहमी से पीटते हुए उसका हाथ तोड़ दिया। पीड़िता के भाई ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन घर में अकेली थी, तभी पड़ोसी घर में घुस आए। घर में घुसते ही आरोपियों ने अश्लील हरकतें की, जिसके बाद परिवार ने इसका विरोध किया। इस दौरान लडकी के पिता की मौत हो गई, और मां गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। लडकी का हाथ भी तोड़ दिया गया। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उनकी तलाश शुरू कर दी है। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी है।

का लड़का को लेकर 50 साल का अर्धेड़ फरार

MUZAFFARPUR : मृजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग का एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां मदरसा में पढने वाली 16 वर्षीय छात्रा को वहां पढ़ाने वाले एक मौलाना ने शादी की नियत से अगवा कर लिया। पुलिस ने आरोपी मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। मौलाना का कहना है कि वह लड़की से निकाह कर चुका है। पुलिस ने बताया कि मामला मनियारी थाना क्षेत्र के एक गांव का है जहां दो दिन पहले मदरसे में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा घर से कॉपी खरीदने की बात बताकर चौक की ओर निकली और फिर घर नहीं लौटी।

हेलीकॉप्टर खराब, सड़क मार्ग से लौटे पटना

AGENCY MOTIHARI:

पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन प्रखंड स्थित भेलवा में एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को रविवार को एक अप्रत्याशित परिस्थिति का सामना करना पडा। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जब वह पटना लौटने के लिए हेलीकॉप्टर के पास पहुंचे, तो तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। आखिरकार, डिप्टी सीएम को सड़क मार्ग से पटना की ओर रवाना होना पड़ा। घोड़ासहन के भेलवा में भाजपा विधायक पवन जायसवाल द्वारा 151 विवाहित कन्याओं के सामूहिक गौना कार्यक्रम का



मोतिहारी में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का

आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उपमख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री संतोष कुमार सिंह हेलिकॉप्टर से पहुंचे थे। इसके बाद उनको किसी अन्य कार्यक्रम में शामिल होना था। इसलिए सम्राट चौधरी और संतोष सिंह सभा को संबोधित कर पटना

लौटने के लिए हेलीपैड पर आए। हेलीपैड पर तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर स्टार्ट नहीं हो सका। पायलट ने अपने स्तर से काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। जिसके बाद सम्राट चौधरी को जिला प्रशासन द्वारा आनन-फानन में एस्कॉर्ट गाड़ी मुहैया कराया गया। करीब आधा घंटा हेलीपैड पर इंतजार के बाद सम्राट चौधरी, मंत्री संतोष कुमार सिंह और केदार गुप्ता एक ही गाड़ी से सड़क मार्ग से पटना के लिए लौटे। हेलीकॉप्टर के पायलट ने बताया कि स्टार्टिंग में कुछ तकनीकी खराबी आ गई है, जिस कारण से हेलीकॉप्टर स्टार्ट

सीट शेयरिंग पर एक दो-दिन में हो सकता फैसला नीतीश दिल्ली में डाले हैं डेरा

PATNA: दिल्ली विधानसभा चुनाव करीब है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नजर दिल्ली विधानसभा चुनाव पर है। उनकी पूरी कोशिश है कि झारखंड की तरह बीजेपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा जाए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जदयू के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार से चुनाव को लेकर चर्चा की। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि एक से दो दिनों में सीटों पर फैसला हो जाएगा। जेडीयू दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने चुनाव के लिए पार्टी की तैयारी का फीडबैक लिया है। शैलेंद्र कुमार ने कहा कि 30 दिसंबर को बीजेपी नेताओं से मुख्यमंत्री की मुलाकात हो सकती है। उन्होंने कहा ₹हम लोगों ने पांच विधानसभा सीट की सूची पहले ही दे दी थी।

सिवान में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, तीन जख्मी

बिहार के सिवान में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। 70-80 की संख्या में चिकया के लोग नया बाजार पोखरा मोहल्ले में घुसे और लाठी-डंडे और हाथ में पिस्तौल लेकर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। गोली लगने से तीन लोग घायल हो गए। वहीं लाठी-डंडे एव ईंट लगने से एक पक्ष के तीन लोग जख्मी हो गए। दूसरे पक्ष से भी एक युवक गोली लगने से घायल बताया जा रहा है। घटना की सूचना पर नगर थाना प्रभारी राजू कुमार एवं महादेवा थाना प्रभारी कुंदन पांडेय दलबल के साथ पहुंचे। घायलों को इलाज हेतु सिवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों पक्षों के घायलों का इलाज चल रहा है। गोली लगने से जिख्मयों में पहचान मो। राज, मो। सरफराज, एवं सरिक मियां के रूप



में की गयी। वहीं तीन लोग सिर फटने से घायल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिवान शहर के अड्डा नम्बर 3 के पास दो दिन पूर्व ठेला पर फल बेचने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। जिसमें नया बाजार पोखरा का एक पक्ष और दूसरा पक्ष चिकया गांव के रहने वाले हैं। बताया जाता है कि दूसरे पक्ष ने कथित रूप से फल जमीन पर फेंक कर ठेला तोड़ दिया था, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने बीच बचाव कराया और मामला शांत हो गया था।

जगा रहे शिक्षा की अलख : 82 वर्षीय बुजुर्ग 'हेलो सर' के नाम से हैं मशहूर

श्मशान घाट के पास बच्चों को देते हैं नि:शुल्क शिक्षा

कोल माइंस में इंजीनियर रहे जगरनाथ राम की जिंदगी में कभी खुशियों की भरमार थी। लेकिन वक्त ने ऐसा करवट लिया कि उनका पूरा परिवार एक-एक कर खत्म हो गया। दूसरी शादी के बाद भी वही दर्दनाक कहानी दोहराई गई। जगरनाथ राम ने इस दुख को अपनी ताकत बनाया। नौकरी छोड़कर बगहा के भितहा प्रखंड में श्मशान घाट के पास नौगांवा पुल के नीचे बांस का मचान बनाकर बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रहे हैं। उनका जीवन दूसरों के लिए प्रेरणा बन गया। बिहार-यूपी सीमा पर बगहा के भितहा प्रखंड अंतर्गत नौगांवा पुल के नीचे 82 वर्षीय जगरनाथ राम बच्चों को मुफ्त शिक्षा देते हैं। प्राथमिक विद्यालय के दर्जनों गरीब परिवार के बच्चे



सुबह शाम इनके पास पढ़ने आते हैं। यहां कैसे आये, यह बताते हुए जगरनाथ राम के चेहरे पर परिवार खोने का दर्द अब एक ताकत के रूप में दिखता है। परिवार के सदस्यों की कैसे मौत हुई इस बारे में कहते हैं सब भगवान का दिया था वो लेकर चले गये। स्थानीय



बाजार में मछली पकड़ कर बेचने वाले मछुआरा हरेंद्र सहनी बताते हैं कि हमलोग इनको विगत 30 वर्षों से देख रहे हैं। इस पुल के नीचे ही रहते हैं। गरीब परिवार के बच्चों को मुफ्त पढ़ाते हैं। सुबह शाम तकरीबन 60 से 70 बच्चे इनके पास पढ़ने आते हैं।

इलाके में 'हैलो सर' के नाम से मशहर हैं। लोगों का कहना है कि आज के जमाने में मुफ्त शिक्षा देना अपने आप में अलग बात है स्थानीय जमालुद्दीन कहते हैं कि अभी ठंड का मौसम है, इसलिए बच्चों की संख्या घटी है। गर्मी के समय जब नदी में पानी आ जाता है।

तब भी ये इसी पुल के नीचे अपने मचान पर रहते हैं। स्थानीय दुकानदार बताते हैं कि यहां से कुछ दूरी पर ही इनका गांव है। संपन्न घर परिवार से हैं। लेकिन लंबे समय से ये पुल के नीचे मचान बनाकर रहते हैं और गरीब परिवार के बच्चों को बिना पैसा लिए पढ़ाते हैं। लोगों ने बताया कि जो बच्चे पढ़ने

इनके पास 70 से 75 बच्चे

आते हैं। पुल के नीचे बैठकर

निशुल्क प्राथमिक शिक्षा ग्रहण

करते हैं। यहां के लोग कई वर्षों

से इनको पुल के नीचे हीं जीवन

गुजारते देख रहे हैं। बरसात में

आते हैं उनके घर से ही सुबह-शाम इनके लिए भोजन आ जाता है। वही खाकर अपने मचान पर

अपने संशय को लेकर भी संशय

है कि विद्यार्थी जीवन में ही मेरे

स्मृति शेष : डॉ. मनमोहन सिंह

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय राजनीति में एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने अपनी कडी मेहनत, समर्पण और बौद्धिक क्षमता से न केवल भारतीय



अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दी। लेकिन, एक दिलचस्प पहलू यह है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने सीधे दिल्ली से लोकसभा का एक बार चुनाव लड़ा और वह हार गए थे। उनका प्रधानमंत्री बनने का सफर और राजनीति में उनका योगदान भारतीय

लोकतंत्र के एक अनोखे और प्रेरणादायक अध्याय के रूप में सामने आता है। डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पंजाब के गांव गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब में प्राप्त की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट करने के लिए गए, जहां उन्होंने वैश्विक आर्थिक समस्याओं पर गहरी सोच और विश्लेषण किया। मनमोहन सिंह का करियर अर्थशास्त्री के रूप में शुरू हुआ और भारतीय रिजर्व बैंक में कार्य करते हुए उन्होंने देश के वित्तीय प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में काम किया। बाद में वे वित्त मंत्रालय में देश के वित्त मंत्री के रूप में कार्यरत हुए, जहां उन्होंने 1991 में ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। इन सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी और उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया। 1991 में जब भारतीय अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही थी, तब मनमोहन सिंह को देश के वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में भारतीय सरकार ने न केवल विदेशी ऋण को पुनर्निर्धारित किया, बल्कि एक श्रृंखलाबद्ध आर्थिक सुधार कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसे 'नव उदारवाद' के रूप में जाना जाता है। इसके परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिली। इसके बाद 2004 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में चुना। उनकी बौद्धिक क्षमता और विश्वसनीयता के कारण उन्हें प्रधानमंत्री के पद के लिए उपयक्त माना गया। मनमोहन सिंह को 2004 में राज्य सभा सदस्य के रूप में चुना गया था और इसी पद से उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनका प्रधानमंत्री बनने का रास्ता किसी पारंपरिक राजनीतिक नेता के मार्ग से भिन्न था। उन्होंने ऐसी स्थित में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, जहां वे पहले से ही चनावी प्रक्रिया से बाहर थे, लेकिन उनके अनुभव और सशक्त नेतृत्व की क्षमता ने उन्हें यह पद दिलवाया।

सफलताओं से भरा नेतृत्व : मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को एक महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भारत ने कई आर्थिक और राजनीतिक सुधार किए और 2008 में भारत ने एक ऐतिहासिक परमाणु समझौता किया, जिसे दुनिया भर में सराहा गया। इसके अलावा उन्होंने भारत के सामाजिक क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण पहल की, जैसे 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' की शुरूआत और 'आधार' प्रणाली का विस्तार। मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के माध्यम से एक स्थिर और समृद्ध भारत की दिशा में काम किया। राजनीतिक सफर में चुनौतियां मनमोहन सिंह का राजनीतिक जीवन हमेशा विवादों से मुक्त नहीं रहा। एक तरफ उनकी छवि ईमानदार और गंभीर नेता की थी, वहीं दूसरी ओर कुछ आलोचक यह मानते थे कि उनके नेतत्व में कांग्रेस पार्टी और यपीए सरकार पर निर्णय लेने में विलंब का आरोप था। विशेष रूप से 2ॠस्पेक्ट्रम घोटाले और कोयला घोटाले जैसे मामलों के बाद उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए गए। इसके बावजूद मनमोहन सिंह ने अपने शांतिपूर्ण और स्थिर नेतृत्व से यह साबित किया कि वे भारतीय राजनीति में एक सकारात्मक बदलाव के प्रतीक हैं। उनका यह राजनीतिक सफर और उनकी कड़ी मेहनत यह सिद्ध करती है कि नेतृत्व का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं होता। उनकी नेतृत्व क्षमता, आर्थिक ज्ञान और निर्णय क्षमता ने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री तक पहुंचाया। उनका मानना था कि उन्हें जनादेश से नहीं, बल्कि अपनी कार्यकशलता से लोगों का विश्वास हासिल करना है। मनमोहन सिंह का यह कदम राजनीति में एक नए दृष्टिकोण को दशार्ता है, जहां कड़ी मेहनत, ईमानदारी और कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता अधिक मायने रखती है, न कि चुनावी दौरे

प्रेरणा स्रोत: मनमोहन सिंह का राजनीतिक सफर भारत के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुका है। उन्होंने यह साबित किया कि राजनीति में चुनावी जीत के अलावा भी एक नेता अपने कार्यों से इतिहास रच सकता है। उनका जीवन यह दशार्ता है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां चुनावी राजनीति का महत्व सर्वोपरि है, वहां भी एक व्यक्ति अपनी क्षमता और ईमानदारी से प्रधानमंत्री बन सकता है।

मनमोहन सिंह का निधन: पर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 26 दिसंबर 2024 को दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारत ने एक महान नेता और आर्थिक सुधारक को खो दिया है।

बुद्धिः भारतीय चिंतन में ज्ञान प्राप्ति का साधन



🗷 हृदयनारायण दीक्षित

मनष्य की आंतरिक संरचना और भी जटिल है। मैं विद्यार्थी की तरह सत्य जानने का प्रयास करता हं, लेकिन निष्कर्षों के प्रति संशय बना रहता है। जीवन की लंबाई व गहराई से अनुभव बढ़े हैं। लोभ घटे हैं। यश लिप्सा बढ़ी है। राग बढ़ा है। द्वेष घटा है। क्या इसका कारण अनुभूतियां हैं। इसपर संशय है। मैं इस संशय का कारण जानना चाहता हूं। प्रत्येक कार्य का कारण होता है। संशय का भी कारण होना चाहिए। संशय के कारण अनेक हैं, लेकिन मुख्य कारण सत्य के अनुसंधान में संशय का सदुपयोग करना है। संभवतः बढ़ी उम्र के कारण जीवन-वीणा के सुर गहन हुए हैं गीत-संगीत आकर्षित करते हैं। संसार के प्रति आसक्ति घटी है। सुखद स्मृतियां न सोने देती हैं, न जागने। मन ही मन अपनी ही वाह-वाह करते हैं। कुछ मित्र हमारे लेख की प्रशंसा करते हैं। हम आनंदित होते हैं। इस लिप्सा का कारण समझ में नहीं आता। लाखों बार छपने के बाद भी यह तृष्णा वैसी ही क्यों है। मैं संशयी हूं। अपना मत प्रसारित करने की इच्छा सब लोगों में होती है। रेने डेकार्ट (१५९६-१६५०) प्रतिष्ठित बुद्धिवादी दार्शनिक थे। वे इंद्रियों से प्राप्त अनुभव को वास्तविक ज्ञान नहीं मानते थे। उनके मतानुसार, वास्तविक ज्ञान बुद्धि प्रत्ययों (कंसेप्ट) से ही संभव है।

आंख से देखते हैं, कानों से सुनते हैं। त्वचा से स्पर्श करते हैं। जीभ से स्वाद लेते हैं और नाक से सुंघते हैं। संक्षेप में रूप, रस, गंध, ध्वनि और स्वाद ही संसार समझने के उपकरण हैं। मन को इनका स्वामी बताया गया है। दृश्य पर मन न लगे तो देखना व्यर्थ हो जाता है। गीत-संगीत में मन न लगे तो सनना बेकार। यही बात सभी इंद्रियों पर लागू होती है। पढ़ता-सुनता आया हुं कि इंद्रियों से प्राप्त सूचना मस्तिष्क तक जाती है। मस्तिष्क निर्णय लेता है। मस्तिष्क में लाखों कोष हैं। इसमें अध्ययन-अनुभव के संग्रह हैं। प्रकृति सुंदर संरचना है। इसके रहस्य जटिल हैं। मनुष्य की आंतरिक संरचना और भी जटिल है। मैं विद्यार्थी की तरह सत्य जानने का प्रयास करता हुं, लेकिन निष्कर्षों के प्रति संशय बना रहता है। जीवन की लंबाई व गहराई से अनुभव बढ़े हैं। लोभ घटे हैं। यश लिप्सा बढी है। राग बढ़ा है। द्वेष घटा है। क्या इसका कारण अनुभृतियां हैं। इसपर संशय है। मैं इस संशय का कारण जानना चाहता हुं। प्रत्येक कार्य का कारण होता है। संशय का भी कारण होना चाहिए। संशय के कारण अनेक हैं, लेकिन मुख्य कारण सत्य के अनसंधान में संशय का सदुपयोग करना है। संभवतः

बढ़ी उम्र के कारण जीवन-वीणा

के सुर गहन हुए हैं। गीत-संगीत

आकर्षित करते हैं। संसार के

प्रति आसक्ति घटी है। सुखद

स्मृतियां न सोने देती हैं, न

जागने। मन ही मन अपनी ही

वाह-वाह करते हैं। कुछ मित्र

हमारे लेख की प्रशंसा करते हैं।

समझने के लिए प्रकृति-

प्रदत्त पांच इंद्रियां हैं।



का कारण समझ में नहीं आता। लाखों बार छपने के बाद भी यह तृष्णा वैसी ही क्यों है। मैं संशयी हुं। अपना मत प्रसारित करने की इच्छा सब लोगों में होती है। रेने डेकार्ट (1596-1650) प्रतिष्ठित बुद्धिवादी दार्शनिक थे। वे इंद्रियों से प्राप्त अनुभव को वास्तविक ज्ञान नहीं मानते थे। उनके मतानुसार, वास्तविक ज्ञान बुद्धि प्रत्ययों (कंसेप्ट) से ही संभव है। मनुष्य की बुद्धि को कुछ सत्यों की जानकारी जन्म के साथ ही मिलती है। ऐसा कम या ज्यादा सभी मनुष्यों में होता है। जनचर्चा में इसे गॉड गिफ्टेड कहा जाता है। डेकार्ट दर्शन में प्रभत्व और परंपरा के विरोधी थे। उन्होंने दो धारणाओं की स्थापना की। पहली धारणा के अनुसार बुद्धि में यथार्थ ज्ञान प्राप्त करने की अपूर्व क्षमता है। दूसरी धारणा के अनुसार मनुष्य की बुद्धि में यथार्थ ज्ञान को अयथार्थ से पृथक करने की कसौटी भी है। उन्होंने बुद्धि की इन दोनों क्षमताओं को बुद्धि का स्वाभाविक प्रकाश कहा है। डेकार्ट के अनुसार बुद्धि के दो कार्य हैं। उन्होंने पहले को इन्ट्यूशन कहा है। प्रयाग विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग

श्रीवास्तव ने इनट्यूशन को हिन्दी में प्रतिभान कहा है। यह शब्द उचित भी है। भान आंतरिक अनुभव से प्राप्त ज्ञान है। उन्होंने प्रातिभान की परिभाषा भी की है, प्रतिभान से हमारा तात्पर्य इंद्रियों के अस्थिर साक्ष्य से नहीं है और भ्रामक निर्णय से भी नहीं। प्रतिभान धारणा विशुद्ध और सजग बुद्धि से प्राप्त होता है। तब संशय या अनिश्चितता नहीं रह जाती। उन्होंने बुद्धि का दुसरा कार्य निगमन बताया है। बुद्धि द्वारा किसी विषय पर खंडशः विचार निगमन होता है। यह शद्ध बुद्धि से ही संभव है। बुद्धि विभिन्न कारणों से दोषपर्ण भी हो सकती है। अंधविश्वास में बद्धि शुद्ध नहीं रहती, तब बुद्धि निगमन का कार्य नहीं कर पाती। डेकार्ट के अनुसार बुद्धि को शुद्ध रखना, भ्रमों और पूर्वाग्रहों से मुक्त रखना निगमन के लिए आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने सव्यवस्थित संशय की जरूरत बताई है कि हमें अपने सभी मतों पर तब तक संशय करना चाहिए, जब तक हम उनकी प्रामाणिकता के प्रति आश्वस्त न हों। डेकार्ट का संशय ज्ञान का साधन है। ब्रिटिश दार्शनिक फ्रांसिस बेकन ने भी चिंतन को पूर्वाग्रहों से मुक्त रखने का विचार दिया है। अब मेरे मन में

चित्त में संशय का जन्म क्यों हुआ था। पाश्चात्य दर्शन में बुद्धिवाद है। भारतीय चिंतन में बृद्धि की महत्ता है। यहां बुद्धि, साध्य नहीं है, ज्ञान प्राप्ति का साधन है। गीता (2.39) में श्रीकृष्ण, अर्जुन से कहते हैं, मैंने सांख्य (दर्शन) के अनुसार ज्ञान का विवेचन किया है, अब बुद्धि योग बताता हूं। सुनो। ऐसे ज्ञान से तुम कर्म बंधन से मुक्त हो जाओगे। इस श्लोक में सांख्य का अर्थ ज्ञान प्राप्ति की विश्लेषण पद्धति है। गीता का बुद्धियोग, स्पिनोजा दार्शनिकों के बुद्धिवाद से उच्चतर है। गीता (10.10) में प्रसंग भक्ति का है। भक्ति में आस्था और विश्वास अपरिहार्य है। माना जाता है कि भक्ति की पूर्णता में आराध्य ईश्वर या भगवान की प्राप्ति संभव है। लेकिन, गीता के इस श्लोक में प्रीतिपूर्वक सतत भक्ति करने वाले को बुद्धि योग की प्राप्ति होती है। सतत युक्तानां भजतां प्रीतिपूर्वम। यह श्लोक काफी रोचक है। यहां भक्ति का परिणाम भगवान का दर्शन नहीं, बृद्धि योग है और बुद्धि योग की यात्रा में तर्क-संशय की उपयोगिता है। प्रकृति को ध्यान से देखने का अपना आनंद है, लेकिन देखने और दर्शन करने में आधारभूत अंतर है। देखने का सामान्य उपकरण आंखें हैं। हम आंख से देखने के साथ सुनना, सुंघना, स्पर्श और स्वाद भी जोड़ सकते हैं, लेकिन दर्शन में ज्ञान मीमांसा है, बुद्धि है। सोच-विचार की आगमन-निगमन प्रणाली है। विवेचन है। तर्क पद्धति है। अनुभवों से प्राप्त सत्य है और तथ्य भी है। विज्ञान द्वारा खोजे गए सूत्र व आविष्कार

हैं। दर्शन और विज्ञान जिज्ञासा और तर्क को महत्व देते हैं। भारत में तीर्थ यात्राएं होती हैं। मंदिर और मूर्तियों के दर्शन की परंपरा है। हम मूर्ति और मंदिर देखते हैं, लेकिन इस आस्तिक कर्म को दर्शन करना कहते हैं। मर्ति को देखने और दर्शन करने में अंतर है। देखने में मर्ति पत्थर या धातु है। लेकिन, मूर्ति के भीतर देव का दर्शन करते हैं। भौतिक विज्ञान के पास ऐसी आस्तिकता का औचित्य नहीं है। दर्शन में भी इसका उत्तर नहीं है। यह भक्तिभाव का प्रभाव है और यह प्रभाव कमजोर नहीं होता। कमजोर होता तो प्रभावित कैसे करता। संशयी विद्यार्थी ऐसे प्रभावों का भी विवेचन करते हैं। बुद्धि ज्ञान का उपकरण है। बुद्धि के प्रयोग में समग्र दृष्टि का ही उपयोग है। ज्ञान प्राप्ति के लिए अखंड और कुशाग्र बुद्धि जरूरी है। कशाग्र का अर्थ कश का अग्र या नुकीला भाग होता है। खंडित बुद्धि संसार को खंडित, विभाजित देखती है। अखंड बुद्धि से प्राप्त ज्ञान भी अखंड होता है। अखंड और कशाग्र बुद्धि के लिए गीता (2.41) में व्यवसायात्मिका और खंडित बुद्धि के लिए अव्यावसायिक शब्द प्रयोग हुआ है, व्यवसाय आत्मिक बुद्धि है। संसार में अनेक रूप हैं, लेकिन अस्तित्व एक अखंड है। कछ लोग रूपों में विभाजित अस्तित्व को विभक्त देखते हैं और शुद्ध बुद्धि वाले विभाजित प्रतीत होने वाले अस्तित्व को अखंड अविभाजित देखते हैं। गीता में अविभाजित देखने वाले को सही बताया गया है -यः पश्यति, सः पश्यति।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा

क्या 'संपत्ति कर' कर पाएगा धन असमानता का निदान

' श्विक स्तर पर और भारत में धन असमानता गंभीर मुद्दा बन गया है, जहां शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है। व्यापक स्तर पर गरीबी एवं राज्य कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरता के साथ-साथ धन के केंद्रीकरण ने आर्थिक असमानता दुर करने और सार्वजनिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए संपत्ति कर लगाने पर परिचर्चा दोबारा शरू हो गई है। भारत में संपत्ति और विरासत करों को लाग करने में ऐतिहासिक और वर्तमान चनौतियां हैं, जैसे कर चोरी, उच्च प्रशासनिक लागत और पूंजी पलायन का जोखिम। ये मुद्दे ऐसे करों को लागू करने के पिछले प्रयासों में स्पष्ट रहे हैं, जिसमें 1985 में एस्टेट ड्यूटी का उन्मूलन और 2015 में संपत्ति कर शामिल है। संपत्ति कराधान कोई नई अवधारणा नहीं है। यह 19वीं शताब्दी से चली आ रही है, जब स्विट्जरलैंड के बेसल शहर ने 1840 में इस तरह का

जिसमें 1892 में नीदरलैंड और 1911 में स्वीडन शामिल हैं। भारत 1957 में इस सूची में शामिल हुआ, जब वित्त मंत्री टी-टी कष्णमाचारी ने संपत्ति कर लागू किया। हालांकि, समय के साथ इस कर को लागू करने वाले देशों की संख्या कम हो गई है। देशों की संख्या 1990 में 12 से घटकर 2017 में चार रह गई। भारत ने 2015 में इसे समाप्त कर दिया। हाल के वर्षों में धन असमानता पर बढ़ती चिंताओं के कारण धन पर कर लगाने का विचार फिर से सामने आया है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में असमानता में तेज वृद्धि को उजागर किया गया है, खासकर 2014-15 के बाद। उनके शोध से संकेत मिलता है कि शीर्ष 1% आय अर्जित करने वालों के पास 2022-23 में देश की आय का 22.6% और इसकी संपत्ति का

40.1% हिस्सा होगा। यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से भी अधिक है। पिकेटी और उनके सह-लेखक 10 करोड़ रुपये से अधिक की शद्ध संपत्ति पर 2% वार्षिक कर और उसी सीमा से अधिक की संपत्ति पर 33% कर का प्रस्ताव करते हैं। धन करों की अपील के बावजूद उनका कार्यान्वयन कठिनाइयों से भरा है। 1985 में जब वित्त मंत्री वीपी सिंह ने संपदा शुल्क (विरासत कर) को समाप्त किया, तो उन्होंने कहा कि इसका प्रशासन महंगा था और इसकी राजस्व प्राप्ति न्यूनतम थी, जिसमें केवल लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। सिंह ने स्वीकार किया कि कर धन असमानता को कम करने और राज्य विकास योजनाओं का समर्थन करने के अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है। इसी तरह, जब 2015 में संपत्ति कर को समाप्त कर दिया गया, तो वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2013-14 में कर की कम राजस्व प्राप्ति 1008 करोड़ रुपये पर प्रकाश डाला, जो सरकार के कुल कर राजस्व का 0.1% से भी कम था। जेटली ने तर्क दिया कि उच्च प्रशासनिक लागत और कम उपज वाले करों को अधिक कशल विकल्पों के साथ प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व का एक प्राचीन मिस्र का पपीरस एक व्यक्ति की कहानी बताता है, जो अपनी संपत्ति का कम मल्यांकन करके विरासत करों से बचने का प्रयास करता है। इस तरह की चोरी की सजा कोडे मारना थी। आधुनिक, वैश्वीकृत दुनिया में पूंजी की गतिशीलता जटिलता की एक और परत जोड़ती है। उच्च करों के कारण पूंजी पलायन हो सकता है, जहां धनी व्यक्ति दुबई जैसे कर अनुकूल क्षेत्राधिकारों में बसने के लिए देश छोड़ देते हैं। यह नॉर्वे जैसे देशों में देखा गया है, जहां संपत्ति करों में वृद्धि के कारण कई उच्च संपत्ति मुल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए।

भारत में विदेश में स्थानांतरित होने वाले करोड़पतियों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। 2023 में लगभग 5100 भारतीय करोड़पति वित्तीय और कर संबंधी कारणों का हवाला देते हुए विदेश चले गए। भारत में संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा भूमि, अचल संपत्ति और सोने से जुड़ा हुआ है। इन परिसंपत्तियों को आसानी से समाप्त नहीं किया जा सकता है, जिससे सवाल उठता है कि व्यवहार में संपत्ति कर कैसे लाग किया जाएगा। यह देखते हुए कि भारत में संपत्ति सर्जन अभी भी अपने शुरूआती चरण में है, ऐसे कर लगाने से आर्थिक प्रगति में बाधा आ सकती है। यह व्यक्तियों के लिए अधिक कमाने और निवेश करने की प्रेरणा को कम कर सकता है, जिससे देश की वृद्धि धीमी हो सकती है। इसके अतिरिक्त यह निजी संपत्ति सर्जन और उद्यमिता को हतोत्साहित करके अपने समाजवादी अतीत से दूर जाने की दिशा में बदलाव को उलट सकता है। जीएसटी

अनुपालन को मजबूत करना आवश्यक है, क्योंकि कई सामान अभी भी इसके दायरे से बाहर हैं। आयकर प्रणाली को सुव्यवस्थित और सरल कार्यकशलता बढ सकती है, कर आधार व्यापक हो सकता है और करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम हो सकता है। विलासिता उपभोग कर लागू करने से उच्च स्तरीय वस्तुओं और सेवाओं को लक्षित किया जा सकता है, जिससे आम जनता पर बोझ डाले बिना असमानता को संबोधित करते हुए राजस्व उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति कराधान पर बहस जटिल है, जिसमें कर चोरी और पूंजी पलायन जैसी चुनौतियों के साथ असमानता को कम करने की क्षमता को संतुलित करना शामिल है। जबिक, यह सामाजिक कार्यक्रमों के लिए संसाधन उत्पन्न कर सकता है। भारत में कार्यान्वयन संपत्ति प्रशासनिक लागतों की प्रकृति के कारण जटिल है।

Social Media Corner

सच के हक में..

आपके युवा और मजबूत कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आपको एक तरफ तो, हमारी सीमाओं का भार संभालना है, वहीं दूसरी तरफ, विकसित भारत के निर्माण की नींव भी रखनी है। मुझे विश्वास है कि, लोहे के समान आपके ये मजबूत कंधे, इस राष्ट्र के निर्माण का भार, बेहद आसानी से वहन करेंगे। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं।



(रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)

महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!



(यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का 'एक्स' पर पोस्ट)

सुप्रसिद्ध समाजसेवी, महावीर मंदिर न्यास पटना के सचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल जी के निधन की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें।



(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कर पेश किया था। अन्य देशों ने विधायिका की सार्थकता पर अब उटने लगे सवाल

श्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश बात यह है कि संसद में हंगामा करने वाले रहे, जब कभी हम दोस्त बन जाएं तो शमिंदी न हों। प्रसिद्ध शायर बशीर बद्र का यह शेर आजकल बार-बार कहने का मन करता है। वजह है, राजनीतिक कटुता का माहौल। संसद के भीतर-बाहर जिस तरह गलत भाषा का खुला प्रयोग होने लगा है, वह दुखद है। असहमति में तो लोकतंत्र के प्राण बसते हैं, पर वह मयार्दापूर्वक होनी चाहिए। अगर मयार्दापूर्ण असहमति पर पर ध्यान दिया जाए, तो कम से कम संसद में घटिया शब्दावली का प्रयोग जरूर थम जाएगा। संसद को वाद-विवाद और संवाद से सहमित बनानी होगी, न कि असहमति का माहौल बनाने में अपने समय को नष्ट करना होगा। आज देश की आबादी में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी 35 वर्ष से कम युवाओं की है। हमें इस आबादी की संरचना को ध्यान में रखते हुए युवाओं के चौतरफा विकास की गति को तेज कर उस पर खरा उतरना होगा। यदि हम ऐसा नहीं कर पाए तो संसद और सांसदों की प्रतिष्ठा तार-तार हो जाएगी। विधायिका और इससे जुड़ी संस्थाओं की सार्थकता पर अब हर तरफ से सवाल उठने लगे हैं। कारण यह है कि अब संसद में बहस के बजाय हंगामा ही हो रहा होता है। हंगामे से सदन को बार-बार बिना वजह स्थगित करना पड़ता है। जब सदन चलेगा

ही नहीं तो वहां पर कामकाज कैसे होगा। सच

सदस्यों को अपने दल के नेताओं से हरी झंडी मिली होती है। उनसे कहा जाता है कि वे सदन में नारेबाजी करते रहें और कामकाज न होने दें। अगर आप कोर्ट की कार्यप्रणाली से वाकिफ होंगे तो आपको पता होगा कि वहां वकील सबह से शाम तक एक-दूसरे के खिलाफ केस लड़ते हैं। उनके बीच तीखी बहस भी होती है, पर लंच और फिर नाश्ते के समय सब बैठकर गपशप कर रहे होते हैं। उनमें कहीं कोई कटुता नहीं होती। ऐसे वकीलों से भी संसद सदस्य कुछ सीख ले सकते हैं। अभी कुछ दिन पहले एक मोटिवेशनल स्पीकर और हिंदु धर्म ग्रंथों के विद्वान एक सेमिनार में कह रहे थे कि जीवन में किसी को शत्रु मानना या उससे शत्रुता रखना कर्ताई सही नहीं है। आप अपने को उसी दिन से बेहतर इंसान मान सकते हैं, जिस दिन आपके मन में किसी के लिए कोई कटुता न रहे, पर संसद में सत्तापक्ष-विपक्ष के बीच दुश्मनी वाला भाव दिखता है। अब यह भाव संसद के बाहर भी दिखने लगा है। कभी-कभी बहुत क्लेश होता है कि अब संसद में यादगार भाषण सुनने को नहीं मिलते। एक दौर था, जब संसद में सार्थक चर्चा होती थी और सदस्य सारगर्भित भाषण दिया करते थे। हमारे यहां कई प्रखर सांसद हुए हैं, जिन्होंने अपनी वाकपटुता, तार्किक क्षमता और संसदीय ज्ञान से महत्वपूर्ण

योगदान दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी के संसद में दिए भाषणों को कौन भूल सकता है। वह अपनी कविताओं और भाषणों के लिए जाने जाते हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया भी आलोचनात्मक शैली और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखरता के साथ अपनी बात रखते थे। मधु लिमये तो बार-बार याद आते हैं। वह प्रश्नकाल में तीखे सवाल पूछते थे। ओजस्वी वक्ता तो वह थे ही। इसी क्रम में जार्ज फर्नांडिस भी थे। वह सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों के लिए मुखर थे। इसके अलावा कई अन्य सांसद भी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने अपनी प्रखरता से भारतीय संसद को समृद्ध किया है। एक बार मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर वेंकट सुंदरम बता रहे थे कि उनके शिक्षाविद पिता पीएम सुंदरम उन्हें बचपन में कहते थे कि वह अखबारों में संसद की कार्यवाही को ध्यान से पढ़ लिया करे। उन्हें पढ़कर देश-दुनिया की स्थिति को समझने मदद मिलेगी। क्या आज कोई अभिभावक अपने बच्चों को कहता होगा कि वे संसद कार्यवाही से जुड़ी खबरों को पढ़ें या कार्यवाही को टीवी पर देखें। वजह बहुत साफ है कि संसद में बहस का स्तर ही नहीं गिरा है, बल्कि वहां तो संग्राम वाली स्थिति बनी रहती है। सिर्फ पंगेबाजी और एक-दूसरे पर उलटे-सीधे आरोप लगाने से तो संसद नहीं चल सकती।

अक्षरशः अनुपालन

शिक्षा के अधिकार के हिस्से के रूप में यूपीए सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा में शुरू किए गए प्रमुख सुधारों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) और कक्षा 8 तक कोई अनुत्तीर्णता नहीं (नो डिटेंशन) की नीति शामिल थी। इन दोनों कदमों ने स्कूल में एक सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश की, ताकि बच्चे पर सालाना परीक्षाओं और मानकों का कोई दबाव न हो। सीसीई को कक्षा 6 से पूरे साल अलग-अलग चरणों में अमल में लाया जाना था, जिसका मतलब था कि साल भर के पाठ्यक्रम के आधार पर सिर्फ शैक्षणिक उपलब्धि का आकलन करने के लिए कोई डरावनी सालाना जांच नहीं होगी। चाहे उन सुधारों ने वर्तमान स्थिति में योगदान दिया हो या नहीं, लेकिन हकीकत यह है कि प्राथमिक विद्यालय से निकलने वाले विद्यार्थियों की बड़ी तादाद के पास बुनियादी संख्यात्मक ज्ञान और साक्षरता नहीं है। और ऐसा जान पड़ता है कि माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के समय तक वे जरूरी ज्ञान पूरा नहीं कर पाते हैं। सीखने के नतीजों (लर्निंग आउटकम) को हासिल करने के मामले में व्याप्त इस अंतर को पहचानते हुए, एनडीए सरकार ने 2019 में नो डिटेंशन की नीति को खत्म कर दिया और इस पर फैसला उपयुक्त राज्य सरकारों पर छोड़ दिया। सीसीई को भी त्याग दिया गया। लेकिन, कोविड-19 महामारी की घुसपैठ ने विद्यालयों के लिए विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण करने के बारे में विचार करना भी नामुमिकन बना दिया। शिक्षा मंत्रालय की हालिया अधिसूचना ने राज्य सरकारों को दिए गए विवेकाधिकार को खत्म कर दिया है। इसने कक्षा 5 और कक्षा 8 के अंत में एक सालाना परीक्षा अनिवार्य कर दी है, जो बच्चे की क्षमता का आकलन करेगी। अगर बच्चा सक्षम नहीं पाया जाता है, तो अतिरिक्त पढ़ाई कराकर दो महीने के बाद उस बच्चे की दोबारा परीक्षा ली जाएगी। अगर बच्चा दोबारा असफल होता है, तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित करते हुए पुरानी कक्षा में ही रोक लिया जाएगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A colossus in a landscape of pygmies

IT would be trite to say that Dr Manmohan Singh was an institution. He was a colossus who strode the economic and governance firmaments like an original intellectual giant in a landscape populated by pygmies. Manmohan Singh was born at Gah, now in Pakistan. He crossed over to India as a refugee during the Partition. By the dint of hard work and perseverance, he built a life for himself as a distinguished professor, thought leader, economist of repute, governance expert, union minister and, finally, the Prime Minister of India.

He held a diverse array of positions. However, he was always polite to a fault, humble, self-effacing, the epitome of gravitas, carrying success lightly on his shoulders. Perhaps, his humble origins and the traumatic Partition deeply impacted and influenced him at a subliminal level, giving him an acute sense of the ethereal nature of power and positions. Serving in such positions as Chief Economic Adviser in the Ministry of Finance and RBI Governor gave him an understanding of the economic and governance challenges. As Finance Minister from 1991-1996, he leveraged this understanding to preside over the most fundamental reset of India's economic trajectory when he dismantled the licence quota permit raj and unshackled the creative animal spirits of India's economic entrepreneurs. This reset took place when the post-World War-II world order had collapsed and political scientists were predicting the end of history. He created a new world for millions of youth in the post-globalisation and liberalisation period. It is unfortunate that the political lexicon and language of India never mirrored the economic reset and remains populist to this day. As Leader of the Opposition in the Rajya Sabha from 1998 to 2004, he brought a quiet dignity to the august office at a time when political polarisation had made parliamentary proceedings extremely toxic and contentious, to put it mildly.

As PM, he staked his government to break the nuclear apartheid that had been plaguing India since the first nuclear test on May 18, 1974, when the Buddha smiled in the deserts of Rajasthan at Pokhran.His experience in the mid-1970s as Member Finance of both the Atomic Energy Commission and Space Commission, perhaps, gave him a bird's eye view of how various constraining global architectures created in the aftermath of that peaceful nuclear explosion had impacted India's nuclear and space programme adversely. Notably, the architectures included the London Suppliers Club founded in 1974 (later called Nuclear Suppliers Group — NSG) to stunt India's nuclear potential by restricting access to technology and materials.

After becoming PM in 2004, Dr Singh built upon the Jaswant Singh-Strobe Talbott dialogue held in the aftermath of India's second nuclear test held in May 1998. It led to a second reset in Indo-US relations, with the signing of a New Framework for India-US Defence Relations on June 28, 2005, marking the full-scale start of defence cooperation between the two countries. Twenty days later, on July 18, 2005, the US and India announced the launch of the Civil Nuclear Cooperation Initiative. Under this, India agreed to commit all of its civilian nuclear facilities to IAEA safeguards.

In 2004, the Congress had only 145 seats in the 14th Lok Sabha. It was dependent on support of the CPI-M, CPI and others, who had 55 seats. The Left has had an anti-imperialist and, by extension, an anti-US worldview. It was an ideological anathema in the global world order after the collapse of the Communist USSR and its East European satellites in 1991. In June 2008, Dr Singh threw down the gauntlet and announced that India would go ahead with the Indo-US Civil Nuclear Deal. Ironically, the BJP — the author of the reset with the US after the 1998 nuclear test and a signatory to the Next Steps in Strategic Partnership in 2004 — brought a no-confidence motion against Dr Singh's UPA government in July 2008. Dr Singh, in turn, tabled a vote of confidence. Among unprecedented scenes in the Lok Sabha including the then opposition (BJP) displaying wads of currency notes in the House — the government won the vote.

Why Bhutan King has visited India thrice in 20 months

India's worry will remain the Doklam package deal, which the Tshering government was on the verge of signing.

ON December 20, Home Minister Amit Shah said in Kolkata that the Siliguri corridor is the key link to the Northeast. Given the unfriendly regime change in Bangladesh, Bhutan plays a crucial role towards its security. On December 6, King Jigme Khesar Namgyel Wangchuck of Bhutan was on an unprecedented third official visit to India in the last 20 months.

No King of Bhutan has come to India that frequently, but there was a reason. This year, Bhutan has been relatively silent about border resolution with China, especially after the previous government had signed a three-step roadmap in January 2023, held three expert group (on the 11th, 12th and 13th) and two joint technical group meetings, all packed in 2023, even as the 10th expert group meeting was held in 2021. The cat was set among the pigeons after the previous PM, Lotay Tshering, in an interview to a Belgian newspaper in March 2023, said: "Soon we will be able to resolve the border issue, including Doklam, as there are no real differences between China and Bhutan."The Tshering interview triggered alarm bells in New Delhi and a chain of events, including a virtual air-dash by the King for talks with PM Narendra Modi. Following the joint statement which steered clear of the border issues, the then Foreign Secretary Vinay Kwatra said: "India will take all necessary measures to safeguard its national interest."

High-ranking officials believe that Modi did some plainspeaking with the King, emphasising that their border disputes with China were intertwined. In the past, Bhutanese officials consulted their Indian counterparts prior to holding border talks with China. Especially regarding Doklam, where, in 2017, New Delhi invoked the India-Bhutan Treaty of Perpetual Friendship 2007 to intervene on Bhutanese territory (which China claims) to prevent the PLA from constructing a road to Gipmochi its version of the tri-junction between India, Bhutan and China.In an interview in October 2023 to an Indian newspaper, Tshering said his government had a month left in office, but "it was inching towards an agreement of the border." Also, last October, previous Foreign Minister Tandi Dorji had visited Beijing, a first for any Bhutanese minister, and met his counterpart Wang Yi, signed the Cooperation Agreement on Joint Technical Team for Delimitation and Demarcation of Border and endorsed the One-China policy. Wang urged Dorji to establish diplomatic relations with China as Thimphu has none with any P5 country. In 2023, the Tshering government was actually racing (not inching) towards a border resolution. Dorji, after his 25th round of talks in Kunming, told journalists in Thimphu that talks with China had been accelerated. His visit to Beijing and the agreements clinched with China, like the Tshering interviews earlier, shocked India's security establishment. It forced the King days later to make an



unprecedented second visit to India. Being asked to come to New Delhi twice within six months over border issues was plainly discomfiting for the King, though the second visit was disguised as Bhutan's curtain-raiser for the Gelephu Smart City project. Tshering said: "The first leader the King wanted to discuss Gelephu with was PM Modi."In the elections held in November last year, Lotay Tshering's party was eliminated in the first round and Tshering Tobgay became PM in January 2024. Not a word has been heard about the three-step roadmap since then from the new PM or the Foreign Minister. In 2013, PM Jigme Thinley was defeated by Tobgay in elections after he was seen getting closer to China.

Clearly, the King was in the loop of the policy shift for an early resolution of the border with China, including the Doklam package deal, delinked from its adverse impact on India's strategic concerns in the Chumbi valley.

Kuensel', a weekly broadsheet from Thimphu, has reported that young and educated Bhutanese have been India's worry will remain the Doklam package deal, which urging the government to establish diplomatic relations with China and resolve the border issue. During my visit to Thimphu and Paro after Doklam, I felt that people were unhappy over the way Doklam was handled as also the economy and presence of Indian soldiers on Bhutanese soil. Thimphu's \$3-billion economy supports a population

of seven lakh Bhutanese, with hydropower as its main source of revenue, and with India financing all its fiveyear development plans. In fact, this year, the government doubled the Rs 5,000-crore outlay for the 12th plan to Rs 10,000 crore for the 13th plan.

Half the population is below 30 years and with 30 per cent unemployment, nearly 15,000 persons left Bhutan in 2023 for Australia, Canada and the US. Gelephu, the King believes, will be the open-sesame to get the young and educated Bhutanese to return. Some believe Gelephu is the King's idea of a diversion from the vexed border issues and economic hardship. The Gelephu SEZ will have energy and communication connectivity, an international airport, a university, a healthcare facility, etc.A new dream city on the India-Bhutan border will soon come up with international aid and assistance to address Bhutan's declining Gross National Happiness. India is a key player in the project.

the Tshering government was on the verge of signing. It would have plunged the Chumbi dagger deeper into the Siliguri corridor, popularly called Chicken's Neck. While the Tobgay government will go slow on the three-step roadmap, the 26th round of Bhutan-China talks was held quietly at Thimphu in August.

A statesman for the ages

Nation mustn't forget Manmohan Singh's legacy

IT's a sad moment for the entire nation and the world at large that Dr Manmohan Singh is no more. What's even sadder is that they just don't make them like him anymore. He was truly a class apart, a statesman who managed to keep his gentleness and humility intact in the rough and tumble of politics. In his final address to the nation as Prime Minister on May 17, 2014, the day after the Congress-led UPA was routed in the Lok Sabha elections, he humbly reiterated that his life and tenure in public office were an open book. There was no reason to disbelieve him when he said that he had always tried to do his best in serving the nation. He gave it his all, first as Finance Minister he masterfully spearheaded liberalisation of the Indian economy — and then as PM. Things didn't always go his way, but that didn't stop him from working hard "with diligence as my tool, truth as my beacon". His stress on truth and transparency was not a sham. Among the greatest achievements of the government he headed was the enactment of the Right to Information (RTI) Act in 2005. This landmark legislation was aimed at empowering citizens and ensuring much-needed

accountability in the working of government departments. The veil of secrecy around governance was lifted at last, and the people realised that there was much more to democracy than casting their vote. The year 2005 also witnessed the rollout of another pathbreaking reform, the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act. This social welfare measure transformed the lives of people in the hinterland by bolstering the livelihood security of rural households. However, Manmohan Singh was not one to shout from the rooftops about his government's initiatives. Nor did he stoop to patting himself on the back or giving the impression that he was God's gift to the country. It was always service before self for him. His failing was that he did not do enough to stem the rot that triggered the decline and fall of the UPA government. It was this lapse that enabled the BJP to ride high on the anti-corruption plank and wrest power from the Congress.At the international level, his visionary leadership propelled the India-US civil nuclear deal, which acted as a game-changer for strategic cooperation between the two nations. Their presently strong bilateral

ties owe a lot to the efforts made by the Manmohan Singh government. And he wisely chose to avoid retaliation against Pakistan after India was rocked by the Mumbai terror attacks of 2008. This was not a sign of weakness; it was a pragmatic decision that prevented the two neighbours from plunging headlong into yet another war. Though he was generally soft-spoken and selfeffacing, he didn't flinch from speaking his mind when things became intolerable. In a letter released ahead of the final phase of polling in the 2024 Lok Sabha elections, he lambasted his successor, Narendra Modi, for indulging in the most vicious form of nate speeches, which are purely divisive". He went on to say that Modi was the first PM to lower the dignity of public discourse. Leading the nation in paying tributes to Manmohan Singh, PM Modi has said that his predecessor's commitment to the people and the country's development would always be respected and remembered. It remains to be seen if the BJP-led NDA, which misses no opportunity to blame Jawaharlal Nehru for the ills afflicting the nation today, will desist from defiling the legacy of Manmohan Singh.

Lessons that MMS taught us

Manmohan Singh realised that the PM must take all people along, even if they haven't voted for you

CONGRESSMAN Manish Tewari, writing on the other side of these pages, and fellow journalist Pradeep Magazine on social media, have these last few hours since the passing of Dr Manmohan Singh, been among those reflecting on why parts of the media adopted some of the characteristics of a Doberman Pinscher — with due apologies to Dobermans — and unusually went after the good Doctor in the last months of his prime ministership in 2014. Magazine's very telling comment on X speaks a world.

"That terrible feeling: India will have to live with the guilt of having vilified Manmohan Singh," he wrote.

Those of us old enough to watch this grim story unfold between 2012 and 2014 were participants in the denouement, make no mistake. We watched the house come down, piece by piece. We watched as Rahul Gandhi, in the Press Club of India in 2013, tore up an ordinance that Manmohan Singh was piloting through the House to give temporary protection to convicted politicians — this, when the BJP had accused Dr Singh of being a "puppet" of the Gandhi family. We watched as the BJP simply didn't allow Parliament to function that winter session that followed and BJP leader Arun Jaitley defended his party's aggressive stalling of the House. Earlier, we had watched from the press galleries how the BJP didn't allow the PM to speak in defence of the Indo-US nuclear deal in Parliament and the House was nearly brought down in 2008 when cash was found ostensibly to steer MPs to vote one way instead of another.Of course, the UPA had the numbers, so that vote was won — and the nuclear deal was signed with George W Bush. Most, including Prakash Karat of the CPM, simply refused to understand what the nuclear deal was really about — it was never about playing second fiddle to a foreign power, but the reassertion of

global responsibility; being at ease with America would open the doors to foreign investment that India was desperately in need of, so as to reforge its own destiny. Remember Deng's favourite slogan, "you don't ask whether the cat is black or white, as long as it can catch

mice"? The Chinaman, general secretary of the Communist Party of China, had of course, been referring to the country's need to partner with Western nations because they had the ability to invest in China. If the Chinese understood the need to embrace its ideological enemy, why couldn't Karat? Dr Manmohan Singh would ask that question — or at least then minister of state in the PMO Prithviraj Chavan, who had MMS's ear, would often ask that question. Friendship with America, MMS also knew, would worry the Chinese; it may even persuade it to deal more kindly with India. And so it came to pass, in 2005, that India and China opened talks on resolving the border dispute — China would later withdraw that offer, when it saw India withdrawing from the world, become weaker, but that would be later.

The tragedy is that Sitaram Yechury, who openly protested the CPM's decision to link the Indo-US deal with domestic politics, was overruled by his own party. Yechury lost, Karat won and pulled the rug from under the UPA. The irony is that years later, Kerala's Left government led by Pinarayi Vijayan, a staunch ally of Karat, would back "masala bonds" at the London Stock Exchange, through which money was raised to fund pathbreaking health and education initiatives across Kerala, which would transform the state. Except for Kerala, the CPM would wither away in the rest of the country. MMS's mantra of the need to move with the times would resonate across India — it would

practically wipe out the Left and allow an unleashing of the "animal spirits" that would allow Indian entrepreneurs to make the geographical leap towards brave new worlds that Dr Singh may not have imagined when he and his family trudged across the Radcliffe



Line into India that long-ago summer of 1947.

Dr Singh's passing, this rainy weekend, allows us to indulge in two "imaginings". The first, imagine if MMS had been able to pull off a border solution with the Chinese. Galwan would never have happened, the Chinese wouldn't have sat on your border for four years and stared down at you. Peace would have broken out on the LAC.Imagine, also, if Manmohan Singh had made that visit to his birthplace, Gah, back in 2008. Things had been going swimmingly well with Pakistan. Friendship had been in the air for some time. Musharraf had come to Delhi to watch a cricket match in 2005 and invited MMS to make the return trip; MMS had done a short tour of Siachen and described the glacier that ended at NJ9842, whose heights both India and Pakistan coveted, as a "peace park". MMS had even gone to Kashmir for a day-long trip, to speak to all kinds of

Indians there and set up eight round-tables to carry on the conversation — Vice-President Hamid Ansari would chair the one on politics. Meanwhile, Indians and Pakistanis had already decided that the Radcliffe Line should be consigned to history so people travelled back and forth, Pakistani singers sang for Bollywood films and real estate prices in Amritsar and Lahore shot up. Musharraf gave special permission to light up Gah with streetlights that TERI's RK Pachauri would personally supervise. The school in which MMS studied was given a spruce-over. "Raaste jaldi hi khull javaange" was at the heart of the conversation in both towns. The 2008 Mumbai attacks dealt a body blow to the opening up. In Pakistan, by 2009, the lawyers' movement had taken charge and Musharraf lost power. Attempts to revive the conversation would start and stall

until the eve of the 2014 polls, when a serious attempt to lay a pipeline from Amritsar to Lahore would finally founder. Narendra Modi would not pick up on the pipeline but took a leaf out of Manmohan Singh's book when he invited all South Asia's leaders to Delhi for his inauguration. Both Atal Bihari Vajpayee and Manmohan Singh (not even going as far back as Nehru or Shastri or Indira) realised that the Prime Minister of India must take all the people along, even if they haven't voted for you. That a country as diverse as India cannot be divided along communal or sectarian or ethnic lines. That peace at home is a function of peace in your neighbourhood.

West Bengal & Rajasthan new migrant destination hotspots; Uttar Pradesh tops

New Delhi. West Bengal and Rajasthan are the new centres of migrants movement from across the country and have found place in the list of top five states where maximum numbers of general or second class passengers travelled to by the Indian Railways, shows the latest working paper of the Economic Advisory Council to the Prime Minister (EAC-PM) on migration trends. Other three states in the top five are Uttar Pradesh, Maharashtra and Madhya Pradesh. According to the analysis of data from the Indian Railways on unreserved tickets of non-suburban passengers (150+ kms journey), the council has concluded that while most of the states showed reduction in the passenger headed to them from outside, possibly as a result of an overall reduction in migration, West Bengal, Rajasthan and Karnataka are the states that showed the maximum amount of growth in percentage share of the arriving passengers.

Compared to 2012 data, Andhra Pradesh and Bihar are now ranked a notch lower. Titled as "400 Million Dreams!", the PM advisory body in its report said that the overall number of migrants in the country has reduced by 11.78 per cent as compared to the 2011 census. The paper hypothesised that improved economic opportunities in smaller cities are among the reasons for the slowing migration in India. Apart from ticket bookings data from Indian Railway Unreserved Ticketing System (UTS) for year 2023 and 2012, EAC-PM used mobile telephone subscribers' roaming data and district level banking data on remittances to come up with the figure of 40.20 crore migrant, as of 2023, in the country. The total number of migrants in Census 2011 were 45.57 crore.According to its analysis, Gujarat, Uttar Pradesh, Bihar, Karnataka and Telangana are the major origin states for arrivals into Maharashtra. Similarly, for Delhi, the major origin states are Uttar Pradesh, Bihar, Rajasthan, Haryana and Madhya

Apart from this, the major destinations for general class travellers heading out from Uttar Pradesh are Delhi, Bihar, Maharashtra, Madhya Pradesh and Haryana. Similarly, major Destinations for passengers heading out from Bihar are Delhi, West Bengal, Uttar Pradesh, Maharashtra and Jharkhand.

Indian economy to grow at 6.5-6.8% in FY25 on high consumption: Deloitte

NEW DELHI. Indian economy is likely to grow at 6.5-6.8 per cent this fiscal and slightly higher between 6.7-7.3 per cent in FY2026, boosted by domestic consumption, Deloitte said on Sunday. Deloitte India Economist Rumki Majumdar said the growth in the first half of the fiscal year 2025 turned out to be slower than estimated as election uncertainties followed by disruptions in activity due to heavy rainfall and geopolitical events weighed on domestic demand and exports.

However, India continues to show resilience in certain pockets that are worth noting -- be it in consumption trends, services growth, the rising share of high-value manufacturing in exports, or the capital market.

The government's continued focus on infrastructure development, digitisation, and attracting FDI will be the additional growth booster, enhancing overall efficiency."We remain cautiously optimistic and expect the growth rate to remain between 6.5 and 6.8 per cent this fiscal year and slightly higher between 6.7 and 7.3 per cent in FY2026," Majumdar told PTI. Earlier this month, the Reserve Bank of India cut its growth forecast for the current fiscal to 6.6 per cent from 7.2 per cent projected in June.

Deloitte said manufacturing exports in high-value segments like electronics, semiconductors, and chemicals reflect India's strengthening position in global value chains. Meanwhile, capital markets have shown stability despite significant FII outflows over the past two and a half months, thanks to rising participation from retail and domestic institutional investors."We anticipate several of these trends to persist through 2025. We believe domestic consumption will remain the cornerstone of India's economic growth, with both rural and urban demand playing key roles." A myriad of factors, such as improved agricultural incomes, targeted subsidies, social welfare programmes, government employment initiatives, advancements in digitisation, and stronger services sector growth will help broad-base consumption spending," Majumdar said.India will have to ride out the rough patch, as several global headwinds pose challenges. Geopolitical tensions, trade disputes, supply chain disruptions, and the escalating impact of climate change could weigh heavily on growth and long-term economic stability,

Mcap of 6 of top 10 most valued firms climbs Rs 86,847.8 cr; HDFC, RIL lead

NEW DELHI. Six of the top-10 most valued firms together added Rs 86,847.88 crore in market valuation last week, with HDFC Bank and Reliance Industries emerging as the biggest gainers in line with an overall optimistic trend in equities. Last week, the BSE benchmark climbed 657.48 points or 0.84 per cent, and the Nifty rose 225.9 points or 0.95 per cent. While Reliance Industries, HDFC Bank, ICICI Bank, Bharti Airtel, ITC and Hindustan Unilever were the winners, Tata Consultancy Services (TCS). Infosys, State Bank of India and Life Insurance Corporation of India (LIC) suffered erosion from their market valuation. The market capitalisation (mcap) of HDFC Bank surged by Rs 20,235.95 crore to Rs 13,74,945.30 crore. Reliance Industries added Rs 20,230.9 crore, taking its valuation to Rs 16,52,235.07 crore. The valuation of ITC jumped Rs 17,933.49 crore to Rs 5,99,185.81 crore, and that of ICICI Bank climbed Rs 15,254.01 crore to Rs 9,22,703.05 crore. The market cap of Bharti Airtel soared Rs 11,948.24 crore to Rs 9,10,735.22 crore, and Hindustan Unilever rallied Rs 1,245.29 crore to Rs 5,49,863.10 crore. However, the valuation of State Bank of India tumbled by Rs 11,557.39 crore to Rs 7,13,567.99 crore. The valuation of LIC declined by Rs 8,412.24 crore to Rs 5,61,406.80 crore, and that of Infosys dropped by Rs 2,283.75 crore to Rs 7,95,803.15 crore.

Exclusive: Firm run by Russian national dupes Rs 800 crore from Indian investors

The ED filed a second chargesheet against Octafx India, its operating company overseas, OctaMarkets, its founder Pavel Prozorov, OctaFX CEO, who handled India operations, Anna Rudaia, and nine other individuals accused apart from a total of 41 companies and entities. Read this

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) has filed a chargesheet in the alleged Rs 800 crore Ponzi scheme scam orchestrated by a forex firm run by a Russian national named Pavel Prozorov.In the last four to five year, OctaFX, a Forex trading platform, was visible everywhere on social media, from advertisements to sponsoring IPL teams. Very few, or say, no one knew that OctaFx was an elaborate long-term Ponzi scheme

launched in India to dupe people of their hard-earned money. The ED recently filed a second chargesheet against Octafx India, its operating company overseas, OctaMarkets, its founder Pavel Prozorov. OctaFX CEO, who handled India operations, Anna Rudaia, and nine other individuals accused apart from a total of 41 companies and entities.

WHY IS IT AN ELABORATE PONZI SCHEME?According to the exclusive details accessed by IndiaToday, the predicate offence, on the basis of which the ED started investigating, was an FIR filed at Shivajinagar police station in Pune in 2021, against two to three brokers and agents who had duped deaf and dumb persons with a promise of doubling their savings through forex trade at OctaFx in five months and triple it in eight months.

The investors lost huge sums in crores, following which an FIR was filed against the brokers, who are also called 'introducers' by OctaFX. With aggressive online and social media advertising promotions by hiring area-wise

influencers and TV personalities, and even top Bollywood actors to promote the platform, they managed to lure numerous investors.OctaFx employed a number of brokers who helped people invest in the platform. They were called introducers and were paid handsomely for luring



people, with gifts like luxury cars, bikes, gold coins and gold bars.

The firm also organised events at 5-star hotels in Goa and invited agents and brokers and felicitated them with hefty bonus amounts and gifts at these events. According to sources, the platform also

offered to invest huge amounts of crores in cash from select customers and

investors, mostly bigger introducers, whose online history showed that they had been regular. These cash amounts were collected by their agents and handed over to cash couriers and then deposited into multiple accounts of shell entities.

Once the amount invested swelled to huge proportions, the investors started losing money. Unsuspecting investors in tier-2 or tier-3 cities were mostly targeted with the help of so-called introducers where cash movement in business markets was huge. However, the forex firm denies any wrongdoing and stresses on the companies' good track record. "Since 2011, OctaFX has established a solid reputation in the financial industry, with hundreds of thousands of satisfied clients worldwide testifying to the quality and reliability of our services. We strongly refute any claims of money laundering, false promises of exorbitant returns, or engaging in practices that disadvantage traders," a spokesperson said."Contrary to the allegations, we have never promised quick riches or

All states/UTs expected to

complete draft labour code

rules by March

NEW DELHI. All 36 states and Union territories

(UTs) are expected to complete "harmonisation

and pre-publication" of draft rules under the

four labour codes by March 31, 2025, a release

So far, barring five states and UTs, all others have

pre-published the rules, setting the stage for the

much-awaited rollout of the four codes — Code

on Wages, Code on Social Security, Code on

Industrial Relations, and Code on Occupational

Health & Safety — by next year. The Labour

Ministry has been consistently working for

harmonisation of rules under the four codes

by the Labour Ministry said on Saturday.

Russia aims to double tourism GDP by 2030 from India, China

NEW DELHI. Russia is looking to double its GDP contribution from tourism by 2030, increasing it from 3.8% to about 10%. The country has increased investment in the tourism sector and set to launch its new national project "Tourism and Hospitality" in 2025 to attract more tourists. Evgeny Kozlov, chairman of the Moscow City Tourism Committee, speaking to TNIE said Moscow will prioritise attracting tourists and MICE (meetings, incentives, conferences, and exhibitions) from India and China. He mentioned that to boost tourist arrivals from India, Russia has liberalised visa regime, introducing evisa. Kozlov said the number of Indian tourists visiting Russia in the first half of 2024 reached 28,500, a 1.5-fold rise as against the same period in 2023. "From August 1, 2023,

holders of Indian passports can apply for e-visa, which is fast (issued within 4 days), easy (no invitations or



confirmations required), and convenient to get (online)," said Evgeny Kozlov.

Kozlov said its tourism industry has generated revenue exceeding 1.3 trillion rubles (\$12.35 bn), surpassing the record set before the pandemic in 2019. By 2030, they expect that the impact of tourism on Moscow's economy will be even greater. As per forecasts, by 2030, revenue from tourism will grow 2.7 times, reaching

3.6 trillion rubles (\$34.2 bn). However, Kozlov said the transport links between Moscow and India still need to be improved. He said at the moment, there is only one airline that operates flights between India and Moscow."I would like to encourage the Indian government and airlines to consider introducing direct flights to Moscow to meet growing demand of travelers."Gajesh Giridhar,

founder and national coordinator of the Network of Indian MICE Agents (NIMA), agreed with Kozlov's request for improved air connectivity. He said destinations like Baku and Thailand enjoy significant popularity among Indian travellers due to better flight connectivity.

across the states, said the release. This year, six regional meetings were held between August and October to facilitate the states and Union territories for framing the

rules.Labour laws fall under the concurrent list of the Constitution. Hence, both the Centre and states are empowered to make rules. But in the event of a conflict between state and central laws, central legislation generally takes precedence, unless the state's law has obtained presidential assent. The four labour codes are a judicious combination of reforms aimed at easing labour market rigidities, and reinforcing workers' rights and welfare. As many as 44 labour related Acts were consolidated into the four codes in 2019-2020 with the objective of reinforcing trade and investment, facilitating ease of doing business and easing compliance. Several minor offences were decriminalised via the codes, while skill development and dispute resolution have been accorded due priority. Meanwhile, the ministry also is working towards development of a framework for social security coverage to gig and platform workers, said the release.Extensive stakeholder consultations were conducted with aggregators, knowledge partners, platform worker organisations, and state/UTs this year to ensure a comprehensive understanding of the Social Security Code, 2020, and to develop collaborative approaches for a social security framework tailored to gig and platform workers, it said. Also, a collaborative study is being undertaken with the International Labour Organization to comprehensively assess various factors related to platform workers. "These include the number of platform workers, prevalent business models, potential schemes, financial implications (such as aggregator turnover and contributions), and a roadmap for

Missing the wood for the trees

NEW DELHI. Forests are a natural resource crucial to feeding and regulating rainfall cycles. They also provide essential biodiversity - being home to millions of species of plants and animals –for the coupled existence of humankind and nature. As the bells toll louder on climate change, forests are the first line of defense. They act as a carbon sink, absorbing carbon dioxide from the atmosphere and storing it in their woo d and soil other hand, deforestation and degradation of forests releases carbon dioxide back into the atmosphere. driving up temperatures and triggering climate catastrophe. Between 2001 and 2020, global forests lost 10% of their area coverage, releasing 165 gigatons of carbon dioxide.It was music to the ears when the India State of Forest Report (ISFR) 2023, released by the Minister for Environment, Forest and Climate Change, Bhupender Yadav, announced India's forest and tree cover had increased to just over a quarter – or 25.17% – of the country's geographical area. The minister said there had been an increase of 1,445 square kilometers

of forest and tree cover over the last count in 2021.After all the backthumping, much of the data has been met with a degree of skepticism. The high numbers have been drummed up by including commercial bamboo plantations, coconut groves and orchards, Kerala's former principal chief conservator of forests, Prakriti Srivastava, conservationist researcher Krithika Sampath and former National for Wildlife member Singh Bindra, told PTI. Calling it "another faulty report with inflated data", they claimed 1,488 sq km of 'unclassed forests' or non-notified forests under government ownership had vanished between 2021 and 2023. A former principal chief conservator of Forests of Karnataka, BK Singh, told the environmental magazine Mongabay, while plantations are increasing 18,000 sq. km. annually, forest and tree cover was shown to have gone up by a meagre 1,400 sq. km in two years. Either the forests are being cut and plantations are partly supplementing the deficit; or a major chunk of plantations are failing. An

inquiry would be in order, Mr B.K. Singh said. The Forest Survey does admit the decline in forest cover in ecosensitive zones like the Western Ghats, and the lower Himalayas. The report concedes, for example, the Western Ghats Eco-Sensitive Areas (WGESA) have lost 58.22 sq km of forest cover, while the north-east lost 327 sq km. The impact of the deforestation was seen less than 6 months ago in Kerala's region. brought down denuded sections of the hills on the villages below killing over 250 persons. While anecdotal evidence points to the retreat of core forests falling to mining and road building activity, 'flexible' interpretations of what constitutes 'trees' and 'forest cover' ensures the picture remains rosy and green. The earlier 2021 'State of Forest Report' released in January 2022 claimed the country's forest and tree cover had gone up by 2,261 sq km since the last assessment in 2019. Contrary to this, in April this year, Global Forest Watch (GFW) released a report based on satellite imagery on the losses of forest cover on a world scale.

Luxury housing market shines in 2024

While this steep increase impacted overall housing sales in 2024, luxury housing demand and new supply increased exponentially in 2024.

NEW DELHI. Demand for lavish and luxurious housing projects remained resilient in 2024 despite a sharp surge in property prices. This particular segment defied a slowdown in economic growth as the growing tribe of high-net-worth individuals did not shy away from making big-ticket purchases. As per data issued by real estate consultant firm Anarock, housing prices rose between 13-30% year-on-year in 2024 across the top 7 cities, primarily due to increased input costs and strong homebuyer demand. Delhi-NCR recorded the highest yearly jump of 30% in average residential housing price – from Rs 5,800 per sq. ft. in

2023 to nearly Rs 7,550 per sq. ft. in 2024. The top 7 cities together saw a 21%yearly jump in average residential price – from Rs 7,080 per sq. ft. in Q4 2023 to over Rs 8,590 per sq. ft. in Q4 2024.

While this steep increase impacted overall housing sales in 2024, luxury housing demand and new supply increased exponentially in 2024. "The new luxury supply addition across the top 7 cities rose by 24% in 2024 against 2023. There is no reason to expect luxury housing demand to taper off in 2025," said Anarock. The country's largest real estate developer - DLF - said 2024 has been an encouraging period for the real estate sector, with markets across the country witnessing positive momentum, a trend that continues into 2025. "For us at DLF, the year began

with the remarkable success of two consecutive launches within the DLF Privana ecosystem in Gurugram, both achieving complete sell-outs in under a week during their pre-launch phase. This milestone underscores the robust demand for premium real estate and Gurugram's status as a key hub for luxury living," said Aakash Ohri, JMD & Chief Business Officer, DLF Homes.

DLF achieved a milestone with the Rs 190 crore sale of an apartment in its Camellias project and is now set to launch The

Dahlias in Gurugram, poised to become India's most expensive residential project. Comprising 400 residences with starting prices of Rs 80,000 per sq. ft., the average ticket size is expected to hover nearly Rs 100 crore, as per PropEquity.

Ohri said the demand for luxury homes remained resilient, contrary to the perception of a slowdown, as buyers



increasingly seek expansive, welldesigned residences with world-class amenities that cater to their elevated lifestyles.Besides DLF, other top-tier players like Godrej Properties, Macrotech Developers (Lodha), Oberoi Realty and Prestige Estate recorded robust demand for their luxurious properties. Samir Jasuja, founder & CEO, PropEquity said luxury housing continued its dominance which is reflected in the fact that the market size of apartments, priced over Rs

5 crore has gone up from \$4 billion to \$16 billion in the last 4 years witnessing 4x growth.Sunny Bijlani, joint MD at Supreme Universal stated that in 2023, luxury segment achieved a historic milestone with a 12-15% YoY rise in sales, a trend that strongly continued in 2024. "This year, Mumbai documented a 13% rise in prime residential property

implementing a social security scheme for

platform workers," the release said.

prices, reflecting the growing appetite for premium high-end homes in the city. This momentum is expected to continue into 2025, with the premium realty market poised for more dynamic growth. The new generation of buyers, increasingly drawn to bespoke residences in prime locations such as South Mumbai and Bandra are fueling this demand," said Bijlani. While the luxury segment grew, overall

housing sales across top seven cities recorded a 4% decline, with approximately 4,59,650 units sold in 2024 compared to 4,76,530 units in 2023, as per Anarock data.Mumbai Metropolitan Region (MMR) saw the highest sales of about 1,55,335 units in 2024, registering a 1% yearly rise. Pune followed with 81,090 units sold, down 6% YoY. Among other cities, Bengaluru saw a 2% surge in sales. Demand fell in Kolkata (20%) and Chennai (11%), followed by a 5% fall in Hyderabad, and a 6% decline each in Pune and Delhi NCR.

Monday, 30 December 2024

Delhi Police's Big Action Against Infiltrators, 8 Illegal Bangladeshi Immigrants Deported

-According to police, Jahangir admitted to entering India through unofficial routes and subsequently, bringing his family over.

NEW DELHI. The Delhi Police has deported eight Bangladeshi nationals who were residing in the Rangpuri area of the national capital, an official said on Sunday. Those deported are Jahangir, his wife and

with further dip in

Cold wave to intensify in Delhi

temperature, fog engulfs city

New Delhi. Delhi, on Sunday, woke up to yet another

foggy morning as temperature in the national capital-

NCR region continued to dip after record-breaking

rainfall on Friday. The capital's Safdarjung

Observatory reported a minimum temperature of 13

degrees Celsius for today, more than 6 notches above

normal. With no further rainfall forecasted for Delhi

for this year, the India Meteorological Department

(IMD) has predicted the minimum temperature to go

down to 6 degrees Celsius and 5 degrees Celsius for

Delhi received 41.2 mm of rainfall in a day, breaking a

Meanwhile, cold wave conditions are predicted to intensify in Punjab, Rajasthan, Haryana and

Chandigarh. The IMD has issued orange alert across several cities in Punjab due to dense fog conditions. Dense fog alert has also been issued for Delhi, Himachal

Pradesh, Punjab, Haryana and Chandigarh for both

Sunday and Monday during the early morning and late

night hours. On Sunday, Delhi's air quality declined to

am. The city's air quality further deteoriated to $230\,\mathrm{at}\,9$

am. On Saturday, the 24-hour AQI was in the

Statue Of Chhatrapati Shivaji

Installed At 14,300 Feet Near

New Delhi. The Indian Army has installed a statue of

Maratha warrior Chhatrapati Shivaji on the bank of

Pangong lake at an altitude of 14,300 feet, a region that

is close to the Line of Actual Control (LAC) with

China in the eastern Ladakh sector. The Army's Leh-

based 14 Corps said the inauguration of the statue

celebrated the "unwavering spirit" of the Indian ruler

as his legacy remains a source of inspiration.

the 'poor' category range as the AQI stood at 223 at '

101-year-old record of receiving the highest single-

December 30 and 31 respectively.

day rainfall in the city in December.

'moderate' category at 135 at 4 pm.

India-China Border

from Kekerhat village in Madaripur district of Bangladesh, he said.

According to police, Jahangir admitted to entering India through unofficial routes and subsequently, bringing his family over. They had destroyed their Bangladeshi identification documents and were living in Delhi while concealing their original identities. "A team from the Vasant Kunj South police station was tasked to identify illegal immigrants. As part of

the intensified efforts to address concerns about unauthorised migrants, police conducted door-to-door verifications of 400 families in Rangpuri," Deputy Commissioner of Police (Southwest) Surendra Choudhary said.

He added that verification forms were sent to the addresses of suspected individuals in



West Bengal and a special team was dispatched to manually verify their documents. During the verification drive, the team identified Jahangir and his family, who confessed to their Bangladeshi origins during questioning, the DCP said, adding that the deportation process was carried out in coordination with the Foreigners Regional Registration Office (FRRO).

On Friday, the Delhi Police deported an illegal Bangladeshi migrant who unlawfully stayed in different areas for the last six years. The 28year-old woman stayed in Delhi and Mumbai in violation of the Foreigners Act, police had said.

The city police launched a drive to identify illegal Bangladeshi immigrants residing in the capital, after the LG Secretariat ordered a crackdown on such people this

Teams from various police stations are visiting slums and the Kalindi Kunj, Shaheen Bagh, Hazrat Nizamuddin and Jamia Nagar

areas to check voter IDs and Aadhaar cards for identifying suspected Bangladeshi immigrants.

The LG Secretariat directed the Delhi chief secretary and police chief to launch a twomonth special drive to identify and take strict action against illegal Bangladeshi immigrants residing in the city.

Delhi weather: Cold wave intensifies with further temperature drop and dense fog

The Safdarjung Observatory, which measures the city's weather, reported a significant dip in temperatures on Sunday, continuing the cooling trend.



NEW DELHI. Delhi experienced a cool and foggy start to Sunday as the capital recorded a minimum temperature of 13°C, which is six notches above the season's average, according to the India Meteorological Department (IMD). The maximum temperature for the day is expected to reach around 16°C, with mostly clear skies ahead. The city is still feeling the aftereffects of a recordbreaking rainfall on Friday, which brought 41.2

mm of rain, setting a new record for the highest single-day rainfall in December. The Safdarjung Observatory, which measures the city's weather. reported a significant dip in temperatures on Sunday, continuing the cooling trend. The IMD predicts that the minimum temperature will drop further to 6°C on December 30 and 5°C on December 31.

While clear skies are expected, Delhi's air quality has been a concern. On Sunday morning, the Air Quality Index (AQI) deteriorated to the 'poor' category, with the AQI reaching 223 at 7 am and further rising to 230 by 9 am. The air quality had been in the 'moderate' category just the previous day, with a 24-hour AQI of 135 recorded at 4 pm on Saturday. According to the IMD, an AQI between 201 and 300 is classified as 'poor'.

Humidity was also high on Sunday, recorded at 95% at 8:30 am, adding to the discomfort in the chilly conditions. The IMD has issued a dense fog alert for Delhi, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, and Chandigarh, particularly during the early morning and late-night hours on both Sunday and Monday. An orange alert has been issued for several cities in Punjab due to the forecasted dense fog.Overall, Delhi will experience clear skies but colder temperatures, while the air quality remains a significant concern. Residents are advised to take necessary precautions, especially those with respiratory issues, and be cautious during early mornings and late nights due to the foggy

Madhya Pradesh boy dies after being trapped in 39-foot borewell for 16 hours

The boy was trapped at a depth of approximately 39 feet, and efforts to rescue him have been ongoing since Saturday night.

New Delhi. A 10-year-old boy who fell into a borewell in Madhya Pradesh's Guna district has died after he was taken out after 16 hours, a top official confirmed on Sunday. The incident, which took place at 6 pm on Saturday in Janjali area of Raghogarh, triggered a massive rescue operation involving multiple teams.



The boy, who was taken out of the borewell at around 9.30 am this This comes almost a week after a 3morning, was trapped at a depth of approximately 39 feet, and efforts to rescue him had been ongoing since Saturday night. Teams from the State Disaster Response Force (SDRF), National Disaster Response Force (NDRF), and local police were deployed at the site.

Guna ASP Man Singh Thakur said, "Sumit fell into the borewell yesterday afternoon at around 3.30 pm. The rescue operation to take him out

began at around 6 pm. This morning at around 9.30 am, Sumit was taken out of the borewell."

Guna Collector Satyendra Singh told ANI that the rescue teams dug a parallel pit up to 40 feet to rescue the boy. Also, oxygen support was being given continuously to ensure the child's safety.A team of doctors was also present at the site.

year-old girl fell into a 700- foot-deep borewell in Rajasthan's Kotputli and got stuck at 150 feet. She is still trapped in the borewell and specialised teams have intensified their efforts to rescue the girl.

Two weeks ago, a five-year-old boy fell into a borewell in Dausa district and the rescue operation lasted over 55 hours. However, the boy had lost the battle for life by that time he was taken

Kisan Mahapanchayat in Punjab on January 4, farmers to press for MSP demand

Farmer leader **Jagjit Singh** Dallewal, who has been on a fastunto-death since November 26, is scheduled to address the "Kisan **Mahapanchayat**" on January 4 at the Khnauri border.

New Delhi. Amid the ongoing protest at the Punjab-Haryana border, farmers have announced that they will hold a "Kisan Mahapanchayat" in Khanauri on January

A unanimous decision was reached by the leaders of farmer outfits, Samyukta Kisan Morcha (non-political) and Kisan Majdoor Morcha, to hold the Mahapanchayat as a mark of protest against the Centre, with their demands for a Minimum Support Price (MSP) for crops."On January 4, lakhs of farmers will be fathering at the Khanauri border and a Mahapanchayat will be held as leaders of

news agency ANI. The decision comes against the backdrop of SKM leader Jagjit Singh Dallewal's fastunto-death at the Khanouri border, which he began on November 26."Jagjit Singh

both forms have decided," farmer leader

Abhimanyu Kohar was quoted as saying by



Dallewal told us that he wanted to see all those farmers who he has served over the last 44 years. As we all know that his health is deteriorating continuously, doctors are saying that his health situation could be out of control any time," Kohar added.

On Saturday, the Supreme Court pulled up Jagjit Singh Dallewal, 70, has emerged as the protesting farmers objecting to attempts by the Punjab government to hospitalise farmer leader Jagjit Singh Dallewal, while also lashing out at the Punjab government for

their failure to shift the farmer leader, who has now gone without food for 34 days, to

The court's stern remarks came while hearing a contempt petition against the Punjab chief secretary for noncompliance with its December 20 order regarding medical aid to Dallewal, who is scheduled to address the "Mahapanchayat" on January 4, and convince him to go to hospital. Meanwhile,

Punjab Advocate General Gurminder Singh said a medical board was constituted and a team of eight doctors was monitoring the health of Dallewal. The advocate, citing the compliance report, said efforts were made to persuade the SKM leader.

face of Kisan Andolan 2.0. The ailing leader's fragile health has drawn attention from the government, the Opposition, and even the Supreme Court.

The statue was unveiled on Thursday by Lt Gen Hitesh Bhalla, the General Officer Commanding of the 14 Corps, widely known as Fire and Fury Corps. The towering symbol of valour, vision and unwavering justice was inaugurated by Lt Gen Hitesh Bhalla, the 14 Corps said on X.

The event celebrates the unwavering spirit of the Indian ruler, whose legacy remains a source of inspiration for generations," it said. The Army has been making efforts to integrate India's "ancient strategic acumen" into the contemporary military domain.

The unveiling of the Shivaji statue came weeks after India and China completed the disengagement process in the last two friction points of Demchok and Depsang marking an end to the nearly four-and-halfyear-long border standoff. Following an understanding reached on October 21, the two sides completed the disengagement of troops at the two remaining friction points.

DU's Academic Council approves a one-year PG programme under NEP

>The one-year postgraduate programme will be available to graduates of Du's four-year undergraduate course.

NEW DELHI. The Delhi University's Academic Council (AC) has approved the introduction of a one-year PG programme under the National Education Policy (NEP) 2020. The council has also approved the reservation of additional seats for single female students in PG programmes. The proposal advocates for reserving one supernumerary seat in each

postgraduate course for single girl students. The implementation of the "Postgraduate Curriculum Framework 2024" (PGCF 2024), was approved by the council in the 1021st meeting. The one-year postgraduate

programme will be available to graduates of DU's fouryear undergraduate course. Students with a three-year undergraduate degree can opt for the existing two-year programme. Students in the one-year programme will earn

44 credits, while those in the two-year programme will complete 88 credits.

The resolution passed by the council will now be presented to the university's highest decision-making body called the Executive Council. Some AC members have raised strong objections to the proposed framework, citing various challenges and potential drawbacks.



Additionally, the council approved the introduction of a PhD in Hindu Studies from the 2025-26 academic sessions and reaffirmed the reservation of additional seats for single girl students in postgraduate programmes.

The council also agreed to increase seats in specialised courses such as DM (Neuroanaesthesia) at GIPMER and BSc (Medical Technology) Radiology at Lady

Hardinge Medical College, starting from the 2025-26 academic session, subject to regulatory approvals. During the meeting, questions regarding health facilities were also raised, wherein DU South campus director professor Prakash Singh informed that on the instructions of the vicechancellor, the work of making DU Health Center a four-story building has also begun to increase the facilities in the university. The number of doctors will also be increased. He informed that a hospital of Railways has also been

affiliated with DU to provide medical facilities for all the teaching and nonteaching staff of DU at par with the

railway employees. Recently, the varsity found itself in a controversy when it announced its proposal to offer four value-addition courses on the Hindu religious scripture Bhagavad Gita.

Giant waves kill one in Ecuador, Peru ports closed

PERU. One person died in Ecuador and ports closed across Peru as massive waves up to four meters (13 feet) high pummeled the region, officials said Saturday. Many beaches along the central and northern stretches of the Peruvian coastline were closed to prevent risk to human life, local authorities said. Waves there submerged jetties and public squares, sending residents fleeing to higher ground, according to images on local media.

In neighboring Ecuador, the National Secretariat for Risk Management said a body was recovered in the coastal city of Manta."The Manta Fire Department reported that, at 6:00 am, the body of a missing person was found lifeless in the Barbasquillo sector," the agency announced on social media.

Peru closed 91 of its 121 ports until January 1, the National Emergency Operations Center said on its X social media account. The municipality of Callao, close to the capital Lima and the location of the country's main port, closed several beaches and barred tourist and fishing boats from venturing out.

These waves are being generated thousands of kilometers away from Peru, off the coast of the United States," navy Captain Enrique Varea told Channel N television."They are waves generated by a persistent wind on the surface of the ocean that is approaching our coasts," he said. Dozens of small fishing boats and businesses near the sea were affected, according to images broadcast on television and social networks.

I've Always Been In Favour...': Donald Trump Backs H-1B Visa Programme

World In a major shift from his earlier stance, US-President elect Donald Trump has expressed his support for the H-1B visa programme and acknowledged frequently using it for his own properties, calling it a "great programme," according to a report by the New York PostCalling it a "great programme," the President-elect said he has "always" been in its favour. I've always liked the visas, I have always been in favour of the visas. That's why we have them," Trump said in a telephonic interview with the New York Post. He added, "I have many H-1B visas on my properties. I've been a believer in H-1B. I have used it many times. It's a great programme."Notably, during Trump's first term, the administration imposed restrictions on H-1B visas, citing concerns over "abuse" and "economic strain."In 2016, Trump condemned the program, describing it as a means for companies to replace American workers with lower-paid foreign employees. Restrictions tightened further in 2020 in response to economic challenges caused by the Covid-19 pandemic.

Trump's latest remarks comes after a major divide emerged within his MAGA team in the United States, as Elon Musk and Vivek Ramaswamy who advocated for the expansion of the visa program for 'highly skilled workers' faced heavy backlash from within President-elect's base. Musk and Ramaswamy -- both foreign origin leaders heading Trump's Department of Government Efficiency (DOGE) -- reignited the debate on H-1B visas, while reflecting a divide over immigration policy as Trump prepares to assume office. The debate over H1B visas and immigration policy has intensified following Trump's announcement of Sriram Krishnan as the White House policy adviser on artificial intelligence. Krishnan has previously supported removing percountry caps for green cards, a stance that has sparked mixed reactions.

Man, Fishing With Family In Australia's Great Barrier Reef, Killed In Shark Attack



Sydney, Australia. A shark has attacked and killed a 40year-old pastor who was fishing with his family in the waters of Australia's Great Barrier Reef, officials and local media said. The predator bit him on the neck on Saturday afternoon off Humpy Island on the country's east coast, emergency services said. The victim was Luke Walford, a youth pastor at the Cathedral of Praise church in the central Queensland town of Rockhampton, according to local media including public broadcaster ABC."The man was fishing with family members when he was bitten by a shark,"

Queensland state police said in a statement. He sustained "life-threatening injuries" and died about an hour-and-a-half afterwards, police said, adding that a report would be prepared for the coroner.

They were unable to confirm whether he was spearfishing at the time. Photos posted by Walford on social media in 2021 showed him aboard a boat in a wetsuit holding up large fish.

A Queensland ambulance spokeswoman told AFP on Sunday that he died at the scene after sustaining a "significant life-threatening wound to his neck".

Humpy Island, which lies in the Great Barrier Reef's Keppel Bay Islands National Park, has a popular camping ground that gives easy access to reefs for diving and snorkeling. The country's last fatal shark attack was in December 2023, when what was believed to be a great white killed a 15-year-old boy at

a remote surfing spot in South Australia. There have been more than 1,200 shark incidents in Australia since 1791, of which over 250 resulted in death, according to a national database.

120 dead as plane carrying 181 people bursts into flames at Muan airport in South Korea

SEOUL. A plane carrying 181 people burst into flames after veering off a runway at Muan international airport in South Korea on Sunday, killing at least 120 people on board, The National Fire Agency confirmed. "120 people are confirmed dead after a Jeju Air plane crashed on landing in South Korea," the country's fire agency confirmed."So far two rescued, 120 dead,' the national fire agency said in a statement, adding that 25 of the victims were male, 37 female. Video shared by the local MBC broadcaster showed the Jeju Air plane -- a Boeing 737-8AS according to Flight Radar -- landing at the Muan airport runway, with smoke streaming out from the engines before the entire aircraft is quickly engulfed in flames.A collision with birds and adverse weather conditions were cited by the authorities as likely causes of the crash that flung passengers out of the plane and left it "almost completely destroyed", according to fire officials. One flight attendant and one passenger have been rescued so far, South Korea's fire agency said. Currently two have been rescued, one passenger and one flight attendant," the

statement, adding that 32 fire trucks and scores of firefighters had been deployed to the crash site at Muan airport. There was little chance that remaining passengers on a crashed Jeju Air flight survived, a South Korean fire department official said."Passengers were ejected from the aircraft after it collided with the barrier, leaving little chance of survival," a local fire department said in a statement."The plane is almost completely destroyed, and identifying the deceased is proving difficult. The process is taking time as we locate and recover the remains," the fire department in Muan said

The cause of the accident is presumed to be a bird strike combined with adverse weather conditions. However, the exact cause will be announced following a joint investigation," Lee Jeong-hyun, chief of Muan fire station, said during a briefing.A photo showed the tail section of the jet engulfed in flames on what appeared to be



the side of the runway, with firefighters and emergency vehicles nearby. Acting President Choi Sang-mok called for the mobilisation of all resources to save the passengers."All related agencies... must mobilise all available resources to save the personnel," he instructed officials in a statement. Choi is convening an emergency meeting with cabinet members to discuss rescue operations and response, his office said.Jeju Air says 'sincerely apologises'

Jeju Air apologised Sunday and vowed to do all it could to help after its plane carrying 181 people from Bangkok to South Korea crashed on arrival, killing scores."We at Jeju Air will do everything in our power in response to this accident. We sincerely apologise for causing concern," the airline said in a statement posted on its social media channels. It is the first fatal accident in the history of Jeju air, one of South Korea's largest lowcost carriers, which was set up in 2005.On August 12, 2007, a Bombardier Q400 operated by Jeju

Air carrying 74 passengers came off the runway due to strong winds at the southern Busan-Gimhae airport, resulting in a dozen injuries. South Korea's aviation industry has a solid track record for safety, experts say.Last year, a passenger opened an emergency exit on an Asiana Airlines flight as it was preparing to land, with the aircraft landing safely but several people hospitalised.

Trump sides with Musk in right-wing row over worker visas

WASHINGTON. Donald Trump weighed in Saturday in a bitter debate dividing his traditional supporters and tech barons like Elon Musk, saying that he backs a special visa program that helps highly skilled workers enter the country."I've always liked the (H1-B) visas, I have always been in favor of the visas, that's why we have them" at Trump-owned facilities, the presidentelect told the New York Post in his first public comments on the matter since it flared up this week. An angry back-andforth, largely between Silicon Valley's Musk and traditional anti-immigration Trump backers, has erupted in fiery fashion, with Musk even vowing to "go to war" over the issue. Trump's insistent calls for sharp curbs on immigration were central to his election victory in November over President Joe Biden. Trump has vowed to deport all undocumented immigrants and limit legal immigration.But tech entrepreneurs like Tesla's Musk -- as well as Vivek Ramaswamy, who is set to join Musk in co-chairing a government cost-cutting panel -- say the United States produces too few highly skilled graduates, and they

fervently champion the H1-B program. Musk, who migrated from South Africa on an H1-B, posted Thursday on his X platform that luring elite engineering talent from abroad was "essential for



America to keep winning."Adding acrimony to the debatewas a post from Ramaswamy, the son of immigrants from India, who deplored an "American culture" that he said venerates mediocrity, adding that the United States risks having "our asses handed to us by China. That angered several prominent conservatives who were backing Trump long before Musk noisily joined their cause this year, going on to pump more than \$250 million into the Republican's campaign."Looking forward to the inevitable divorce between President Trump and Big Tech," said Laura Loomer, a far-right MAGA figure known for her conspiracy theories, who

often flew with Trump on his campaign plane."We have to protect President Trump from the technocrats."She and others said Trump should be promoting American workers and further limiting immigration.

MAGA civil war Musk, who had already infuriated

some Republicans after leading an online campaign that helped tank a bipartisan budget deal last week, fired back at his critics. Posting on X, he warned of a "MAGA civil

war" over the visas, which he said were critical "for those who want America to win."Musk swore at one critic, adding: "I will go to war on this issue."That, in turn, drew a volley from Trump strategist Steve Bannon, who wrote on the Gettr platform that the H1-B program brings in migrants who are essentially "indentured servants" working for less than American

Severe Cold Wave in Pakistan Triggers Seasonal Diseases, Spikes in Pneumonia Cases

World Severe cold waves sweeping through Pakistan have led to a spike in seasonal diseases, with health experts warning of a rise in pneumonia cases, particularly among children. According to the Pakistan's Health Department, the lack of rain will increase the spread of seasonal diseases. There are also concerns that pneumonia cases could rise among children due to the cold spell, the Express Tribune noted.Cold wave, combined with severe dust pollution in areas such as Peshawar has also led to widespread cases of chest infection, colds, sore throat and dry cough. The increasing cold is causing health problems among people of all ages, with doctors reporting that the majority of patients visiting hospitals are suffering from infections. Children aged 8-10 are the most affected, the Express Tribune

Quoting the meteorological department, the Express Tribune noted that there is very little chance of rain until January 5. The intensity of the cold will persist during this period. In areas such as Kohistan, Ashiri Dara, Barawal and Lowari Pass, frost on roads has become a routine issue.Last week, seven districts of Khyber-Pakhtunkhwa were engulfed by intense cold, with temperatures dropping below freezing. Residents of these areas have had to confine themselves indoors



to protect themselves from the severe weather. Even the provincial capital of Peshawar has recorded a significant drop in temperature, reaching as low as 1 degree Celsius due to the cold wave in the rural areas.

At least six people, including women and children, died. and three others were injured in a car accident caused by dense fog at Tandlianwala in Pakistan's Punjab, Arv News reported.Pakistan has seen severe smog blankets across the country as the cold wave intensifies. The crisis hits Pakistan's most populous province every winter, but in recent years, air pollution has worsened due to cold air trapping dust, emissions from low-quality diesel, and smoke from illegal crop burning. The combination of smog, low temperatures, and high pollution levels presents major health risks to residents, underscoring the urgent need for decisive action to address the growing crisis.

New York Teacher Sexually Abused Teen Student In 'Escape Room' And Home 'Bat Cave': Report

World A disturbing report has revealed allegations of sexual abuse against Scott Biski, a 50-year-old music teacher at Jamaica Gateway to the Sciences High School in Queens. Investigators claim that Biski created a manipulative "escape room" environment to exploit a female student, whom he allegedly began grooming when she was just 14 years old. The abuse allegedly escalated into a sexual relationship when the student was a senior. Biski is also accused of inviting the student to his home, referred to as "the bat cave," for illicit encounters when his family was away,

the New York Post reported. 'I now understand that these weird hugs, embraces were actually just groping. He was touching me for sexual pleasure without my consent," the now 25-yearold ex-student told investigators in 2022. Biski allegedly created a manipulative environment in his music

classroom and office by setting up a pseudonym, Arthur Dent to avoid "makeshift dividers and old desks" and raising suspicion. According to court inviting students to hang out in his socalled "escape room." According to the report, Biski made unwanted advances towards the student, touching her breasts and attempting to kiss her. The girl promptly pulled away and left.

Biski also invited the girl to his home under the guise of playing board games with other students. However, on one occasion, she arrived to find herself alone with him. The report further alleges that Biski showered the girl with lavish gifts, including a flute, his favourite childhood book, new clothes, and cash. He even gave her \$200 to buy Ugg boots. Moreover, the Special Commissioner of Investigation (SCI) found that Biski sent the teenager nearly 700 messages, with 82 of those messages being sent during school hours. He allegedly instructed the student to save his phone number under

documents and the SCI report, Biski engaged in explicit and non-consensual behaviour with the student in his school office. He allegedly forced her to touch him inappropriately and made suggestive comments. Biski seemingly used his position of authority to groom the student, granting her favorable treatment such as assigning her lead flute roles, providing coveted solos, and writing outstanding college recommendation letters. After the student graduated, Biski allegedly continued to harass her, persuading her to visit his home for illicit encounters when his family was away. The inappropriate text messages also persisted."No Halloween party? No s**t outfit?" he texted her during her first year in college. The student, who saw Biski as a "father figure," reported feeling "disgusted" by his behaviour.

Syria's Interim Authorities Deploy Helicopters Against 'Former Regime Remnants' In Coastal Regions

Damascus. Military forces of Syria's interim administration have begun deploying attack helicopters against what it described as "remnants of the former regime" in the country's coastal regions, media reported.

The helicopters are taking off from Istamo Airfield in rural Latakia, targeting armed elements still active in the coastal countryside, media channels cited a statement by the administration, which did not elaborate on the number of helicopters in use or the scope of the operation. The deployment came as part of a series of security initiatives nationwide, aimed at consolidating the new leadership's authority, Xinhua news agency reported. On Saturday, Syria's newly-appointed intelligence chief Anas Khattab pledged in an official statement to restructure the country's security apparatus "in a manner befitting our people's sacrifices and long heritage". All existing security branches in Syria will be dissolved and reorganised, Khattab said, without outlining a timeline or providing specific details for the overhaul. Khattab's announcement came as Syria navigates a sensitive political transition following the downfall of the previous government on December 8. A military coalition led by Hayat Tahrir al-Sham waged a major military operation from northern Syria on November 27. It swept southwards, captured the capital Damascus, and overthrew former Syrian President Bashar al-Assad's government within 12 days. The Syrian Information Ministry declared a ban on what it described as "the circulation or publication of any media content or news with a sectarian tone aimed at spreading division" among Syrians. The Syrian

civil war took on sectarian dimensions as Assad drew on Shia militias from across the Middle East, mobilised by his ally Iran, to battle the insurgency dominated by members of the Sunni Muslim majority, many of them Islamist. Dissent has also surfaced in the city of Homs, 150 km (90 miles) north of Damascus.

State media reported that police imposed an overnight curfew on Wednesday night, following unrest linked to demonstrations



that residents said were led by members of the Alawite and Shia religious communities. Footage posted on social media on Wednesday from Homs showed a crowd of people scattering, and some of them running, as gunfire was heard.

Assad's long-time Shia regional ally, Iran, has criticised the course of events in Syria in recent days. On Sunday, Iranian Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei called on Syrian youth to "stand with firm determination against those who have

orchestrated and brought about this insecurity". Khamenei forecast "that a strong and honourable group will also emerge in Syria because today Syrian youth have nothing to lose", calling the country unsafe. Syria's newly appointed Foreign Minister, Asaad Hassan al-Shibani, said in a social media post on Tuesday that Iran must respect the will of the Syrian people and Syria's sovereignty and security. "We warn them against spreading chaos in Syria and we hold them accountable for the repercussions

of the latest remarks," he said. Lebanon said on Thursday it was looking forward to having the best neighbourly relations with Syria, in its first official message to the new administration in Damascus.

Lebanon's Iran-backed Hezbollah played a major role in propping up Assad during the civil war, before bringing its fighters back to Lebanon over the last year to fight in a bruising war with Israel -- a redeployment that weakened Syrian government lines.

NEWS BOX

'It's why we've got five-day Tests and really stick it up those who want four days!' — Mitchell Starc

New Delhi. With Australia refusing to declare before Day 4 ended and their tail wagging for 55 runs for the 10th wicket, the MCG Test set itself up for an exciting Day 5, even as Nathan Lyon and Scott Boland continued to frustrate India. But Mitchell Starc speaking to ABC Cricket stressed this was exactly why Test matches needed to be 5 days long, as it built towards an enthralling contest.

We've got 98 overs tomorrow. This why we've got five days for a Test match and really stick it up those who want four days!" Starc told ABC, even as an impatient restless cricket world has been brewing thoughts of making Tests into 4-day affairs. Suggestions are dime a dozen to truncate the longest format send cut it by a day, but Starc was clearly no fan of this brainwave. The Border-Gavaskar Trophy series has seen some exciting last sessions across venues from Adelaide to Brisbane, with drama pouring out in the last hour or over too. There was a smite of a chance that India dawdled and let things drift in the last hour on Day 4, not risking a bat. But concerns are swelling in Australia over



fitness of their bowling ace, Mitchell Starc, who received continuous treatment for his back problem, while he bowled in the first innings. The physio was stationed at the fine leg boundary, and Starc was even slow on a long shot attempt at a catch. Mitchell Starc however would tell ABC he wasn't stressed about what would be solid workload on Monday, Day 5: "It's not something that is bothering me. My pace is up ... If I need to bowl 20 (overs) tomorrow, I'll bowl 20."

When asked if Australia should've chanced a declaration and bought itself more time and overs to enforce a win, Starc said, "You'll have to ask Pat Cummins... you'll have to ask the brainstrust." Clearly, the Aussies reckoned there was something in the Melbourne pitch that could see Indians go after the total. At any rate, reports say MCG could witness over 40,000 trooping in on a Monday to watch the exciting final day, reiterating Starc contention that 5 days are worth spending over for a Test match.

ICC Names First List Of **Emerging Cricketers Of The** Year Awards 2024

New Delhi. The International Cricket Council (ICC) on Saturday unveiled the first wave of nominees for the ICC Awards 2024, spotlighting the emerging talents in men's and women's cricket. These nominees for the Emerging Men's and Women's Cricketer of the Year awards have made significant impacts over the past year, showcasing their skills in a year filled with international competition, as per ICC. With a host of exceptional new talent thriving on the international stage, the Emerging shortlists span eight nations, and are packed with elite performers from all formats of the game.

A hugely competitive field in the ICC Emerging Men's Cricketer of the Year sees four strong contenders vie for the accolade. England's Gus Atkinson enjoyed a memorable start to his Test career, and is joined on the shortlist by Pakistan's multiformat run-scorer Saim Ayub, West Indies pacer Shamar Joseph and record-breaking Sri Lankan batter Kamindu Mendis. Elsewhere, the ICC Emerging Women's Cricketer of the Year pits four leading shortformat talents against each other for the coveted title. Comprising the nominees are South African all-rounder Annerie



Dercksen, Scotland's Saskia Horley, India's Shreyanka Patil and Ireland's Freya Sargent, after all left a significant mark on international competition in 2024. More information about each of the nominees can be found in the news section of the ICC website. The ICC Awards 2024 comprises 12 individual awards, with shortlists in nine categories being revealed by the ICC between 28 and 30 December. Shortlists have been drawn up by a specialist panel of cricket writers and broadcasters, who selected the nominees according to on-field performances and overall achievements in international cricket throughout the calendar year. Fans are now able to vote for their favourite Emerging players at www.icc-cricket.com, with other categories unlocked as further nominees are revealed by the ICC over the next two days. Fan voting results will be combined with selections made by a prominent panel of international cricket media - the ICC Voting Academy - to identify the winner in each of the shortlisted categories.

Rise of women's sports, in crowd, spirit

Riding the wave of 2023, the year 2024 has seen visible growth with attendance at venues multiplying and endorsements too climbing. More is to come in 2025.

CHENNAI. It was the semifinal day of the 2024 Women's Asian Champions Trophy in Rajgir. Conventionally speaking, Bihar is not known for anything related to the sport. Odisha followed by Jharkhand and to a certain extent Chennai have come to be known as the centers of hockey when it comes to hosting in recent times. However, the roar the crowd let out when the ground announcer started introducing the Indian players at the Rajgir Sports Complex in late November would tell you that the state of Bihar had embraced the sport like never before.It is not just hockey, women's sports in India are slowly and steadily gaining the imagination of people. The crowd at various sporting events are an indication of what is to unfold in the coming years. Female athletes, who have played in front of empty chairs in the not-so-distant past feel this is one of those watershed moments they never thought they

would witness in their careers. Take Harmanpreet Kaur, for example, the current captain of the national side played in the 2013 ODI World Cup hosted in India. The fixtures were played across two cities, Mumbai and Cuttack, on five grounds. Despite Wankhede Stadium being within walking distance, the Indian team played their matches at the Cricket Club of India's Brabourne Stadium. The final of the ICC event was played at the same venue with empty stands and minimum fanfare. Ten years later, in March 2023, Kaur led Mumbai Indians to their title in the inaugural season of the Women's Premier League at the same venue in front of a packed house. "It was a great experience for all of us, we were waiting for this moment for so many years. I think everybody enjoyed in our dressing room. It feels like a dream, I think not only for me but for everyone here, even for the crowd also. So many people were asking us, "when the WPL is going to come?" and today that day is here and I'm so happy and so proud that our team did so well," Kaur had said after the final in Mumbai.

When the season expanded in two cities in the 2024 edition, the two iconic venues M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru and Arun Jaitley Stadium in New Delhi showcased their love for the game. Royal Challengers Bengaluru's final home game of the season fetched a crowd of over 26k spectators at the Chinnaswamy Stadium, while the final of the competition saw close

to 30k loud audience in New Delhi. One must notice that these were the ticketed matches and even though the prices of those tickets were not as high as their men's counterpart competitions are, still spectators were ready to pay some amount of money to



watch these fixtures.

Apart from adding to the marketability of women's sports and athletes, these increased numbers have also motivated the players and put a different challenge in front of them. The crowd has well and truly made a difference for the teams in crucial events. India's hockey captain Salima Tete who played in Rajgir admits to the same. "The international hockey tournament was happening in Bihar for the first time, and it was a great experience for us as a team. We didn't expect that much crowd, but they were there to support India. I think it gives you added

motivation, especially since these many Hockey admirers were on the ground to watch us play," she told this daily.

Other than the attendance at the ground, viewing numbers over TV and OTT platforms have skyrocketed over the years.

The 39% increase in the Dedicated Global Audience views in the 2024 edition of WPL is one of the biggest indications of that. While there is no gender-specific data available, with over 17 crore viewers tuning in across digital and linear platforms, the 2024 Paris edition was the most-watched Olympic Games in India's history. That could be a watershed moment for many sports going forward. The trends we are currently witnessing in India are in line with the revolution many sports are witnessing all over the World. Almost two million fans attended the Women's

World Cup in Australia and New Zealand - up by more than 600,000 from the previous record. Elsewhere in the USA, The average attendance for the 2024 Women's National Basketball League season was 9,807, the highest in 22 years - a 48% increase from the previous season. The league also witnessed 154 sellout games in 2024, which was a 242% increase from the

What has made this growth possible is the dedicated investments in the sport, giving players the facilities to show their talent and at the same time, making the sports-watching experiences spectator-friendly.

IND vs AUS: What is the highest successful run-chase in Melbourne Tests

The ongoing Boxing Day Test between India and Australia at the Melbourne Cricket Ground has been on a knife-edge. The game has ebbed and flowed throughout. Australia dominated in their first innings after Sam Konstas set the tone with a quick-fire 65. Usman Khawaja and Marnus Labuschagne carried the momentum with knocks of 57 and

But it was Steve Smith's 140 that propelled Australia to 474. Later, Yashasyi Jaiswal's 82 laid the platform for India. Although India lost a few quick wickets, Washington Sundar and Nitish Reddy's 127-run stand for the eighth wicket kept India afloat. The 21-yearold Reddy carried on and scored 114 runs, bringing India's deficit down to 105 runs.

On Day 4, Jasprit Bumrah became the fastest Indian pacer to reach the landmark of 200

wickets in Tests. But Australia's lead is past the 200-run mark. With the target growing, how much can India chase down? Let's have a look at what history suggests.

Big challenge for India

England hold the record for the highest successful run-chase in the history of Test cricket at the MCG after they tracked down 332 back in 1928. Out of 34 successful chases in Melbourne, England (8) and Australia (21) have achieved it as many as 29 times. Back in February 1953, South Africa chased down 295 to win by six wickets. As far as teams



from the sub-continent are concerned, only India achieved the feat once, back in December 2020 when they tracked down 70 to win by eight wickets. In the 21st century, barring India, only the Proteas are in the list of successful chases at the MCG by a visiting team after they chased down 183 to win by

Not impossible for India

There have been 19 successful run-chases in the history of the Border-Gavaskar Trophy, out of which India have featured 12 times. Nine out of the top 11 chases belong to India. In Australia, India have chased down a 200-plus target twice and a 300-plus target once.

The historic Brisbane Test in January 2021 where India tracked down 328 remains the all-time successful chase in the history of the Border-Gavaskar Trophy. Back in 2003, India chased 230 at the Adelaide Oval after Rahul Dravid's double century in the first innings.

Jasprit Bumrah fastest Indian to take 200 Test wickets

MELBOURNE. Pace spearhead Jasprit Bumrah on Sunday became the second fastest Indian along with Ravindra Jadeja to complete 200 Test wickets and the first bowler ever to reach that milestone with a sub-20 average during the fourth day's play of the fourth Test against Australia here.

The milestone came after he took four wickets in Australia's first innings and then dismissed Travis Head for 1 in their second innings on Day 4, marking his 200th Test wicket in just his 44th Test match. The recently retired Indian spinner Ravichandran Ashwin was the quickest among Indians to have taken 200 wickets, a feat that he achieved in his 37th Test feat that he achieved in his 37th Test.

Among all bowlers who have crossed the 200-wickets mark in Test cricket, Bumrah is the only bowler with an average of under 20 which includes some of the fearsome fast bowlers from the West Indies such as Malcolm Marshall (376 wickets at 20.94), Joel Garner (259 wickets at 20), Curtly Ambrose (405 wickets at 20.99) as well as England's James Anderson (704 wickets at 26.45) and even Glenn McGrath (563 wickets at 21.64).



Ashwin is ranked third in the overall list of bowlers who were fastest to take 200 Test wickets, behind two leg-spinners -- the Border-Gavaskar Trophy to 28.
Pakistan's Yasir Shah (33 Tests) and He had earlier dismissed opener Sam Konstas Australia's Clarrie Grimmett (36 Tests). The dismissal of Head was followed by that of

Mitchell Marsh's (0), caught behind the wicket, as Bumrah took his wickets tally in

(8) for his first wicket in Australia's second

India's Koneru Humpy crowned World Rapid Chess Champion for historic second time

■ India's Koneru Humpy scored a decisive win over Irene Sukandar in the final round on Sunday to clinch the World Rapid Chess Championship title for the second time in her career.

New Delhi. Indian Grandmaster Koneru Humpy won a historic second title at the World Rapid Chess Championship, emerging victorious in the tournament in New York on Sunday, December 29. Humpy has become only the second chess player after Ju Wenjun of China to win the title in the women's section more than once.Koneru Humpy, 37, sealed the title when she defeated Irene Sukandar with the black pieces in the final round. It was a decisive win for the Indian

a win in the ultimate battle. The Indian No. 1 finished on top of the standings with 8.5 out of 11 points in an incredible display in the World Rapid

Grandmaster, who needed nothing less than

Moscow.Later, the 18-year-old Volodar Murzin of Russia bagged the corresponding title in the men's section.Murzin is the the second-youngest



World Rapid Champion, after Beyond her rapid chess accolades, Humpy Nodirbek Abdusattorov, who claimed the title at 17. Andhra Pradesh Chief Minister N Chandrababu Naidu and former Sports Minister Kiren Rijiju were among the ones to congratulate Koneru on her historic achievement. It's been a sensational year for

Championship. This is her second title in India as Koneru Humpy's rapid world title World Championship in the classical format. Gukesh became only the second Indian man after Viswanathan Anand to win the prestigious crown. She first made a mark

in the tournament in 2012 when she secured a bronze medal in Moscow. In 2019, she reached the pinnacle of success by clinching the championship in Batumi, Georgia, where she defeated China's Lei Tingjie in a nerve-wracking Armageddon game.

Her silver medal finish in 2023 at the championship in Samarkand, Uzbekistan. She narrowly missed the title in a tiebreak against Russia's Anastasia Bodnaruk.

has also excelled in other formats. She earned a silver medal at the 2022 Women's World Blitz Chess Championship and came close to winning the Women's Candidates Tournament in 2024, finishing with another

Australia keeper ruled out of series due to injury, Starc provides fitness update

IND vs AUS: Australia wicketkeeperbatter Josh Inglis has been ruled out for the remainder of the Border-Gavaskar Trophy. Cricket Australia announced the development on Sunday, 29 December after Inglis suffered a calf strain.

Melbourne. Australia have been hit by a slight injury crisis in the Melbourne Test match of the Border-Gavaskar Trophy. Wicketkeeper- Apart from Inglis, there are concerns over batter Josh Inglis has been ruled out of the series due to a calf strain and will not be taking further part in the series, Cricket Australia announced on Sunday, 29

Inglis is the only keeper in the side, bar Alex Carey, and the injury comes as a big blow for

the Australian side, who will be left one short in that position going into the final Test match of the series in Sydney. Australia have not announced a replacement for the player, but are expected to draft in either Beau Webster or Nathan McSweeney as a specialist batter.Drafting either McSweeney or Webster will provide Australia choices in case they do not play Mitchell Marsh in the final Test of the series. Marsh has been a walking wicket throughout the 4 Tests so far against India and has not bowled a lot as well.

Mitchell Starc's fitness as well. The pacer bowled through pai on Day 3 of the Boxing Day Test match. Starc did not take the ball on Day 4 of the game, with Pat Cummins, Scott Boland and Nathan Lyon finishing off the job of taking India's final wicket. Starc was quizzed about his fitness on Day 4 of the Test match and said that



everything was fine. The fast bowler had suffered a back issue while bowling on Day 3 of the MCG Test. Starc played down his injury concerns and said that everything was good as he was bowling at 140ks throughout his spells.All good. My pace didn't drop so I'm all good," Starc said.

The seriousness of his injury had remained unclear at the end of Day 3. Scott Boland had spoken about the pacer and had said that the pacer would be fine in the near future.

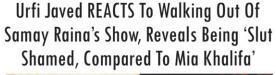
'He's okay. I think he's just had a bit of a niggle in his back or rib, but he came out after the (tea) break and was bowling 140 (kph) so I think he'll be fine," Boland told reporters.

Speaking to the ABC, Boland added: "Playing a Test match is pretty hard on your body and he's played all four Tests so far. I think

he's just a little bit stiff in his back.'

I think he's underrated for how tough he is. A couple of years ago here at the MCG he had a broken finger and we were planning for him not to bowl at all – and then he came out and bowled 140k swingers," Boland had said.

Monday, 30 December 2024





amay Raina's show India's Got Latent has once again been shrouded in controversy. It was reported that social media sensation Urfi Javed, who appeared as a guest on the show, walked out mid-way after two contestants made derogatory remarks against her. Urfi has finally broken silence on the controversy, and addressed her walkout. Sharing what happened on the show, she slammed the two contestants for slut shaming her. She revealed that one contestant also compared her to adult film actress Mia Khalifa. Finally addressing the controversy, Urfi Javed wrote on her Instagram story, "I think I missed the memo, nowadays people think it's cool to abuse someone or just slut shame someone for some views. I'm sorry but I'm not ok with anyone abusing me, slut shaming me for my body counts (which they don't know but they just assumed it must be high). All this for what? For 2 mins of fame? The guy who abused me wasn't even joking, he got legit mad at me when I asked him why he was faking being handicapped! He just abused me on the stage infront of so many people.'

Further, speaking about another contestant, she said that he slut shamed her and compared her to Mia Khalifa. She was disgusted by the derogatory remarks. While she didn't confront the individuals at the time, she said that she did not find such actions acceptable. She emphasized that such remarks should never be viewed as "cool" or acceptable under any circumstances. "The next one was just trying to be cool, slut shaming me comparing me to Mia Khalifa expressing his displeasure over my high body count. I was disgusted. I should've said soemthing to these men but I didn't cause the place I was at, everyone thought this was cool. No it's not. It's not cool," Urfi concluded. The remarks left Urfi disgusted and disappointed, following which she walked out of the show. Reportedly, even the host of the show, Samay Raina did not intervene due to which the situation went out of hand.

This is not the first time that Samay Raina or his show has landed in a controversy for initiating a debate about the limits of comedy. Previously, Samay made headlines for brutally roasting Kusha Kapila over her divorce from Zorawar Ahluwalia.

Nikkita Ghag's Film Courage To Represent India At Festival De Cine Global Santo Domingo



ctress Nikkita Ghag's drama film Courage is set to represent the country at the Festival De Cine Global Santo Domingo. The Ankur Arun Kakatkar directorial will be screened under the Country of Honour section during the event. Sharing the exciting news with her fans and admirers, Nikkita dropped a post on Instagram that reads, "Our English Film COURAGE is representing India in the COUNTRY OF HONOUR section at Festival De Cine Santo Doming. A heartfelt thanks to the cast and crew for making this possible."The actress added in the caption, "Proud to be a part of this film."

Courage is based on a true story and follows Rani, a young woman trapped in an abusive marriage. Her life takes a turn when she reconnects with her college crush, Jaydeep, and old feelings resurface. However, their love story faces an unexpected challenge when Jaydeep is diagnosed with a serious illness.

In the film, Nikkita plays Prabha, a friend of Rani.

The 2025 Festival de Cine Global Santo Domingo will be held in Westpark and Caribbean Cinemas in Santo Domingo, Dominican Republic, from January 31 to February 6.The festival will showcase a diverse range of films, including documentaries, short films and feature films, as well as opportunities for learning and inspiration. It will be dedicated to the Domician filmmaker and photographer Rubén Darío Abud, who passed away after a long battle with cancer earlier this year. Notably, India will be the country of honour at the festival. Earlier this month, Dominican Cinema shared the news on Instagram and wrote, "This year, India, as the guest country of honour, will take us on a fascinating journey through its rich cinematic and cultural history."

Talking about Nikkita, the actress has appeared in shows like Bekaboo 3, Fuh Se Fantasy and Pyarr Ka Bazaar Karobaar.Recently, during an interview, Nikkita shared her career plans for 2025 and said, "Next year, I hope to embark on more acting jobs and make it to the Bigg Boss house anyhow. I want to grow politically and personally-physically, psychologically and emotionally in a positive way. My ultimate goal is to continue learning, improving, and excelling in both my political and professional lives," quoted Filmibeat. The actress was also seen showing her vocal support for Digvijay Rathee, during his stint inside the Bigg Boss 18 house.

Suresh

Shocked As Paparazzi
Call Her 'Dosa';
Salman Khan
Battles Masked Foes In Sikandar Teaser
Kand Telugu film industries. However, she recently made her Bollywood debut with Baby John. Recently, the actress was snapped by the paparazzi in Mumbai when she was left annoyed. The highly anticipated teaser for Sikandar, starring Salman Khan and Rashmika Mandanna, has finally been unveiled. This action-packed film marks the

and Telugu film industrict recently made her Bollywood John. Recently, the actress was paparazzi in Mumbai when she was The highly anticipated teaser for Salman Khan and Rashmika Mabeen unveiled. This action-pack reunion of Salman Khan with producer Sajid Nadiadwala, following their blockbuster collaboration in Kick (2014), Nadiadwala's directorial debut.

Anushka Sharma has been in Australia for over a month to support Virat Kohli and Team India during the 2024-25 Border-Gavaskar Trophy. A

Anushka Sharma has been in
Australia for over a month to
support Virat Kohli and Team
India during the 2024-25
Border-Gavaskar Trophy. A
recent photo from the Melbourne
Cricket Ground (MCG) showed
her posing with Indian cricketer
Nitish Kumar Reddy's family. Fans
also noticed Athiya Shetty, who is
expecting, in the picture.

In September, Sean 'Diddy' Combs was arrested on the charges of sex trafficking, racketeering and transportation to engage in prostitution. He is currently being detained at the Metropolitan Detention Centre in Brooklyn. Despite being in jail and awaiting his trial, scheduled for May 2025, the 55-year-old rapper is nowhere close to being broke, at least for the time being. Tina Ahuja, daughter of Bollywood legend Govinda and Sunita Ahuja, recently opened up about various topics during a joint interview with her mother. Tina, an entrepreneur, stirred up a conversation about menstrual health with her unconventional views, claiming that period cramps are more common in cities like Mumbai and Delhi and suggesting that they might be psychological in nature.

Twinkle Khanna

On Moving To London: 'Even Without Akshay's Support, I Would Have Done It's

winkle Khanna, who first graced Bollywood with her debut in Barsaat (1995), enjoyed a brief stint in the film industry, starring in notable movies such as Mela, Joru Ka Ghulam, and Baadshah. Though she has stepped away from the silver screen, Twinkle has carved out a new identity as a successful author and film producer. Recently, she revealed her gratitude for her husband, Akshay Kumar, supporting her decision to relocate to London



with their daughter, Nitara. She candidly admitted that while she was determined to make the move regardless, his approval made the transition much smoother. Speaking at an event hosted by FICCI FLO, Twinkle reflected on her upbringing in an unconventional household where seeking permission wasn't a norm. Recalling Akshay's understanding nature, she expressed relief that he was on board with the relocation. "Even if he wasn't fine with it, I would have done it anyway," she said, adding that it would have been a far more challenging

process. Twinkle's journey has been anything but conventional. Although she initially aspired to become a chartered accountant after completing her 12th grade, her parents, legendary actors Rajesh Khanna and Dimple Kapadia, encouraged her to pursue a career in films.

However, after stepping away from acting, Twinkle found her passion in writing and academia. In 2024, at the age of 49, Twinkle made headlines for returning to education full-time. Having dabbled in online courses during the pandemic, she went on to earn a master's degree from Goldsmiths, University of London, graduating in January this year. Following her

achievement, Akshay Kumar celebrated her dedication with a heartfelt Instagram post, praising her ability to balance studies, career, and family life. Twinkle Khanna, who last appeared on-screen in Love Ke Liye Kuch Bhi Karega (2001), has since made a name for herself beyond acting. As a producer, her last project was the critically acclaimed Pad Man (2018), and as an author, she has penned bestsellers like Mrs Funnybones, The Legend.

